फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 75 संख्याः 274 प्रभात जयपुर, बुधवार 7 मई, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

ARBIT

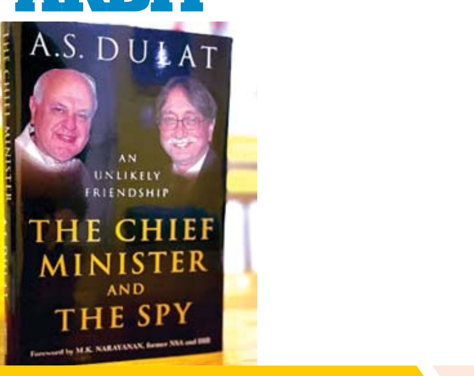

The Story Of Kashmir Waiting To Be Told

"Why did he do it? Why did he write the book?" Farooq put a stamp of approval on this feeling by putting out a statement in the press: "A. Dulat is a friend, he shouldn't have written this book!"

Rediscover Life Offline

Screen-Free Week 2025 (May 5-11) invites you to unplug and reconnect, are you in?

जयराम रमेश के सितारे गर्दिश में हैं केवल सोनिया गांधी का प्रभाव उन्हें बचाये हुए है

पहले जब मल्लिकार्जुन खड़गे उनकी छुट्टी करने वाले थे, ए.आई.सी. सी. मुख्यालय से तो राहुल गांधी ने उन्हें बचाया था

– रेणु मित्तल –
– राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो –

नई दिल्ली, 6 मई। ए आई सी सी महासचिव के रूप में जयराम रमेश का मीडिया प्रभारी पद का प्रभार अधरझूल में प्रतीत हो रहा है।

सूत्रों का कहना है कि उन्हें सोनिया गांधी का समर्थन एवं आशीर्वाद प्राप्त है। उन्हें जब भी अपने ऊपर कोई गाज गिरती महसूस होती है, वे जाकर सोनिया गांधी से मिलते हैं और वे हर बार उनके साथ खड़ी हो जाती हैं।

अभी पिछले सप्ताह ही, जातिगत जनगणना के लिए सहमत हो जाने के प्रधानमंत्री के निर्णय के बाद, राहुल गांधी ने 24, अकबर रोड पर अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की थी। उन्होंने कॉन्फ्रेन्स से जाते समय जयराम पर कटाक्ष किया था : "आप तो घटनाक्रम के इस मोड़ पर बड़े परेशान हो रहे होंगे।"

यह सर्वविदित है कि रमेश जातिगत जनगणना के विचार के विरोध में थे तथा जातिगत जनगणना का अनिच्छा से समर्थन कर रहे थे।

- राहुल गाँधी ने भी यह महसूस कर लिया है कि, जयराम रमेश, गलत आदमी हैं, मीडिया के मामले में, तो अब सोनिया गांधी के कारण उनकी नौकरी बरकरार है।
- यह कोई छुपी हुई बात नहीं है, कि जयराम रमेश जातिगत मतगणना के खिलाफ हैं, अतः उन्होंने ए.आई.सी.सी. के मीडिया इंचार्ज होते हुए भी कोई प्रयास नहीं किया पार्टी का पक्ष पत्रकारों के समक्ष रखने के लिए।
- राहुल गांधी चाहते थे, जाति मतगणना के मामले में कांग्रेस की भूमिका को हाई-लाईट करने के लिए देश भर में प्रेस कांफ्रेंस आयोजित हों, पर जयराम रमेश ने राहुल गांधी के इरादे को जनता के समक्ष लाने के लिए कुछ काम नहीं किया, उनकी यह ही भूमिका अहमदाबाद सैशन के दौरान रही।
- जयराम रमेश के खिलाफ यह बात भी खूब प्रचारित हो रही है, कि, जयराम रमेश, अमित शाह के भारी प्रशंसक हैं, और कई मुद्दों पर शाह की सार्वजनिक रूप से तारीफ करते रहे हैं।

जब राहुल गांधी ने उनसे यह सुनिश्चित करने को कहा कि इस मुद्दे पर पूरे देश में प्रैस कॉन्फ्रेस आयोजित की जायें, तो जयराम ने उनके इस निर्देश की अनुपालना नहीं की थी।

अगले दिन जयराम को इस मुद्दे पर प्रैस से बात करनी थी लेकिन उनके पास कहने के लिए कोई नई बात थी ही नहीं, इसलिए उन्होंने सिर्फ वही सब दोहरा दिया, जो राहुल गांधी ने एक दिन पहले अपनी प्रैस ब्रीफिंग में कहा था। बाद में, यह एक ऑन-द-रिकॉर्ड डीब्रीफिंग बन गई।

कोई भी व्यक्ति यह अनुमान लगा सकता है कि वह सब क्या है। काश! कोई उन पर मेहरबानी कर दे और उन्हें बता दे कि डीब्रीफिंग क्या होती है।

हाल ही में अहमदाबाद में हुए ए आई सी सी अधिवेशन में, जयराम दिन भर स्टेज पर बैठे दिखाई देते रहे, लेकिन उन्होंने बंधुआ मीडिया को अंदरूनी पॉइन्ट्स के बारे ब्रीफ करने, और यहां तक कि अधिवेशन पर डीब्रीफिंग की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले को सजा सुनाई

जयपुर, 6 मई। जयपुर महानगर प्रथम के सत्र न्यायालय ने सांगानेर इंटरनेशनल एयरपोर्ट में बम धमाका करने का धमकी भरा ईमेल भेजने वाले युवक धर्मपाल बिजारणियां को छह माह की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने 19 वर्षीय इस अभियुक्त पर दो हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना राशि अदा नहीं करने पर अभियुक्त को पन्द्रह दिन अतिरिक्त जेल में रहना होगा। पीठासीन अधिकारी नंदिनी व्यास ने अपने आदेश में कहा कि जांच अधिकारी ने अभियुक्त युवक की

- गत वर्ष 15 और 16 फरवरी को अभियुक्त धर्मपाल ने ई-मेल भेजकर अलग-अलग समय जयपुर एयरपोर्ट पर बम विस्फोट की धमकी दी थी।

ओर से अपने मोबाइल में प्रयुक्त की जा रही सिम से यह धमकी भरा मेल भेजा जाना प्रमाणित माना है। एयरपोर्ट से देश-विदेश में उड़ानें जाती है। ऐसे धमकी भरे ईमेल से इनका संचालन प्रभावित होने की संभावना रहती है और आम जन में भी भय उत्पन्न होता है।

अभियोजन पक्ष की ओर से लोक अभियोजक लियाकत खान ने अदालत को बताया कि मामले में टर्मिनल मैनेजर मयंक सोटी ने 23 फरवरी, 2024 को एयरपोर्ट थाने में रिपोर्ट दी थी। रिपोर्ट में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मेन लाइन टी.वी. चैनल की तुलना में यू-ट्यूब चैनल काफी कष्टदायक लग रहे हैं

कई यू-ट्यूब चैनल को बन्द कराया सरकार ने

– रेणु मित्तल –
– राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो –

नई दिल्ली, 6 मई। मोदी सरकार आलोचना के मुद्दे पर और ज्यादा असहिष्णु बनती जा रही है। और अब राष्ट्रीय सुरक्षा एवं राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा के नाम पर यह बिना किसी नोटिस या चेतावनी के यू ट्यूब चैनल बंद कर रही है।

यू ट्यूब चैनल 4 पी एम को बंद कर दिया और कारण भी नहीं बताया गया कि इसे क्यों बंद किया गया।

और अब वरिष्ठ पत्रकार पुष्य प्रासून वाजपेयी का यू ट्यूब चैनल बिना किसी पूर्व सूचना के बंद कर दिया गया।

"4 पी एम" के संजय शर्मा सुप्रीम कोर्ट चले गये तथा कोर्ट ने मोदी सरकार को नोटिस जारी करते हुए, 7 दिन के अन्दर इस बात का जवाब मांगा है कि इस चैनल को शट डाउन क्यों किया गया है।

यह देखना बहुत दिलचस्प होगा कि सरकार देश-हित और राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर अपने नियम के बचाव में क्या तर्क देती है।

सम्भवतः इस समय तथाकथित मेनलाइन इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ही ऐसा मीडिया बचा है, जो देशभक्त है तथा

- फोर पी.एम. यू-ट्यूब चैनल व वरिष्ठ पत्रकार पुण्य प्रसून बनर्जी के यू-ट्यूब चैनल को बन्द करवाया सरकार ने।
- फोर पी.एम. यू-ट्यूब चैनल के मालिक संजय शर्मा, ने सुप्रीम कोर्ट में अर्जी पेश कर, उनकी चैनल बन्द करवाने के आदेश को चुनौती दी।
- सुप्रीम कोर्ट ने इस अर्जी को सुनकर सरकार को नोटिस दिया, कि, सरकार साथ में जवाब दे कि, फोर पी.एम. चैनल को बन्द करने का क्या कारण है।
- सरकार ने कुछ समय पहले पाकिस्तान के 14 यू-ट्यूब चैनल को बन्द करवाया था, पर ये चैनल अब फेसबुक पर जाकर अपनी बात कह रहे हैं।

अत्यंत संगीन मुद्दों पर सरकार के मत को दोहराता रहता है। इसके साथ ही, यह मीडिया सरकार से असुविधाजनक प्रश्न नहीं करता, तथा सरकार से संबंधित मुद्दों पर बहुत ही ज्यादा वफादार है और मोदी एण्ड कंपनी की प्रशंसा के पुल बांधने में सबसे आगे है।

इसे अब "गोदी मीडिया" कहा जा रहा है क्योंकि इसने नेता के प्रति भक्ति के मामले में सबको पीछे छोड़ दिया है।

यू ट्यूब चैनल ही तो ऐसे चैनल बचे हैं, जो सवाल पूछ रहे हैं तथा सरकार के मत का आंख बंद कर समर्थन नहीं करते हैं।

आगामी दिनों में, यही देखना बाकी है कि और कितने चैनल बंद किये जायेंगे और कितने पत्रकार सरकार के अनुरूप चलने के लिए अथवा चैनल छोड़ने के लिए बाध्य किये जाते हैं। सरकार ने 14 पाकिस्तानी यू ट्यूब चैनल प्रतिबंधित कर दिये हैं तथा उनमें से कई फेसबुक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल गांधी चुपचाप, बिना पब्लिसिटी के ले. विनय नरवाल के परिवार से मिलने पहुँचे

उन्होंने प्रेस को और पार्टी के नेताओं को उस समय नरवाल के निवास पर प्रवेश करने से रोका जब राहुल शहीद नरवाल के परिवार के साथ बातचीत कर रहे थे

– डॉ. सतीश मिश्रा –
– राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो –

नई दिल्ली, 6 मई। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को करनाल जाकर विनय नरवाल को श्रद्धांजलि अर्पित की, वो भी बिना किसी मीडिया प्रचार के।

गांधी उस परिवार के साथ 90 मिनट तक रहे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, जिनके साथ मीडिया टीम का होना हमेशा जरूरी होता है, के विपरीत, राहुल गांधी ने साफ निर्देश दिए थे कि दुःख की इस घड़ी में जब वे परिवार से मिल रहे हों तो मीडिया नहीं होना चाहिए। यहां तक कि कांग्रेस के नेताओं को भी बाहर ही रोक दिया गया था।

पहलगाम हमले में मारे गए 26 लोगों में लैफ्टिनैंट नरवाल भी थे।

- राज्य के प्रभारी बी.के. हरि प्रसाद तथा सह प्रभारी विनोद राव, प्रदेशाध्यक्ष उदय भान, सांसद दीपेन्द्र हुड्डा और पूर्व विधायिका सुमित्रा सिंह, ले. नरवाल के निवास के बाहर ही इन्तज़ार करते रहे, जब तक राहुल परिवार से मिलकर बाहर नहीं आये।

मीटिंग के बाद भी राहुल ने मीडिया से बात नहीं की, बल्कि एक्स पर अपनी संवेदनाएं प्रकट की तथा राष्ट्रीय एकता बनाए रखने पर जोर देते हुए पीड़ितों को न्याय देने की मांग की।

राहुल गांधी ने लिखा, "मैं लैफ्टिनैंट विनय नरवाल जी, जो पहलगाम हमले में शहीद हुए थे, के शोक संतप्त परिवार से मिला, उनके दुःख में भागीदार बना और उन्हें सांत्वना दी।" राहुल ने शहीद के परिवार की हिम्मत की सराहना की और कहा, घोर में दुःख की घड़ी में उनका अदम्य साहस और हिम्मत पूरे देश के लिए एक संदेश देता है कि हमें एकजुट रहना है।"

उन्होंने कहा, पूरा देश शहीदों के परिवारों के साथ है।

उन्होंने कहा, राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर पूरा विपक्ष सरकार के साथ है। उन्होंने कहा, "विपक्ष पूरी तरह से सरकार के साथ है। दोषियों को ऐसी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'आईओसी 4 सप्ताह में सीतापुरा प्लांट शिफ्ट करने का प्लान बनाये'

जयपुर, 6 मई। राजस्थान हाईकोर्ट ने शहर सीतापुरा स्थित एलपीजी बॉटलिंग प्लांट को सीतापुरा इंडस्ट्रियल एरिया से दूसरी जगह शिफ्ट करने के संबंध में आईओसीएल (इंडियन ऑइल कारपोरेशन लिमिटेड) से चार सप्ताह में प्लान बताने के लिए कहा है। वहीं मामले

- हाईकोर्ट ने कहा कि मौजूदा समय में यह बॉटलिंग प्लांट रिहायशी कॉलोनियों, अस्पतालों, स्कूल व कॉलेजों के लिये खतरा बन गया है।

में पेट्रोलियम एवं विस्फोटक सुरक्षा संगठन को भी पक्षकार बनाए जाने के लिए कहा है। सीजे एमएम श्रीवास्तव व जस्टिस मुकेश राजपुरोहित ने यह आदेश ओमप्रकाश टांक की जनहित याचिका पर दिए। सुनवाई के दौरान सीजे ने भांकरोटा के पास हुए एलपीजी टैंकर ब्लास्ट मामले का हवाला देते हुए कहा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पूर्व एन.डी.ए. नेता ने राहुल को मुख्य अतिथि बनाया

महादेव जानकर, तालकटोरा स्टेडियम में राजमाता अहिल्या देवी होलकर की तीन सौवीं जयंती पर भव्य समारोह का आयोजन कर रहे हैं

-सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 मई। इसे, खास तौर से महाराष्ट्र में, राजनैतिक गठबंधनों के पुनर्निमाण की शुरुआत माना जा सकता है कि महादेव जानकर, जो धनगर (गडेरिया) समुदाय के जाने-माने नेता, तथा भारतीय जनता पार्टी के पूर्व सहयोगी हैं, ने आज दिल्ली में कांग्रेस नेता तथा लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष, राहुल गांधी से भेंट की।

जानकर, जो राष्ट्रीय समाज पार्टी (आरएसपी) के अध्यक्ष हैं, ने गांधी को 31 मई को दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित एक समारोह के मुख्य अतिथि के रुप में आमंत्रित किया है। यह समारोह पुण्यश्लोक राजमाता अहिल्या देवी होल्कर की 300 वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में आयोजित किया जा रहा है।

जानकर ने कहा, "उन्होंने (राहुल)

- इस निमंत्रण को महाराष्ट्र में राजनीतिक दलों की बदलती वफादारी का प्रमाण माना जा रहा है।
- महादेव जानकर को गोपीनाथ मुण्डे पार्टी में लेकर आये थे, तथा उन्हें देवेन्द्र फड़नवीस के प्रथम शासन काल में मंत्री भी बनाया गया था।
- पर मुण्डे की मृत्यु के बाद, उन्हे महत्व नहीं मिल रहा था, अतः उनकी कांग्रेस से जुड़ने की काफी चर्चा है।

आमन्त्रण प्राप्त होने पर अत्यन्त प्रसन्नता व्यक्त की तथा समारोह में शामिल होने की सहमति दे दी।" जानकर ने आगे कहा, "अब हम एनडीए का हिस्सा नहीं हैं। भाजपा ने मेरा इस्तेमाल किया और फिर मुझे उपेक्षित कर दिया। मैं ऐसे बड़े कीमती सबक सिखाने के लिये एनडीए का आभारी हूँ। मेरे ख्याल से, अब वह समय आ गया है कि मैं अपनी पार्टी को आगे बढ़ाने पर ध्यान दूँ।"

धनगर समुदाय के नेता जानकर भाजपा नेता स्व. गोपीनाथ मुण्डे द्वारा विचारित सोशल इंजीनियरिंग का हिस्सा थे। मुण्डे के निधन के बाद, वे पंकजा मुण्डे के नज़दीक रहे तथा उन्हें मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस के पहले कार्यकाल में पशुपालन मंत्री बनाया गया। लेकिन, भाजपा में धनगर समुदाय के एक अन्य नेता गोपीचन्द पडालकर के उदय के बाद, जानकर की उपेक्षा कर दी गई। अपनी स्वतंत्र पहचान बनाये रखने की खातिर, जानकर ने अपनी पार्टी का अन्यत्र विलय करना उचित नहीं समझा तथा परभनी सीट से 2024 का लोकसभा चुनाव हार जाने के बाद, एनडीए को छोड़ देने का निर्णय ले लिया।

महाराष्ट्र के शोलापुर, साँगली, बारामती, परभनी तथा सतारा लोकसभा चुनाव क्षेत्रों में धनगर समुदाय के लोग अच्छी -खासी संख्या में हैं तथा 25-30 से अधिक विधानसभा सीटों के नतीजों को प्रभावित कर सकते हैं।

जानकर ने कहा, "मैंने महाराष्ट्र में कांग्रेस के साथ राजनैतिक गठजोड़ करने का निर्णय अभी तक नहीं लिया है। कोई निर्णय लेने में समय लगेगा, क्योंकि कुछ विचार-विमर्श तथा सलाह-मशविरे करने होंगे। लेकिन हमारा लक्ष्य राजनैतिक रुप से आगे बढ़ना है तथा इसके लिये जो भी जरुरी होगा, वह करेंगे।" उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर जातिगत जनगणना की सफलतापूर्वक माँग करने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईरान के विदेश मंत्री आज भारत में

नयी दिल्ली, 06 मई। ईरान के विदेश मंत्री सैय्यद अब्बास आरग्ची बुधवार को भारत की दो दिन की यात्रा पर यहाँ आ रहे हैं।

विदेश मंत्रालय के अनुसार डॉ. आरग्ची कल दोपहर नयी दिल्ली पहुंचेंगे तथा गुरुवार को वह दोपहर में हैदराबाद हाउस में विदेश मंत्री एस जयशंकर के

- पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के बीच ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास आरग्ची की भारत यात्रा को कूटनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

साथ बैठक में शामिल होंगे। वह अपराह्न चार बजे वह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से भेंट करेंगे और रात में स्वदेश लौट जाएंगे।

जम्मू-कश्मीर में पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत की पाकिस्तान पर सामरिक कार्रवाई की तैयारियों के बीच ईरान के विदेश मंत्री की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत व इंग्लैण्ड ने "फ्री ट्रेड डील" पर हस्ताक्षर किये

टैरिफ वॉर की अनिश्चितता से तंग आकर दोनों देशों ने आपस में व्यापार करने के लिए यह समझौता किया है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 मई। बढ़ते संरक्षणवाद और टैरिफ के कारण आ रहे व्यापार व्यवधानों के बीच एक महत्वपूर्ण सफलता के रूप में, भारत और यूनाइटेड किंगडम ने एक महत्वाकांक्षी फ्री ट्रेड एग्रीमैंट (एफ.टी.ए.) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसे दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों में एक मील का पत्थर माना जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस समझौते को ऐतिहासिक उपलब्धि करार दिया, जो इण्डिया -यू.के कॉम्प्रिहैन्सिव पार्टनरशिप को और गहरा करेगा और दोनों देशों में व्यापार, निवेश, नवाचार और रोजगार सृजन को बढ़ावा देगा।

मोदी और उनके ब्रिटिश समकक्ष कीर स्टारमर के बीच मंगलवार को हुई फोन बातचीत के बाद समझौते को अंतिम रुप दिया गया। दोनों देशों ने तीन साल पहले एफ.टी.ए. को अंतिम रुप देने का लक्ष्य तय किया था। शुरुआत में इसे अक्टूबर 2022 तक पूरा करने का लक्ष्य था, लेकिन यूके में राजनीतिक अस्थिरता और ऑटोमोबाइल शुल्क व शराब पर टैक्स जैसे संवेदनशील मुद्दों पर मतभेद के कारण यह बातचीत टलती रही।

मोदी ने "एक्स" (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, "मेरे मित्र प्रधानमंत्री कीर स्टायमर से बात करके खुशी हुई। एक ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में, भारत और यूके ने एक महत्वाकांक्षी और परस्पर लाभकारी मुक्त व्यापार समझौता (फ्री ट्रेड एग्रीमैंट) तथा डबल टैक्सेशन कन्वैन्शन समझौता सफलतापूर्वक पूरा किया है। ये ऐतिहासिक समझौते हमारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और गहराएंगे तथा व्यापार, निवेश, विकास, रोजगार सृजन और नवाचार को गति देंगे।

दोनों नेताओं ने व्यापार के नए अवसरों को खोलने और आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के रूप में इस एफ.टी.ए. की सराहना की। स्टारमर ने कहा कि यह समझौता यूके की परिवर्तन की योजना के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य वैश्विक साझेदारी को बढ़ावा देकर

- इस समझौते पर तीन साल से बातचीत चल रही थी, पर, किसी न किसी कारण फाइनल नहीं हो पा रही थी। पर टैरिफ वॉर के दबाव ने इन दिक्कतों को दूर करने में अच्छी भूमिका निभाई।

व्यापार बाधाओं को कम करते हुए मजबूत और सुरक्षित अर्थव्यवस्था बनाना है।

यह समझौता ऐसे समय में हुआ है, जब वैश्विक सप्लाई चेन भू-राजनीतिक तनावों से जूझ रही हैं और बहुपक्षीय व्यापार वार्ताएं (मल्टीलेटरल ट्रेड नैगोसिएशन्स) सर्वसम्मति के लिए संघर्ष कर रही हैं। ऐसे में यह द्विपक्षीय समझौता, व्यावहारिक आर्थिक कूटनीति को आगे बढ़ाने की दोनों देशों की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। भारत के लिए यह एफटीए एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसके बाद भारत भिन्न-भिन्न ट्रेड पार्टनर ले सकता है तथा ग्लोबल मैनुफैक्चरिंग व सर्विसेज़ हब बनने की अपनी महत्वाकांक्षा को मजबूत कर सकता है। वहीं, यू.के. के लिए, ब्रेक्सिट के बाद की व्यापार नीति में, यह एक महत्वपूर्ण प्रगति है, जो उसकी वैश्विक आर्थिक प्रासंगिकता को पुनः साबित करती है।

यूके सरकार के आंकड़ों के अनुसार, 2024 की चौथी तिमाही तक समाप्त चार तिमाहियों में वस्तुओं और सेवाओं का द्विपक्षीय व्यापार 42.6 बिलियन पाउण्ड था-जो पिछले वर्ष की तुलना में 8.3 प्रतिशत अधिक है। भारत का यूके को निर्यात 10.1 प्रतिशत बढ़कर 25.5 बिलियन पाउण्ड हो गया, जबकि यूके का भारत को निर्यात 5.8 प्रतिशत बढ़कर 17.1 बिलियन पाउण्ड पहुंच गया।

उम्मीद की जा रही है कि यह एफटीए व्यापार की इस गति को और तेज़ करेगा। भारत के लिए यह समझौता वस्त्र, दवाओं और सूचना प्रौद्योगिकी जैसे प्रमुख क्षेत्रों में नए अवसरों को जन्म देगा। भारतीय परिधान निर्यातकों को टैरिफ में कटौती से यूके के खुदरा बाज़ार में प्रतिस्पर्धा में बढ़त मिलेगी। फार्मा कंपनियों को ड्रग अप्रूवल (दवा अनुमोदन) प्रक्रिया में सरलता और इन्टलैक्चुअल प्रॉपर्टी नियमों में स्पष्टता से लाभ मिलेगा।

भारत के खाद्य और कृषि उत्पाद, जैसे चाय, मसाले और बासमती चावल, ब्रिटेन के खुदरा बाजारों में अधिक स्थान बना सकेंगे, वहीं ऑटोमोबाइल पुर्जों के क्षेत्र को भी सरल कस्टम नियमों और कम शुल्क से लाभ मिलेगा, जिससे यूके की मैनुफैक्चरिंग सप्लाई चेन्स के साथ समन्वय बढ़ेगा। ये लाभ भारत के "मेक इन इंडिया" अभियान का सीधे समर्थन करते हैं।

यूके के लिए इस समझौते में, स्कॉच व्हिस्की और वाइन जैसे मादक पेय पदार्थों पर लंबे समय से प्रतीक्षित टैरिफ कटौती भी है-जो कि वार्ताओं में बाधा बनते रहे हैं। ब्रिटेन के फायनैंशियल एवं लीगल सर्विस प्रोवाइडर्स को भी मार्केट तक बेहतर पहुँच और रैगुलेटरी अड़चनों में कमी से लाभ होगा। यह समझौता शिक्षा क्षेत्र में सहयोग को भी प्रोत्साहित करेगा।

निवेश इस समझौते का प्रमुख पहलू है। यह एग्रीमैंट, भारत के स्वच्छ ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहनों और फिनटेक जैसे क्षेत्रों में भारत के बढ़ते बाजारों पर नज़र रखने वाली ब्रिटिश फर्मों के लिए "रैगुलेटरी क्लेरिटी" और कर स्थिरता प्रदान करता है। इसी प्रकार यूके में कार्यरत भारतीय व्यवसायों को भी अधिक स्थिर नियमों, कम अनुपालन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विधायक रिश्वत प्रकरणः पीए रोहित की तलाश जारी

जयपुर, 6 मई। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बीस लाख रुपए की रिश्वत लेने के मामले में बांसवाड़ा के बागीदौरा विधायक जयकृष्ण पटेल के पीए रोहित के मामा जसवंत उर्फ लक्ष्मण और उसके परिचित जगराम को मंगलवार को कोर्ट में पेश किया गया,

- मंगलवार को पुलिस ने सवाई माधोपुर, वैर, भरतपुर आदि स्थानों पर रोहित की तलाश में दबिश दी

जहां से उन्हें एक दिन की रिमांड पर सौंप दिया गया। विधायक जयकृष्ण पटेल और उसके चचेरे भाई विजय पटेल को एसीबी फिर से बुधवार को कोर्ट में पेश कर रिमांड मांगेगी।

ए.सी.बी., विधायक के पीए की तलाश में जुटी है। रोहित की तलाश में एसीबी की टीमों ने मंगलवार को सवाई माधोपुर, वैर भरतपुर सहित, उसके संभावित स्थानों पर दबिश दी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

एकता चापलूसी से कायम नहीं की जा सकती। –महात्मा गाँधी

जाति संगठन सामाजिक सुधार नहीं, सत्ता में हिस्सेदारी चाहते हैं

भारतीय संसदीय लोकतंत्र की प्रतिस्पर्धी राजनीति में अभी जातियों का मुद्दा गरमाया हुआ है। एक बड़े फैसले में सरकार ने घोषणा की है कि अगली जनगणना में जाति की गणना को भी शामिल किया जाएगा। हालांकि ऊपर से ऐसा लगता है कि यह मुद्दा वोटों की सामान्य राजनीति का है किन्तु इसके ऐसे निहितार्थ भी हैं जिस पर अकादमिक बहस हो सकती है। जातियां लंबे समय से भारतीय समाज में रही हैं, किन्तु उनके आधुनिक संगठन स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान बने और पनपे। उस समय उन्हें सांस्कृतिक और सामाजिक जागृति के रूप में देखा गया। जातियों के संगठन आज़ादी के आंदोलन में राष्ट्रीय जागृति के रूप में अस्तित्व में आये। इनका मूल उद्देश्य अपने-अपने समुदायों की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक मुक्ति तथा उत्थान था। लेकिन समय के साथ ये संगठन राजनीतिक दबाव समूहों के रूप में बदलते चले गए और जातिवाद भारतीय राजनीति का अभिन्न अंग बन गया। जाति की राजनीति ने देश में राजनीतिक और सामाजिक संघर्ष भी पैदा किए हैं। स्वतंत्रता के बाद जाति संगठन प्रतिस्पर्धी संसदीय लोकतंत्र में अपनी संख्या के बल पर राजनीतिक दलों और सरकार पर अपनी शर्तें थोपने लगे। इक्कीसवीं सदी के दूसरे दशक में तो अब जातिगत पहचान एक भयावह रूप ले रही दिखती है। ब्रिटिश शासन के दौरान आधुनिक शिक्षा के प्रसार, उद्योगों के उदय और विकास, रेलवे की शुरुआत, परिवहन और संचार के विकास, तथा शहरी विकास ने नये सामाजिक वर्गों को जन्म दिया। ऐसा लगा था कि नये सामाजिक वर्ग जाति व्यवस्था के उन्मूलन की राह प्रशस्त करेंगे। जाति व्यवस्था के उन्मूलन में अंग्रेजों की कोई दिलचस्पी नहीं रही। उनके लिये भारतीय समाज का जातियों में विभाजन उनके राज के स्थायित्व के लिये अनुकूल था। उन्नीसवी सदी में पनपे धार्मिक और सामाजिक सुधार आंदोलनों में पहली बार जाति व्यवस्था का खुल कर विरोध हुआ। आजादी के बाद भी जाति प्रथा के खिलाफ माहौल बना रहा जब धार्मिक और सामाजिक सुधार आंदोलनों में जाति व्यवस्था की निंदा की गई और उसका विरोध किया गया। लेकिन राजनीतिक आंदोलनों के उभरने के बाद सामाजिक और धार्मिक सुधार आंदोलन कमजोर होते चले गये। कुछ अध्येता मानते हैं कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने मुख्य रूप से राजनीतिक और आर्थिक मुद्दों पर तो ध्यान केंद्रित किया मगर जाति और जातिवाद की समस्या से निपटने के लिए कोई रणनीति नहीं बनाई जिससे देश में जाति राजनीति के उदय और विकास के लिए जगह बनती चली गई। एक समय ऐसा भी था जब लोगों ने अपने नामों से जाति का हवाला हटाया। लंबे समय तक राजस्थान की राजनीति में प्रभावी भूमिका निभाने वाली कमला बेनीवाल ने अपने नाम से बेनीवाल हटा दिया था। परंतु जातियों के उन्मूलन के प्रयास कारगर नहीं हुए। प्रतिस्पर्धी निर्वाचन प्रणाली के चलते हालात इस हद तक पहुंच गये हैं कि लोकतान्त्रिक राजनीतिक और सामाजिक प्रक्रियाओं में जातिवाद बाधा बनने लगा है। देश की रियासतों के एकीकरण के साथ बने गणतांत्रिक भारत में जहां सामंती अभिजात वर्ग की राजनीतिक व्यवस्था प्रभावी रूप में मौजूद थी वहां उसकी जगह लोकतंत्र की स्थापना की प्रक्रिया आसान नहीं थी। वह प्रक्रिया पूरी होती उससे पहले ही जातिवाद ने राजनीतिक अवसरवाद, विचारहीन और सिद्धांतहीन राजनीति को पनपा दिया। अब तो ऐसा लगता है जातिवाद के सामने सभी मजबूर हैं क्योंकि चुनावी राजनीति में जातियां ऐसा मोहरा बन गई हैं, जिसे चला कर पार्टियां सत्ता पर काबिज होने का ख्वाब देखती हैं।

कुछ राज्य सरकारों ने अपने राज्यों में जातियों की गणना करने का प्रयास किया तो तुरंत ही, परेशानी शुरू हो गई। जैसे कर्नाटक ने 2017 में एक विस्तृत जाति और सामाजिक-आर्थिक जनगणना की। पारंपरिक रूप से यह माना जाता रहा है कि दो प्रमुख और शक्तिशाली जाति समूह- लिंगायत और वोक्कालिगा – राज्य की आबादी का सबसे बड़ा हिस्सा हैं। किन्तु लीक हुई जनगणना रिपोर्ट ने उस धारणा को उलट दिया है। एक समाचार रिपोर्ट के अनुसार जनगणना डेटा के अनुसार, कर्नाटक में दलितों और मुसलमानों की संख्या लिंगायतों और वोक्कालिगाओं से अधिक है। राज्य में कुल आबादी में अनुसूचित जातियों की हिस्सेदारी 19.5 प्रतिशत है, जो इसे सबसे बड़ी जाति इकाई बनाती है। इसके बाद मुसलमान आते हैं, जो आबादी का 16 प्रतिशत हिस्सा बनाते हैं। इन दो समूहों के बाद लिंगायत और वोक्कालिगा आते हैं, जो क्रमशः '14 प्रतिशत और 11 प्रतिशत आबादी बनाते हैं।' इसलिए शायद कर्नाटक सरकार इसे जारी नहीं कर रही है।

भारत के संदर्भ में वर्ण-जाति को नस्लवाद के रूप में वर्णित करना, यहां की संस्कृति को ख़त्म करने की राजनीति का एक शक्तिशाली हथियार है। वे कहते हैं कि यदि कोई यह माने कि नस्लवाद हिंदू धर्म का अविभाज्य अंग है, तो फिर समझदारी यही होगी कि इस संकट से समाज को मुक्त कराने के लिए हिंदू धर्म से ही छुटकारा पा लिया जाए और ऐसा करने के लिए सभी को आपस में हाथ मिला लेना चाहिए।

दूसरी तरब वाम पक्ष के लिबरल विचारों वाले अकादमिक लोग भारत की वर्तमान समय की सभी प्रकार की सामाजिक समस्याओं का आधार जाति की प्राचीन काल की उत्पत्ति में मान ले रहे है। हालांकि उनकी इस अवधारणा पर सवाल भी उठ रहे हैं। यह सच है कि जाति की शब्दावली और विचार यूरोपीय लोगों ने अपनी अवधारणा से बनाए। प्रारंभिक औपनिवेशिक अभिलेखों से यह स्पष्ट हो जाता है कि उन्नीसवीं सदी के मध्य से जाति के प्रति औपनिवेशिक आकर्षण वास्तव में कितना विचित्र था। संक्षेप में, उपनिवेशवाद ने जाति को वह बनाया जो आज है। इसने ऐसी परिस्थितियां पैदा कीं, जिन्होंने जाति को भारतीय समाज का केंद्रीय प्रतीक बना दिया। इस प्रतीक ने अपना काम बखूबी किया। जवाहरलाल नेहरू ने स्वीकार किया कि इसे दूर करने का कोई आसान तरीका नहीं है क्योंकि ऐसे सामाजिक रूपों की कल्पना करना आसान नहीं है जो जाति की भाषाओं से परे हो, जो रोज़मर्रा की ज़िंदगी के अनुष्ठान, पारिवारिक, सामुदायिक, सामाजिक-आर्थिक, राजनीतिक और सार्वजनिक रंगमंचों में इतनी अंकित हो गई हैं। पश्चिम के लोगों के दिमाग में यह बैठ गया कि भारत में जातियां उनकी अपनी नस्लों की अवधारणा जैसी है। परिणामस्वरूप पश्चिमी अकादमिक लोगों की नज़र में यह वैचारिक ढांचा भारतीय वर्ण और जाति को शोषण की प्रणाली बनाता चला गया। शनैः शनैः पश्चिम के वैचारिक चश्मे वाले अकादमिक विद्वान वर्ण और जाति व्यवस्था की तुलना पश्चिम में प्रचलित गुलामी और दास प्रथा जैसी व्यवस्थाओं से भी की करने लगे और इस देश की कई वर्तमान सामाजिक समस्याओं के लिए वर्ण और जाति को जिम्मेदार ठहराने लगे। इस अवधारणा का खंडन करने वालों का कहना है कि वैचारिक विमर्श में पश्चिम के अध्येताओं ने तीन बड़ी गलतियां की। वे यह मान कर चले कि भारत का विविध जातियों व श्रेणियों में विभाजित सामाजिक ढांचा पिछले हजारों वर्षों से अपरिवर्तनीय रहा है। वह जरा भी नहीं बदला है। दूसरे, वे वर्तमान समय की सभी प्रकार की सामाजिक समस्याओं का आधार प्राचीन काल की उत्पत्ति मान लेते हैं और भारतीय समाज की आज की समस्याओं के लिए वैदिक आधारों को दोषी ठहरा देते हैं। यह सोच उनकी अपनी नस्लीय विगत के चश्मे से बनी है। तीसरे, ये अध्येता भारत के लंबे इतिहास में एक बार नहीं बल्कि बार-बार आए बड़े पैमाने पर व्यवधानों को नजरअंदाज कर देते हैं या उन पर अपने सोच का मुलम्मा चढ़ा देते हैं। ऐसा मानने वालों की संख्या अब बढ़ रही है कि भारत के संदर्भ में वर्ण-जाति को नस्लवाद के रूप में वर्णित करना, यहां की संस्कृति को ख़त्म करने की राजनीति का एक शक्तिशाली हथियार है। वे कहते हैं कि यदि कोई यह माने कि नस्लवाद हिंदू धर्म का अविभाज्य अंग है, तो फिर समझदारी यही होगी कि इस संकट से समाज को मुक्त कराने के लिए हिंदू धर्म से ही छुटकारा पा लिया जाए और ऐसा करने के लिए सभी को आपस में हाथ मिला लेना चाहिए। ऐसा व्यंग्य कसने वालों का दावा केवल वैचारिक ही नहीं है। हाल में ही ऐसी आवाज़ें भी आई हैं जो हिन्दू धर्म का समूल नाश चाहती हैं।

सच तो यह है कि भारतीय धर्मशास्त्र के कई कथन रूपक, हैं और उसके कई छंद गूढ या अज्ञेय हैं जिन्हें अध्येता अपनी-अपनी नज़र से व्याख्यायित करते हैं। इनमें मार्क्सवाद की दृष्टि प्रमुख है। मूल मार्क्सवाद एक आर्थिक वर्ग सिद्धांत था जिसमें कहा गया था कि प्रत्येक समाज को आर्थिक रूप से उत्पीड़ित और उत्पीड़नकारी के रूप में देखा जा सकता है। मार्क्स उन्हें धर्म या नस्ल के आधार पर अलग नहीं किया था जैसा कि उनके बाद उनके अनुयाइयों ने किया। मार्क्स के अनुसार केवल वे आर्थिक वर्ग जिनके पास उत्पादन के साधन नहीं थे, जो भूमिहीन मजदूर थे या कारखाने के मजदूर थे वे उत्पीड़ित थे और जिनके पास उत्पादन के साधन थे, वे उत्पीड़नकारी थे। दूसरे विश्व युद्ध के बाद मार्क्सवादी विचारकों ने एक संशोधन दिया जो एक प्रकार का सांस्कृतिक मार्क्सवाद था, जो आर्थिक स्तर पर नहीं बल्कि सांस्कृतिक स्तर पर उत्पीड़ित और उत्पीड़नकारी के बीच भेद के बारे में बात करता था। इस प्रकार मार्क्सवादी विचारक 'अर्थ' से 'संस्कृति' पर चले आये। इसे फ्रैंकफर्ट स्कूल ऑफ मार्क्सिज्म के नाम से जाना जाता है। एक महत्वपूर्ण अकादमिक विद्वान हर्बर्ट मार्क ह्यूज ने मार्क्सवाद का नया मॉडल विकसित कियाऔर आर्थिक विषमता की जगह नस्ल-भेद का सिद्धांत दिया। उसमे मार्क्स के सिद्धांत को आर्थिक की जगह नस्ल पर लागू किया। मार्क्सवादी अकादमिक विद्वान जो अमरीका में 'क्रिटिकल लॉ थ्योरी' लाए थे उन्होंने उसे आगे बढ़ाते हुए क्रिटिकल रेस थ्योरी बना दी। मार्क्सवादी विचारकों ने अब लिबरल बन कर 'क्रिटिकल रेस थ्योरी' को 'क्रिटिकल कास्ट थ्योरी' में बदल दिया हैं, जो कहती है कि 'जाति' 'नस्ल' है, और दलित 'काले' लोग व गैर दलित 'गोरे' लोग हैं। हार्वर्ड पहुंचे कुछ भारतीय दलितों ने भी अपनी एफ्रो-दलित परियोजना को इस नये सिद्धांत में ढालने में सहयोग किया। इस परिपेक्ष्य में भी जाति जनगणना की मांग की राजनीति को देखा और समझा जा सकता है।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

जातिगत जनगणना : समस्या और समाधान
10, डाउनिंग स्ट्रीट से 7, लोक कल्याण मार्ग तक

रामनिवास बैरवा

बड़े और महत्वपूर्ण दो व्यक्तियों की गुप्त या प्रायोजित मीटिंगों का विवरण नहीं मिलता, लेकिन ऐसी मुलाकातों के बाद के घटनाक्रम और परिणाम यह बता देते हैं कि उस मीटिंग में क्या हुआ होगा! पिछले वर्ष (2024 में) केरल में हुई राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की कार्यकारिणी की बैठक में यह तय किया गया था कि भारत में जातीय जनगणना की जाये। उसी क्रम में 29 अप्रेल, 2025 को आर.एस.एस. के सरसंघ चालक मोहन भागवत ने 7 लोक कल्याण मार्ग पर स्थित प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से उनके सरकारी आवास में मुलाकात की थी। अनुमान तो यह लगाया जा रहा था कि भारतीय जनता पार्टी का नया अध्यक्ष चुने जाने के संबंध में मोहन भागवत और नरेन्द्र मोदी के बीच चल रही खींचतान का कोई समाधान निकला गया होगा। लेकिन, 30 अप्रेल को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रीमंडल की राजनीतिक समिति की बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी जनगणना के साथ जातिगत जनगणना भी करवाई जायेगी। हालांकि, भारतीय जनतापार्टी की नरेन्द्र मोदी सरकार विपक्षी पार्टियों की जातीय गणना की मांग का निरन्तर विरोध करती रही है क्योंकि इससे हिंदू-मुस्लिमों को बांटने का उनका एजेंडा कमजोर होता है। लगता है भाजपा अध्यक्ष के चुनाव के मामले में कोई लेन-देन हुआ है।

जातिगत जनगणना की मांग विभिन्न राजनीतिक पार्टियों के द्वारा अपने-अपने उद्देश्यों को लेकर काफी समय से की जा रही है। उनकी यह मांग जातियों के उन्मूलन या जातियों के एकीकरण या जातियों सामाजिक उत्थान के लिए नहीं है बल्कि भारतीय समाज के जाति आधारित समाज के विभाजन को संवैधानिक स्थायित्व देने के लिए, उनको यथास्थिति में रखने के लिए की जा रही है। भारतीय जाति आधारित समाज के विभाजन को स्थायित्व देने का कार्य महात्मा गांधी ने भी 1930-32 के दौरान किया था। डॉ. भीमराव अम्बेडकर सभी पिछड़ों और अछूतों के सामाजिक उत्थान के लिए 'दलित' शब्द का इस्तेमाल करते थे ताकि दलितों को जातियों में उप-विभाजन को रोका जा सके।

भारत में संविधान के अंर्तगत लोकतांत्रिक व्यवस्था है जिसमें आम चुनाव के माध्यम से सरकार चलाने वालों को चुना जाता है। प्रत्येक नागरिक को वोट देने का अधिकार है। लेकिन, दलित-वर्गों, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों को अपना प्रतिनिधि चुनने का अधिकार नहीं है, वे केवल विभिन्न राजनीतिक पार्टियों के द्वारा मनोनीत व्यक्तियों को ही वोट देकर चुन सकते हैं। भारतीय राजनीति में कांग्रेस पार्टी का एकाधिकार खतम होने पर, 1977 के चुनावों के बाद जब कांग्रेस पार्टी के अलावा अन्य पार्टियां भी सत्ता का स्वाद चख चुकी तो उन्हें अपने आपको सत्ता के केंद्र में बनाये रखने के लिए अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़ा वर्गों के वोटों को अपने पक्ष में लेने की मुहिम चली। जिससे परम्परागत चुनाव जीतने वालों के मुकाबले नये लोगों को भी चुना जा सके। तब 1990 में विश्वनाथ प्रताप सिंह ने 'अन्य पिछडा वर्ग' को आरक्षण देने का संवैधानिक प्रावधान किया जो कि केवल सरकारी नौकरियों से संबंधित था। चुनावों के लिए अन्य पिछड़ा वर्गों (ओ.बी.सी.) को आम चुनावों में आरक्षण नहीं दिया गया लेकिन परम्परागत प्रभुत्वशाली लोगों का वर्चस्व टूटने पर ओबीसी के सम्पन्न लोग अपनी-अपनी पार्टियां बनाकर राज्यों में चुनाव जीतने लगे और सरकारें बनाने लगे।

जातियों की एकता- यह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का शताब्दी वर्ष है। उसकी स्थापना के पहले का भी 50-60 वर्ष का इतिहास है जो आर.एस.एस. को विरासत में मिला था। समाज में जातियों को अस्तित्व हजारों सालों से चला आने के कारण इसे सामान्य, अपरिवर्तनीय माना जाता था। जहां एक तरफ ज्योतिराव फुले, उनकी पत्नी सावित्रि बाई फुले तथा उनकी सहयोगिनी फातिमा शेख सामाजिक चेतना जगाने के लिए भी अछूत बालिकाओं को शिक्षित करने का अलख जगा रहे थे, वहीं ब्राह्मण 1857 विद्रोह की असफलता के बाद बालगंगाधर तिलक "स्वराज्य मेरा जन्म सिद्ध अधिकार" के नारे के साथ पुरानी सनातनी जाति व्यवस्था में किसी भी सुधार का विरोध करते थे। तब से जातियों और धर्म को अलग-अलग करके देखना शुरू किया गया था। मुसलमानों के विरूद्ध सभी जातियों का सामूहिक इस्तेमाल करके उन्हीं बाल गंगाधर तिलक के मुस्लिम विरोधी विचारधारा को बढ़ाने के लिए शिवाजी के नाम का इस्तेमाल किया।

वहीं डॉ. अम्बेडकर दलित-अछूत जातियों का शिक्षा दिलाकर सरकार के समर्थन से सरकारी नौकरियों के लिए रास्ता बना रहे थे। लेकिन, इनकी राजनीतिक पृष्ठभूमि नहीं होने के कारण सरकार के समर्थन की आशा करते थे। इनके विपरीत, गांधी जी पर्याप्त राजनीतिक पृष्ठभूमि होने और राजनीतिक समर्थन मिला होने के बावजूद जातियों में विभाजित भारतीय समाज की आध्यात्मिक सुरूचियों-कुरीतियों को बनाये रखने के लिए स्वयं संत महात्मा के रूप में अवतरित हुए और अपना राजनीतिक उत्तराधिकार जवाहरलाल नेहरू का दे दिया। इस प्रकार कांग्रेस समाज के जातीय विभाजन को यथास्थिति में रखने के प्रयास किये।

भारतीय जनता पार्टी के केंद्र में सरकार बना लेने के बाद पूंजीपति-व्यापारी वर्ग का एकाधिकार जैसा हो जाने के कारण अन्य विरोधी राजनीतिक पार्टियों का सत्ता प्राप्ति का संघर्ष रूक सा गया है। भारतीय जनता पार्टी और आर.एस.एस. की सत्ता में बने रहने के लिए तथा विभिन्न जातियों को अपना समर्थक बनाये रखने के लिए उन्हें सामूहिक रूप से मुसलमानों के खिलाफ लामबद्ध करते रहे हैं। मुस्लिम विरोध के नाम पर विभिन्न जातियों ने बनी छद्म एकता को तोड़ने के लिए जातिगत जनगणना का सहारा लिया गया जिससे विभिन्न जातियों के लोगों को समझाया जा सके कि उनकी जाति इतनी बड़ी संख्या में होने के बावजूद इन्हें सत्ता से दूर रखा जा रहा है। यही बात पिछले दो दशकों से चली आ रही हैं। भाजपा शासन में इसकी और भी आवश्यकता महसूस की जा रही है। जब कि आर.एस.एस. और भारतीय जनता पार्टी अपने मुस्लिम विरोधी विचारधारा के तहत ही जातियों को विभाजित रखने का प्रयास करती रही है, एक तरफ जहां मुसलमानों को हिन्दूओं का सामान्य शत्रु बनाकर पेश किया जा रहा है कुलीन और सवर्ण अछूत जातियों के खिलाफ सशस्त्र संघर्ष से यातनाएं देकर और अपमानित करके जाति व्यवस्था में ऊंच-नीच के भाव को जीवित कर जाति-व्यवस्था को पुनः स्थापित करते रहे हैं। इतनी बड़ी सामाजिक रणनीति के होते हुए भी आर.एस.एस. और भारतीय जनता पार्टी ने जातिगत जनगणना को स्वीकार किया है तो इसके भी कई रणनीतिक पहलू सम्भवित है।

सबसे पहला तो यही कि हिन्दुओं को जातिगत विभाजन जनगणना में किया जा रहा है तो मुसलमानों को उसी धार्मिक एकता का लाभ नहीं मिलना चाहिए। इसके लिए यह सम्भव है कि मुसलमानों की भी विभिन्न जातियों को अलग से दर्शाया जाये। ऐसा ही ईसाइयों के साथ किया जाना सम्भव है। ऐसा करने से जातिगत रूप से सब अलग-अलग दिखाई देंगे। लेकिन फिर भी, धर्म का उल्लेख उन्हें हिन्दू, मुसलमान, इसाईयों में समूहबद्ध कर देगा। इस प्रकार से विपक्षी पार्टियों की मांग भी मान ली गई और सत्तारूढ़ पार्टी और आर.एस.एस. का धार्मिक ध्रुवीकरण भी सहज ही हो जायेगा।

दूसरा विचार यह रहा है कि नौकरियों में अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़ा वर्ग का आरक्षण है, चुनावों में सिर्फ अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों को ही आरक्षण है, अतः जातिगत आधार पर जब तक निरपेक्ष चुनाव होता रहेगा, आर.एस.एस. भाजपा को धार्मिक आधार पर समर्थन मिलते रहने की सम्भावना बनी रहेगी। शायद इन्हीं वैचारिक तर्कों के आधार पर आर.एस.एस. ने अपनी केरल की बैठक में जातिगत जनगणना का निर्णय लिया और नरेन्द्र मोदी सरकार को मोहन भागवत ने निर्देशात्मक सलाह दी कि जातिगत जनगणना करवा ली जाये।

इसका कार्यपालिका के अधिकार का एक अन्य पहलू भी हैं। यह तो सबके सामने है कि 2021 में की जाने वाली जनगणना को जहां 5-6 साल तक स्थगित रखा गया है तथा इसे आगे भी बढ़ाया जा सकता है। दूसरा यह है कि 2011 की जनगणना के आंशिक आंकड़े ही अभी तक जारी किये गये तो इस बात की क्या गारंटी है कि 2026 में आगामी जनगणना जो कि जातिगत आधार पर करने की कही जा रही है, पूरी कर ही ली जायेगी। और अगर जनगणना पूरी कर भी ली गई तो उसके आंकड़े तत्काल जारी कर ही दिये जायेंगे? घोषणाएं एक बात है और उन्हें अमल में लाना दूसरी बात है। फिर इस जनगणना से जुड़े और भी संवैधानिक प्रावधान हैं जिनमें लोकसभा, राज्यसभा और विधानसभाओं को सदस्य संख्या और निर्वाचन क्षेत्रों का पुनः निर्धारण।

जातिगत जनगणना के बाद केवल धार्मिक आधार पर ही एकीकरण या ध्रुवीकरण क्यों आवश्यक है, क्या किसी और दूसरे रास्ते जातियों का एकताबद्ध होना संभव नहीं है? ऐसा संभव है, बस विचार लीक से हट कर करना होगा। जब किसान पूरे देश में किसान ही हैं तो फिर उन्हें किसान ही बने रहने देना होगा, क्यों उन्हें धर्म के आधार पर एकताबद्ध होने के लिए मजबुर किया जाये। इसी तरह से मजदूर पूरे देश में सिर्फ मजदूर ही हैं चाहे वे हिंदू हों, चाहे वे मुसलमान हों, चाहे वे ईसाई हों, उन्हें सिर्फ मजदूरों के रूप में ही एकताबद्ध क्यों ना किया जाये? यह उनका अंतर्राष्ट्रीय पहचान भी है, धर्म उनकी अंतर्राष्ट्रीय पहचान कभी नहीं हो सकती। सच है सत्ताधारी पार्टियों का अर्न्तविरोध भारत की जनता के लिए राजनीतिक प्रशिक्षण के नये-नये द्वार खोलते रहेंगे।

–रामनिवास बैरवा
पूर्व क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त

कॉलेज बनाम कोचिंग

डॉ. कैलाश सोडाणी

आज से 15-20 वर्ष पूर्व तक विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में जो विद्यार्थियों का हुजूम दिखाई देता था, वह आज नदारद है। विद्यार्थियों की अनुपस्थिति से विश्वविद्यालयों की रौनक एवं चहल-पहल ही समाप्त हो गयी है, साथ ही शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक माहौल भी मृतप्राय हो गया है, जो विश्वविद्यालयों की पहचान होती थी, वह पहचान ही समाप्त होती जा रही है। विद्यार्थियों की संख्या में प्रतिवर्ष इजाफा होने के बावजूद क्लास रूम हो, चाहे पुस्तकालय हो, चाहे प्रयोगशाला चारों और सन्नाटा छाया हुआ है। कॉलेज में प्रवेश लेने के पश्चात अन्ततः छात्र जा कहाँ रहे हैं ? आज के हालात में यह हमारे लिए चिन्तन एवं चिंता का महत्वपूर्ण विषय होना चाहिये।

जहां रोजगार की गारंटी है (IIT, AIMS, IIM आदि) ऐसे श्रेष्ठ शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश प्राप्त करने हेतु तथा सरकारी नौकरी के लिए कॉलेज के स्थान पर कोचिंग संस्थान युवाओं के आकर्षण का केंद्र बन गए हैं। सरकारी नौकरी के लिए जो व्यवस्था बनाई है उसमें चयन के लिए युवकों को अपने परंपरागत कॉलेज के स्थान पर कोचिंग संस्थानों का अध्ययन-अध्यापन ज्यादा प्रभावी दिखाई दे रहा है। कोचिंग संस्थानों में प्रतियोगी परीक्षाओं के पाठ्यक्रम के अनुरूप ही पढ़ने-लिखने की व्यवस्था कर रखी है। कोचिंग में केवल और केवल क्लास रूम टीचिंग ही है।

राजकीय अवकाशों की लम्बी श्रंखला, छात्रसंघ चुनाव, नारेबाजी, हड़ताल जैसी गतिविधियों के लिए कोचिंग संस्थानों में कोई स्थान नहीं है। इन अनुत्पादक कार्यों में छात्रों को समय खराब नहीं करना पड़ता है। विद्यार्थियों की मानसिकता में एक अच्छा परिवर्तन यह आया है कि वे आज के प्रतियोगी माहौल में समय के उपयोग के प्रति बहुत गंभीर हैं।

दूसरी ओर विश्वविद्यालय पाठ्यक्रमों की रचना का उद्देश्य ही भिन्न है। कॉलेज एवं विश्वविद्यालय के संचालन पर सरकार जहाँ करोड़ों रुपए खर्च कर रही है वहीं दूसरी ओर क्लास रूम खाली पड़े हैं। न्यायालय द्वारा निर्धारित 75% उपस्थिति का मजाक हो रहा है। शिक्षक, विद्यार्थी, माता-पिता, समाज सभी इस अव्यवस्था के साक्षी होने के बावजूद शान्त हैं परन्तु आखिर कब तक......।

एक तरफ आलीशान भवन, फर्नीचर, प्रयोगशाला, पुस्तकालय एवं यू.जी.सी. द्वारा निर्धारित योग्यताधारी अध्यापक होने के बावजूद प्रातः 10:00 बजे जैसे अनुकूल समय पर भी विद्यार्थी क्लास रूम से दूर भाग रहा है और कोचिंग सेंटर में 10 गुना फीस देकर बेसमेंट में लगी बेंच पर बैठकर प्रातः 6:00 बजे सामान्य काउंसलर से बड़ी गंभीरता के साथ अध्ययनरत हैं। आज अभिभावक भी बच्चे को ट्यूशन पर भेजकर गर्व का अनुभव करने लग गये हैं। ऐसी स्थिति में कोचिंग सेंटर्स की आलोचना करने से काम नहीं चलेगा अपितु शोध की आवश्यकता यह है कि ऐसा क्यों हो रहा है, और उसे ठीक करने के लिये हमारी वर्तमान व्यवस्था में किस प्रकार के परिवर्तन अपेक्षित हैं? न केवल भारत अपितु एशिया के कई देशों में ट्यूशन का बाजार तेजी से बढ़ रहा है। औपचारिक शिक्षा का सिस्टम कमजोर होने से कोचिंग को बढ़ावा मिला है। एक जानकारी के अनुसार भारत, पाकिस्तान से लेकर इंडोनेशिया तक करीब 25 करोड़ बच्चे ट्यूशन ले रहे हैं। हाँगकाँग में 72%, दक्षिण कोरिया में 79%, जापान में 52% छात्र ट्यूशन पढ़ते है। चीन में2021 में पाबंदी से पहले 38% छात्र ट्यूशन पढ़ते थे। हमारे देश में कोटा शहर कोचिंग की राष्ट्रीय राजधानी बन चुका है। जहाँ प्रतिवर्ष पूरे देश से लगभग दो लाख विद्यार्थी कोचिंग संस्थानों में अध्ययन करने आते हैं।

इस संक्षिप्त आलेख के माध्यम से मेरा सुझाव है कि सरकारी नौकरी में चयन हेतु आयोजित प्रतियोगी परीक्षा के प्राप्तांकों के साथ स्नातक / स्नातकोत्तर परीक्षाओं में प्राप्त अंकों का 20 फीसदी से 30 फीसदी वजन रखा जाना चाहिये। निःसन्देह गणना कठिन है क्योंकि राज्यों की परीक्षा व्यवस्था में भिन्नताएं बहुत है। दूसरा, विश्वविद्यालय पाठ्यक्रमों को आधार मान कर ही प्रतियोगी परीक्षाओं का पाठ्यक्रम बनाया जाना चाहिये। इससे कॉलेजों में स्वाभाविक रूप से उपस्थिति बढ़ेगी।

धरातल की सच्चाई को समझते हुए, कोचिंग संस्थानों की उपस्थिति को सहर्ष स्वीकार करते हुए सरकार को कॉलेजों की भांति कोचिंग संस्थानों को संचालित करने के लिये शिक्षकों, भवन, फर्नीचर, पुस्तकालय, आदि के लिए नियम बनाते हुए लागू करना होगा, जिससे छात्रों को कॉलेजों की भांति कोचिंग सेन्टर पर भी आवश्यक सुविधाएँ मिलने लगेंगी। नालंदा और तक्षशिला के समय से इतिहास गवाह है कि हमें विश्वविद्यालयों की समाज में उपयोगिता बनाये रखनी है। हालात इतने खराब नहीं हैं इसलिए इन्हें पुनः जीवन्त किया जा सकता है और यथाशीघ्र किया जाना चाहिये। इस विषय पर विद्वान शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के मध्य चर्चा – परिचर्चा आवश्यक हैं।

–डॉ. कैलाश सोडाणी,
कुलगुरु,
वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा

विवाह सम्मेलन में 85 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे

सरवाड़, (निसं)। सरवाड़ शहर में यदुवंशी सैनी समाज का नवम सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन समिति के तत्वावधान में मंगलवार को शहर स्थित यदुवंशी माली भवन में किया गया।

सम्मेलन में समाज के 85 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। वहीं बारात के माली भवन पहुंचने पर तोरण व वरमाला की रस्म निभाई गई। बाद में पंडितों द्वारा 85 जोड़ों का पाणिग्रहण संस्कार करवाकर परिणय सूत्र में बांधा।

इस मौके पर समिति के अध्यक्ष ने कहा कि सामूहिक विवाह होते रहने चाहिए। वहीं समाज के लोगों में इस आयोजन को लेकर खासा उत्साह नजर आया। समिति के उपाध्यक्ष ने बताया कि सामूहिक विवाह सम्मेलन में समाज में एकता और सामूहिकता की भावना को बढ़ावा देने का प्रयास है। वहीं बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने सम्मेलन की तैयारियों को संभाले रखा। इस दौरान भामाशाहों का सम्मान भी किया गया। इस अवसर पर सम्मेलन में हजारों की संख्या में लोग शामिल रहे।

राइजिंग मेन पाइप लाइन से 23 अवैध जल कनेक्शन हटाए

नसीराबाद, (निसं)। ग्रामीण जल उपखंड नसीराबाद के अंतर्गत रामसर से तिहाड़ी तक की राइजिंग मेन पाइपलाइन पर जलदाय विभाग द्वारा बड़ी कार्रवाई करते हुए 23 अवैध जल कनेक्शन हटाए गए। यह कार्रवाई विभाग को मिल रही लगातार शिकायतों के बाद की गई।

जलदाय विभाग की विशेष टीम ने निरीक्षण के दौरान पाइपलाइन से की जा रही अवैध जल निकासी को चिन्हित कर त्वरित कार्रवाई करते हुए सभी अवैध कनेक्शन हटाए। इन अवैध कनेक्शनों के कारण क्षेत्र के अन्य उपभोक्ताओं को नियमित जल आपूर्ति में परेशानी हो रही थी। इस कार्रवाई में ग्रामीण जल उपखंड नसीराबाद के अभियंता, लाइन स्टाफ और अन्य विभागीय कार्मिक मौजूद रहे। विभाग की ओर से यह भी स्पष्ट किया गया कि आगे भी इस प्रकार की निगरानी जारी रहेगी और अवैध जल उपभोग करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 7 मई, 2025

वैशाख मास, शुक्ल पक्ष, दशमी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2082, पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र सायं 6:17 तक, व्याघात योग रात्रि 1:05 तक, गर करण दिन 10:20 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 12:58 से कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-मेष, चन्द्रमा-सिंह, मंगल-कर्क, बुध-मेष, गुरू-वृष, शुक्र-मीन, शनि-मीन, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज रवियोग सायं 6:17 तक है। भद्रा रात्रि 11:25 से आरम्भ होगी। आज श्री महावीर स्वामी केवल्य ज्ञान (जैन) और श्री रविन्द्रनाथ टैगोर जयन्ती है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः लाभ अमृत सूर्योदय से 9:06 तक, शुभ 10:44 से 12:23 तक, चर 3:41 से 5:20 तक, लाभ 5:20 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 5:48, सूर्यास्त 6:58

मेष
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज भाई-बंधुओं के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा संभव है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आज शुभ कार्यों में भाग ले सकते हैं।

सिंह
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। शुभ कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। धन हानि हो सकती है। व्यावसायिक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

तुला
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। नवीन कार्यों में परेशानी हो सकती है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

कुंभ
परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी।

गुजरात की ताला-चाबी गैंग के तीन शातिर बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। मुरलीपुरा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ताला-चाबी ठीक करने के बहाने घर मे घुस कर चोरी करने वाली गुजरात की ताता-चाबी गैंग के तीन शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास

- चाबी बनाने के बहाने अलमारी से चुराते थे नकदी और जेवरात
- पुलिस ने जब्त किया चुराए गए सामान
- पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका

से चुराया गया सोने-चांदी के जेवरात सहित नकदी बरामद की है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पश्चिम) अमित कुमार ने बताया कि मुरलीपुरा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ताला-चाबी ठीक करने के बहाने घर मे घुस कर चोरी करने वाली गुजरात की ताता-चाबी गैंग के शातिर बदमाश सरदार सतनाम सिंह (29) निवासी दाहोद गुजरात, सन्नी सिंह उर्फ सरदार सन्नी देवल (30) निवासी दाहोद गुजरात और सरदार राजेन्द्र सिंह (35) निवासी कोतवाली डूंगरपुर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों से चोरी

मुरलीपुरा थाना पुलिस ने ताला-चाबी ठीक करने के बहाने घर में घुस कर चोरी करने वाली गुजरात की ताता-चाबी गैंग के तीन शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया है।

का माल एक आर्टिफिशियल चैन, एक आर्टिफिशियल मंगलसूत्र, अन्य आभूषण एवं आधार कार्ड-की बरामद किया गया है। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

थानाधिकारी वीरेंद्र कुरील ने बताया कि वारदात करने के लिए गुजरात से आकर होटल में ठहरते थे और गैंग के सदस्य कॉलोनियों में पैदल घूमते हुए ताले-चाबी ठीक करने का बहाना कर वारदात करते थे। घर में अकेली महिला या सुनसान मकान देखकर दो सदस्य घर के अंदर जाते हैं और एक बाहर निगरानी रखता है। अंदर जाकर अलमारी का ताला ठीक करने के बहाने घरवालों का ध्यान भटकाते हैं और मौका देखकर कीमती सामान चुराकर फरार हो जाते हैं। सीसीटीवी से हुई पहचान पुलिस ने बताया कि आरोपियों को पकडने के लिए एक विशेष टीम का गठन किया गया था। टीम ने 100 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगाले। आरोपियों की गतिविधियां कैमरों में कैद हुई। जिन्हें ट्रेस कर पुलिस ने उन्हें दादी का फाटक क्षेत्र से गिरफ्तार किया।

पुलिस उनसे अन्य वारदातों के संबंध में पूछताछ कर रही है, जिससे कई और चोरी की वारदातों का खुलासा होने की संभावना है।

पुलिस ने आमजन से अपील की है कि अज्ञात व्यक्तियों को घर में प्रवेश न दें और ताला-चाबी बनाने वाले फेरीवालों से सतर्क रहें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना नजदीकी थाने को दें।

लू-तापघात प्रबंधन के लिए हर जिले में होगा सघन निरीक्षण

जयपुर। राज्य में लू-तापघात की स्थितियों के दृष्टिगत दवाओं की निर्बाध एवं समुचित आपूर्ति तथा चिकित्सा उपकरणों की क्रियाशीलता को लेकर राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन की ओर से ग्रीष्मकालीन सघन निरीक्षण अभियान चलाया जाएगा। अभियान के लिए 27 टीमों का गठन किया गया है।

उल्लेखनीय है कि विगत दिनों मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश में लू-तापघात की स्थितियों में आमजन के स्वास्थ्य को लेकर पुख्ता प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे। इन निर्देशों की अनुपालना में चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के मार्गदर्शन में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से लू-तापघात से बचाव एवं उचपार आदि के संबंध में जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं।

आरएमएससीएल की प्रबंध निदेशक नेहा गिरि ने बताया कि राज्य में हीटवेव की सम्भावनाओं को देखते हुए ग्रीष्मकालीन सघन निरीक्षण अभियान चलाया जाएगा। निगम में कार्यरत विशेषाधिकारी, समस्त कार्यकारी निदेशक, लेखाधिकारी तथा जिला औषधि भण्डार गृह के प्रभारी अधिकारी को जिलों का आवंटन कर यह निरीक्षण करवाए जाएंगे। इसके लिए दो सदस्यीय 27 टीमों का गठन किया गया है। यह टीमें निरीक्षण कर जिले में औषधियों, उपकरणों की उपलब्धता एवं क्रियाशीलता को लेकर 30 मई तक अपनी विस्तृत रिपोर्ट देंगी।

सामूहिक पंजीकरण शिविर में श्रमिकों को जारी हुए ई-श्रम

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर महानगर-प्रथम व द्वितीय के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को हीरापुरा चौराहा 200 फीट बाईपास स्थित मजदूर चौखटी पर सामूहिक पंजीकरण शिविर का आयोजन किया गया।

जयपुर। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर जिला, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर महानगर-प्रथम व द्वितीय के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को हीरापुरा चौराहा 200 फीट बाईपास स्थित मजदूर चौखटी पर सामूहिक पंजीकरण शिविर का आयोजन किया गया। श्रम विभाग, कॉमन सर्विस सेन्टर, ट्रेड यूनियन, एक्शन एड तथा आजीविका एनजीओ के सहयोग एवं समन्वय से आयोजित शिविर में 63 श्रमिकों का मौके पर ही ऑनलाईन ई-श्रम कार्ड जारी किया गया, साथ ही 65 श्रमिक कार्ड फार्म भरवाए गए एवं 200 से अधिक श्रमिक हाजिरी डायरी वितरित की गई।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर जिला के सचिव पवन कुमार जीनवाल तथा दीपेन्द्र माथुर सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर महानगर प्रथम ने चौखटी पर उपस्थित श्रमिकों को उनके विधिक अधिकारों, श्रम विभाग की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान की।

जीनवाल ने यह भी बताया कि जो श्रमिक शिविर में ऑनलाइन पंजीकरण से वंचित रह जाएंगे, उनके लिए बुधवार को विश्वकर्मा रोड नम्बर 14 सीकर रोड स्थित मजदूर चौखटी तथा 8 मई को इंडिया गेट सीतापुरा इंडस्ट्रियल एरिया स्थित मजदूर चौखटी पर भी ऑनलाइन पंजीकरण शिविर का आयोजन किया जाएगा। पंजीकरण हेतु श्रमिकों को आधार कार्ड, बैंक पासबुक तथा मोबाइल साथ लेकर मौके पर आना होगा। शिविर में श्रमिकों को श्रम विभाग की विभिन्न योजनाओं जैसे निर्माण श्रमिक शिक्षा एवं कौशल विकास योजना, निर्माण श्रमिक जीवन व भविष्य सुरक्षा योजना, सिलिकोसिस पीड़ित हिताधिकारियों हेतु सहायता योजना, हिताधिकारी की सामान्य अथवा दुर्घटना में मृत्यु या घायल होने की दशा में सहायता योजना, प्रसूति सहायता योजना, शुभशक्ति योजना, निर्माण श्रमिक सुलभ्य आवास योजना, निर्माण श्रमिक औजार /टूलकिट सहायता योजना, निर्माण श्रमिक एवं उनके आश्रित बच्चो द्वारा भारतीय/राजस्थान प्रशासनिक सेवा हेतु आयोजित प्रारम्भिक प्रतियोगी परीक्षा उत्तीर्ण करने पर प्रोत्साहन योजना एवं अन्य योजनाओं की विस्तुत जानकारी प्रदान की जाएगी।

शिविर के दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर जिला से पीएलवी श्री सुरेश कुमार गुर्जर ने श्रमिकों का ऑनलाईन पंजीकरण करने में सहायता प्रदान की। शिविर के दौरान पल्लवी शर्मा सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर महानगर-द्वितीय, श्रम विभाग से भारती भिण्डा, अनुपम गौतम, सीएससी से सुरेन्द्र कुमार जांगिड तथा दीपक जांगिड, ट्रेड यूनियन से अनिल बैरवा तथा तुषार बैरवा, एक्शन एड एनजीओ से मूलचंद शर्मा तथा हेमलता व अन्य उपस्थित रहे।

कुसुम योजना में एक हजार मेगावाट ऊर्जा उत्पादन क्षमता का नया कीर्तिमान बनाया

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सौर ऊर्जा का सूर्य निश्चित तौर पर देश के पश्चिमी राज्य राजस्थान में चमक रहा है। सूर्य भगवान की विशेष कृपा से प्रदेश की सुनहरी रेतीली धरती में सौर ऊर्जा उत्पादन की अपार संभावनाएं हैं, जिनके दोहन के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पहले दिन से ही निरंतर प्रयासरत हैं।

राजस्थान को ऊर्जा आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य की दिशा में पीएम-कुसुम योजना के माध्यम से एक बड़ी कामयाबी मिली है तथा राजस्थान ऐसा अग्रणी राज्य बन गया है जहां इस योजना के कम्पोनेंट-ए एवं कम्पोनेंट-सी के अन्तर्गत सौर ऊर्जा उत्पादन 1 हजार मेगावाट से अधिक हो गया है। सौर ऊर्जा का उपयोग कर किसानों को दिन में बिजली आपूर्ति की दिशा में भी राजस्थान तेजी से आगे बढ़ रहा है जिससे आज प्रदेश में 1 लाख 70 हजार से अधिक किसानों को दिन में बिजली सुलभ होने लगी है। पीएम कुसुम योजना के कम्पोनेंट-ए एवं कम्पोनेंट-सी के तहत ही 560 ग्रिड कनेक्टेड विकेन्द्रित सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित कर 70 हजार से अधिक कृषि उपभोक्ताओं को दिन में बिजली दी जा रही है। वहीं इस योजना के कम्पोनेंट-बी में लगभग 1 लाख किसानों के कृषि पम्पों को सौर ऊर्जा से जोड़ा जा चुका है। राज्य द्वारा

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सौर ऊर्जा क्रांति का साक्षी बनता राजस्थान
- 1 लाख 70 हजार से अधिक किसानों को दिन में मिलने लगी बिजली

योजना के सफल क्रियान्वयन को देखते हुए भारत सरकार ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान कुसुम-ए में दो बार में कुल 6 हजार मेगावाट क्षमता के संयंत्रों के अतिरिक्त आवंटन को स्वीकृति दी है तथा कम्पोनेंट-सी में 2 लाख सोलर पम्पों का अतिरिक्त आवंटन किया है। इस प्रकार इस योजना में प्रदेश में लगभग 12 हजार मेगावाट क्षमता के प्लांट स्थापित किए जाने का लक्ष्य रख कार्य किया जा रहा है।

पूर्ववर्ती सरकार के अंतिम तीन सालों में जहां केवल 92 प्लांट ही स्थापित किए जा सके थे। वहीं आज प्रदेश में कम्पोनेंट-सी में लगभग हर दिन औसतन एक नया सौर ऊर्जा संयंत्र ग्रिड से जुड़ रहा है। बीते 6 माह में प्लांटों के क्रियाशील होने की गति में और तेजी आई है। इस अवधि में कम्पोनेंट-ए में 183 मेगावाट क्षमता के 134 तथा कम्पोनेंट-सी में 514 मेगावाट क्षमता के 196 प्लांट स्थापित हुए हैं। यह प्रगति इस दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है कि जबसे यह योजना प्रारंभ हुई उसके बाद से ऊर्जा उत्पादन में प्रतिदिन औसतन चार से पांच मेगावाट क्षमता की अतिरिक्त बढ़ोतरी हो रही है।

योजना के तहत यह प्लांट मुख्यतः राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित हो रहे हैं जहां कृषि कनेक्शन अधिक संख्या में हैं। खेत के समीप भूमि पर लग रहे अधिकतम 5 मेगावाट क्षमता तक के इन सौर ऊर्जा संयंत्रों से किसानों को खेती से जुड़े कार्यों के लिए दिन में बिजली सुलभ होने लगी है। प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में उद्यिमता के एक नए युग की शुरूआत हुई है। अपनी भूमि पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाकर किसान अन्नदाता के साथ-साथ ऊर्जादाता भी बन रहे हैं जिससे उन्हें आमदनी का एक अतिरिक्त जरिया भी मिला है।

योजना में फीडर लेवल सोलराइजेशन के अन्तर्गत 33/11 केवी ग्रिड सब स्टेशन के लगभग 5 किलोमीटर के दायरे में सौर ऊर्जा संयंत्र लगाए जाने का प्रावधान है। कंपोनेंट-ए में अधिकतम 2 मेगावाट क्षमता तक तथा कंपोनेंट-सी में अधिकतम 5 मेगावाट क्षमता तक के ग्रिड कनेक्टेड सोलर प्लांट स्थापित किए जा रहे हैं। कंपोनेंट-सी में सौर संयंत्र की स्थापना पर भारत सरकार लागत का अधिकतम 30 प्रतिशत (अधिकतम 1 करोड़ 5 लाख रूपए प्रति मेगावाट) तक अनुदान देती है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वर्ष-2027 तक किसानों को कृषि कार्य के लिए दिन में बिजली उपलब्ध कराने का संकल्प व्यक्त किया है। इस संकल्प को साकार करने की दिशा में यह योजना महत्वपूर्ण है। राज्य सरकार द्वारा इसे फ्लैगशिप योजना के रूप में भी सम्मिलित किया गया है।

डिस्कॉम्स द्वारा मानक संचालन प्रक्रिया तैयार कर सौर संयंत्रों की स्थापना में आने वाली बाधाओं को दूर किया गया। अवॉर्ड जारी होने के बाद पावर परचेज एग्रीमेंट को अंतिम रूप देने, सौर संयंत्र को 11 केवी एवं 33 केवी प्रसारण लाइनों के माध्यम से ग्रिड से जोड़ने, ट्रांसफार्मर तथा मीटर से संबंधित स्वीकृतियों के कार्यों, सोलर प्लांट्स के निरीक्षण तथा साइट विजिट्स को विद्युत वितरण निगमों द्वारा निर्धारित समयावधि में पूर्ण किया जा रहा है। साथ ही जिला कलक्टरों को विद्युत लाइन बिछाने की राह में आ रही बाधाओं को दूर करने के दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। योजना के फलीभूत होने का फायदा विद्युत वितरण निगमों को लगभग 3 रूपए प्रति यूनिट की सस्ती बिजली की उपलब्धता के रूप में मिल रहा है। स्थानीय स्तर पर पैदा होने वाली बिजली का उपयोग स्थानीय स्तर पर ही होने से प्रसारण में होने वाली छीजत भी कम हुई है। साथ ही, कृषि की बढ़ती मांग की आपूर्ति के लिए विद्युत निगमों को अतिरिक्त विद्युत तंत्र विकसित करने की आवश्यकता में भी कमी आई है। डिस्कॉम्स को अब कृषि कार्य के लिए एक्सचेंज से महंगे दाम पर बिजली खरीदने की आवश्यकता नहीं होती। सबसे बड़ी बात यह है कि लगभग 1 हजार मेगावाट बिजली अतिरिक्त उत्पादन क्षमता विकसित करने में राज्य सरकार के बजट पर कोई अलग से भार नहीं आया है एवं साथ ही, कार्बन फुटप्रिंट में भी कमी आ रही है। योजना के कम्पोनेंट-बी का क्रियान्वयन उद्यानिकी विभाग के माध्यम से किया जा रहा है। इसके अन्तर्गत वर्तमान राज्य सरकार द्वारा 39 हजार से अधिक सौर ऊर्जा पम्प संयंत्रों की स्थापना की जा चुकी है एवं इस दृष्टि से राजस्थान देश में प्रथम तीन राज्यों में है। कम्पोनेंट-बी में किसानों को 3 से 7.5 हॉर्स पावर क्षमता के सौर ऊर्जा पम्प संयंत्र स्थापित करने पर 60 प्रतिशत अनुदान दिया जाता है।

एबीवीपी ने युवाओं को मॉक ड्रिल से जुड़ने को कहा

जयपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने 7 मई को केन्द्रीय गृह मंत्रालय द्वारा आयोजित "सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल" में भाग लेने की घोषणा की है और देशभर के युवाओं-विद्यार्थियों से इसमें सक्रिय सहभागिता का आव्हान किया है। हालिया पहलगाम आतंकी हमले और बढ़ते सुरक्षा खतरों के मद्देनज़र यह अभ्यास अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। इस मॉक ड्रिल में एयर रेड सायरन, ब्लैकआउट अभ्यास, नागरिकों की सुरक्षित निकासी और आपात सुरक्षा प्रशिक्षण शामिल हैं। साथ ही महत्त्वपूर्ण प्रतिष्ठानों के संरक्षण हेतु कैमोफ्लाज तकनीकों का अभ्यास भी किया जाएगा।

एबीवीपी का मानना है कि राष्ट्रीय सुरक्षा हर नागरिक, विशेषकर युवाओं की सामूहिक जिम्मेदारी है। इसलिए विद्यालय व महाविद्यालय परिसर को जागरूकता व सतर्कता के केंद्र बनाना होगा। अभाविप जयपुर प्रांत मंत्री अभिनव सिंह ने कहा, सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल देश की सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रदेश के सभी छात्रों, शिक्षकों व नागरिकों से आग्रह करते हैं कि वे इस मॉक ड्रिल में उत्साहपूर्वक भाग लें और सुरक्षित, सशक्त एवं आत्मनिर्भर भारत की दिशा में योगदान दें। एबीवीपी प्रदेशभर के कॉलेजों में पहलगाम घटना के विरोध में पोस्टकार्ड व हस्ताक्षर अभियान चलाएगी।

कांग्रेस की बैठक में अर्चना शर्मा ने दिखाया नेताओं को आईना

जयपुर। जयपुर कांग्रेस की संविधान बचाओ रैली की तैयारी के लिए बुलाई गई जयपुर शहर कांग्रेस की बैठक मे मालवीय नगर से कांग्रेस प्रत्याशी अर्चना शर्मा ने रैलियों में भीड़ लाने वालो को मंच से नीचे और अकेले आने वालों को मंचों के सामने जगह मिलने पर नाराजगी जताई।

- 'भीड़ लाने वालो को सम्मान दिया जाना जरूरी, निष्क्रिय को दिखाओ बाहर का रास्ता'

अर्चना शर्मा ने जयपुर प्रभारी धर्मेंद्र राठौड़ पर नाराजगी जताते हुए कहा कि आपने 28 अप्रैल की रैली से पहले कहा था कि मैं सब नेताओं की भीड़ की गिनती करूंगा कौन कितनी भीड़ लाया, लेकिन आपने वो काम नहीं किया यह गलत बात है। इस दौरान जयपुर के संगठन महामंत्री सीताराम नेहरू ने उन्हें टोका तो अर्चना ने कहा कि आप मुझसे ज्यादा मंच संचालन करना नहीं जानते हैं। मैंने 10 साल तक प्रदेश कांग्रेस का मंच संचालन किया है। अर्चना शर्मा ने कहा कि रैली में रफीक खान भीड़ लेकर आए अमीन कागजी भीड़ लेकर आए। मालवीय नगर से भी अच्छी भीड़ थी। लोग कहते हैं कि अर्चना शर्मा तो मालवीय नगर में खत्म हो गई हैं। मैं भले ही चुनाव हारी हूं, लेकिन संगठन को कमजोर नहीं होने दिया है। अर्चना शर्मा ने कहा कि मैंने ऐसा कुछ गलत नहीं कहा है। जो कार्यकर्ता सक्रिय रूप से संगठन में काम करता है, उसको पहचानना पड़ेगा। उसको सम्मान देना पड़ेगा और जो काम नहीं करता है उसको भी पहचानना होगा। अर्चना शर्मा ने कहा कि मैं 2018 के चुनाव में लगभग जीत चुकी थी, कुछ भी वोटों का अंतर रह गया था। 2023 के चुनाव में भले ही मैं हार गई हूं, लेकिन मैंने संगठन को कमजोर नहीं होने दिया है।

इस दौरान जयपुर शहर अध्यक्ष आरआर तिवाड़ी ने कहा कि जयपुर शहर कांग्रेस की बैठक में तो सभी को सम्मान मिलता है, चाहे वो ब्लॉक अध्यक्ष हो या फिर मंडल अध्यक्ष। कार्यकारिणी के लोग हों या फिर पार्षद दल का नेता हो, सभी को सम्मान मिलता है। प्रदेश कांग्रेस की अलग बात है। प्रभारी धर्मेंद्र राठौड़ ने बैठक में गैर हाजिर पदाधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि जो भी पदाधिकारी लगातार तीन बैठकों में नहीं आएगा, उसे संगठन से बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा।

दिल्ली-एनसीआर में पटाखे बैन

जयपुर। उच्चतम न्यायालय के द्वारा एस.सी. मेहता बनाम भारत संघ व अन्य के केस में दिए गए निर्णय की पालना में राज्य के गृह विभाग ने राज्य के दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में सम्पूर्ण वर्ष पटाखे चलाने, इसके विनिर्माण, संग्रहण, विक्रय (जिसमें ऑनलाइन विक्रय भी शामिल है) और वितरण को प्रतिबंधित कर दिया है।

'कोई भी संदिग्ध भ्रष्टाचारी पाया गया तो दंडात्मक कार्यवाही होगी'

नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड के मुख्य सतर्कता अधिकारी अमित कुमार शर्मा, वरिष्ठ एवं अतिरिक्त मुख्य सतर्कता अधिकारी तरुण कुमार जैन के द्वारा एनएफएल राज्य कार्यालय, जयपुर में भ्रष्टाचार के प्रति जागरूकता एवं रोकथाम पर समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

जयपुर। नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (एनएफएल) के मुख्य सतर्कता अधिकारी अमित कुमार शर्मा, वरिष्ठ एवं अतिरिक्त मुख्य सतर्कता अधिकारी तरुण कुमार जैन (मुख्य प्रबंधक, सतर्कता) के द्वारा एनएफएल राज्य कार्यालय, जयपुर में भ्रष्टाचार के प्रति जागरूकता एवं रोकथाम पर समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में कंपनी के प्रति समर्पित विभिन्न जिलों के थोक विक्रेताओ एवं राज्य कार्यालय राजस्थान के अधिकारियो एवं कर्मचारियो ने भाग लिया। बैठक के दौरान अमित कुमार शर्मा, के द्वारा बैठक मे सम्मिलित एनएफएल के समस्त थोक विक्रेताओ, अधिकारियों एवं कर्मचारियो को भ्रष्टाचार उन्मूलन के बारे मे विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई ताकि भ्रष्टाचार रहित संस्थान का उद्देश्य चरितार्थ हो एवं सभी को किसी भी प्रकार की गतिविधियों मे भ्रष्टाचार न करने के लिए आदेशित किया गया। एनएफएल के समस्त थोक विक्रेताओं, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भ्रष्टाचार विरोधी एवं सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा दिलाई गई। उन्होंने कहा कि कोई भी थोक विक्रेता, अधिकारी एवं कर्मचारी किसी भी प्रकार की गतिविधि में भ्रष्टाचार संदिग्ध पाया गया तो उसके खिलाफ दंडात्मक एवं अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

खानों के माइनिंग प्लान का ऑनलाईन अनुमोदन शुरु : टी.रविकांत

जयपुर। राज्य के खान विभाग ने खानों के माइनिंग प्लान व माइनिंग योजनाओंके ऑनलाईन अनुमोदन की प्रक्रिया शुरु कर दी है। प्रमुख सचिव माइन्स, भूविज्ञान एवं पेट्रोलियम टी. रविकान्त ने बताया कि राज्य सरकार ने माइनिंग सेक्टर में सरलीकरण और पारदर्शी व्यवस्था की दिशा में एक कदम और बढ़ाते हुए पिछले दिनों एक मई से माइनिंग प्लान व माइनिंग योजनाओं का ऑनलाईन अनुमोदन का निर्णय किया था। उन्होंने बताया कि ऑनलाईन अनुमोदन की प्रक्रिया आरंभ हो गई है और जयपुर, ब्यावर, सिरोही, बारां, बांसवाड़ा और चुरु में लाइमस्टोन बर्निंग, मेसेनरी स्टोन, ग्रेनाइट, लाइमस्टोन क्रशर और क्वार्टज फेल्सपार के माइनिंग प्लान व माइनिंग योजनाएं अनुमोदन के लिए प्रस्तुत की गई है।

टी. रविकान्त ने बताया कि नई व्यवस्था से करीब 30 हजार अप्रधान खनिज लीजधारक और क्वारी लाइसेंसधारक लाभान्वित हो सकेंगे। अब उन्हें योजनाओं के अनुमोदन के लिए खनिज विभाग के कार्यालयों में चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। अप्रधान खनिजों के माइनिंग लीजधारकों व क्वारी लाइसेंसधारकों को माइनिंग प्लान व माइनिंग स्कीम का अनुमोदन करवाना होता है। नियमानुसार विभाग द्वारा 90 दिवस में अनुमोदन की कार्रवाई पूरी करनी होती है पर अनुमोदन में इससे अधिक समय भी लग जाता है।

बुधवार को प्रस्तावित मॉक ड्रिल की तैयारियों समीक्षा की सी.एस. ने

जयपुर। वर्तमान परिदृश्य में राज्य में नागरिक सुरक्षा सुदृढ़ीकरण एवं क्रियाशीलता के आकलन हेतु केन्द्रीय गृह मंत्रालय द्वारा प्रदत्त दिशा निर्देशों की पालना में मंगलवार को मुख्य सचिव सुधांश पंत की अध्यक्षता में राज्य के समस्त संभागीय आयुक्त, पुलिस महानिरीक्षक, जिला कलेक्टर, जिला पुलिस अधीक्षक एवं सम्बन्धित जिला स्तरीय अधिकारियों की वीसी के माध्यम से बैठक आयोजित की गई।

सचिवालय में आयोजित बैठक में बुधवार को प्रस्तावित मॉक ड्रिल एवं ब्लैक आउट हेतु संबंधित जिलों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। साथ ही यह भी निर्देशित किया गया कि सभी संचार माध्यमों एवं सायरनो को तुरंत दुरुस्त किया जाकर संचार प्रणाली का सुदृढीकरण सुनिश्चित किया जाए।

केन्द्रीय गृह मंत्रालय द्वारा प्रदत्त दिशा-निर्देशों की पालना में मंगलवार को मुख्य सचिव सुधांश पंत की अध्यक्षता में राज्य के समस्त संभागीय आयुक्त, पुलिस महानिरीक्षक, जिला कलेक्टर, जिला पुलिस अधीक्षक एवं सम्बन्धित जिला स्तरीय अधिकारियों की वीसी के माध्यम से बैठक आयोजित की गई।

बैठक में गृह एवं आपदा प्रबंधन एवं नागरिक सुरक्षा, जल संसाधन एवं पीएचईडी विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य व स्वायत्त शासन विभागों के प्रमुख शासन सचिव, चिकित्सा शिक्षा एवं उच्च शिक्षा व तकनीकी शिक्षा विभागों के शासन सचिव, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के आयुक्त एवं संयुक्त शासन सचिव, पुलिस महानिदेशक राजस्थान, महानिदेशक इन्टेलिजेन्स, महानिदेशक गृह रक्षा, प्रबंध निदेशक, जयपुर, अजमेर एवं जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड़, प्रबंधक, उ.प. रेलवे जयपुर, कमाण्डेंट, राज्य आपदा प्रतिसाद दल, ग्रुप कैप्टन, एयर फोर्स स्टेशन, महाप्रबंधक, भारत संचार निगम लिमिटेड, कमाण्डेंट छठी बटालियन राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, एनसीसी निदेशक, जयपुर एयरपोर्ट निदेशक इत्यादि अधिकारीगण उपस्थित थे। सभी अधिकारीगण ने बैठक में आपसी समन्वय से मॉक ड्रिल संपन्न करने हेतु प्रतिबद्धता जाहिर की।

ट्रक व एसयूवी गाड़ी की भिड़ंत में दो युवकों की मौत, एक गंभीर घायल

एसयूवी गाड़ी में सवार तीनों युवक बारात में शामिल होकर वापस लौट रहे थे

हादसे में एसयूवी गाड़ी पूरी तरह से चकनाचूर हो गई।

■ हादसा इतना भीषण था कि एसयूवी गाड़ी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई, वहीं ट्रक चालक मौके से फरार हो गया

खेतड़ी, (निसं)। बबाई थाना क्षेत्र के गाडराटा के पास अलसुबह ट्रक व एसयूवी गाड़ी की भिड़ंत हो गई। इस दौरान हादसे में दो युवकों की मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया। गाड़ी में सवार तीनों युवक बारात में शामिल होकर वापस लौट रहे थे।

थानाधिकारी कैलाश चंद ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली कि गाडराटा के बाबा सुंदरदास मंदिर के पास एक हादसा हुआ है, जिसकी सूचना पर मौके पर पहुंचकर जानकारी जुटाई तो सामने आया कि पिलानी निवासी सक्षम (21) पुत्र पवन कुमार, गोठ हाल चिड़ावा निवासी राजेश (27) पुत्र सुरेंद्र व पोटिया हाल पिलानी निवासी अंकित ओला पुत्र राजेश ओला बबाई थाना क्षेत्र के ढाणी बैचावाली में शादी समारोह में शामिल होने के लिए आए थे। सुबह करीब पांच बजे वापस अपने घर लौटते समय गाडराटा के पास ट्रक से उनकी गाड़ी की भिड़ंत हो गई। इस दौरान हादसे की सूचना पर 108 एंबुलेंस के पायलट अजीत सिंह निर्वाण व ईएमटी प्रकाश कुमार मौके पर पहुंचे तथा गाड़ी में फंसे युवकों को आसपास के लोगों की मदद से निकाल कर खेतड़ी के राजकीय उप जिला अस्पताल में पहुंचाया। इस दौरान डॉक्टरों ने सक्षम जांगिड़ को मृत घोषित कर दिया, जबकि राजेश कुमार की हालत गंभीर होने पर जयपुर रैफर कर दिया। इस दौरान रास्ते में राजेश की भी मौत हो गई, जबकि तीसरे घायल अंकित ओला का प्राथमिक उपचार किया गया। मृतक सक्षम जांगिड़ तीन भाइयों में दूसरे नंबर का है। इसका दो साल पहले विवाह हुआ था तथा एक दस माह की बेटी है। मृतक राजेश दो जुड़वां भाईयों से छोटा था। राजेश निजी कंपनी में काम करता है तथा बड़ा भाई भी राजकुमार भी कंपनी में काम करना है। मृतक राजेश के पिता सेना से रिटायर्ड है। वहीं तीसरा घायल अंकित ओला नोएडा के निजी अस्पताल में डॉक्टर के पद पर कार्यरत है।

थानाधिकारी ने बताया कि हादसा इतना जबरदस्त था कि गाड़ी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई, वहीं ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। हादसे की सूचना पर तीनों के परिजन मौके पर पहुंचे। थानाधिकारी ने बताया कि परिजनों की मौजूदगी में शवों का पोस्टमार्टम करवाया।

होटल में नशीली कोल्ड ड्रिंक पिलाकर महिला से दुष्कर्म

अश्लील फोटो व वीडियो बनाकर वायरल किये, थाने में मामला दर्ज, जांच शुरु

बीकानेर, (निसं)। कोटगेट थाना क्षेत्र में स्थित एक होटल में महिला को कोल्ड ड्रिंक में नशीली सामग्री पिलाकर दुष्कर्म करने का मामला थाने में दर्ज हुआ है। पुलिस ने मामला दर्ज करने के साथ ही छानबीन शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार जोधपुर की रहने वाली पीड़ित महिला ने मामला दर्ज कराया है। उसके सोशल मीडिया अकाउंट पर रामनिवास वाल्मीकि ने फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी। फोन पर दोस्ती हो गई। आरोपी ने उसे अक्टूबर, 2024 में बीकानेर शहर घुमाने के लिए बुलाया। तब वह जोधपुर से बीकानेर आ गई। आरोपी उसे बीकानेर रेलवे स्टेशन के सामने वाली गली में स्थित एक होटल में ले गया, जहां उसके दोस्त ने एक कमरा बुक कर रखा था। कमरे में आरोपी ने अपने बैग से कोल्ड ड्रिंक निकाली। कोल्ड ड्रिंक पीने के बाद उसे चक्कर आने लगे।

पीड़िता का आरोप है कि कुछ देर बाद उसे जब होश आया तो आरोपी ने उसके अश्लील फोटो व वीडियो बना लिए थे। आरोपी ने धमकाया कि अगर किसी को बताया तो फोटो व वीडियो वायरल कर दूंगा। मैं बुलाऊं तब तुझे बीकानेर आना होगा। अगर नहीं आई तो वीडियो व फोटो तेरे पति को भेज दूंगा। दीपावली के 10-15 दिन बाद आरोपी के धमकाने पर वह वापस बीकानेर आई। तब आरोपी ने फिर दुष्कर्म किया। पीड़िता ने बताया कि पांच दिन पहले आरोपी ने उसे फोन कर बीकानेर आने को कहा। पीड़िता नहीं आई। इसके बाद आरोपी ने पीड़िता के अश्लील फोटो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए। आरोपी ने फोटो पर 100, 200 व 500 लिखकर वायरल किए, जिससे उसकी प्रतिष्ठा खराब हुई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नाले में अज्ञात व्यक्ति की लाश मिलने से सनसनी फैली

■ भीख मांग कर अपना गुजर-बसर कर रहा था व्यक्ति

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के प्रताप नगर थाना क्षेत्र स्थित गंगापुर चौराहे के निकट एक नाले में अज्ञात व्यक्ति की लाश मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई।

प्रताप नगर थाना अधिकारी सुरजीत सिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र में स्थित ट्रैफिक थाने के निकट नाले में एक अज्ञात व्यक्ति की तैरती हुई लाश देखकर स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी, जिस पर पुलिस मौके पर पहुंची और जेसीबी की मदद से नाले से पानी और कीचड़ साफ करवाकर युवक के शव को बाहर निकलवाया। स्थानीय लोगों ने बताया कि उक्त व्यक्ति क्षेत्र में ही रहकर भीख मांग कर अपना गुजर-बसर कर रहा था और नाले के पास बने टीनशेड के नीचे ही सो जाया करता था। अब पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि उसकी मौत हादसा है या इसके पीछे अन्य कोई कारण है। फिलहाल पुलिस ने मृतक के शव को महात्मा गांधी चिकित्सालय की मोर्चरी में सुरक्षित रखवाते हुए उसकी शिनाख्त के प्रयास शुरू किए हैं। जानकारी के अनुसार भीलवाड़ा में पिछले एक सप्ताह में इस तरह से संदिग्ध लाशों के मिलने का सिलसिला जारी है। करीब आधा दर्शन लाशें मिलने के चलते शहर में दहशत का माहौल है।

स्कॉर्पियो कार सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से टकराई, दो चचेरे भाइयों की मौत

■ एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल, तीनों युवक दोस्त की शादी से लौट रहे थे

■ गाड़ी में दोनों शव बुरी तरह फंस गए थे, जेसीबी की मदद से शवों को बाहर निकाला

नोखा, (निसं)। बीकानेर जिले के नोखा में स्कॉर्पियो कार सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से टकरा गई। इसमें कार सवार दो चचेरे भाइयों की मौके पर ही मौत हो गई। एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हुआ है। तीनों युवक दोस्त की शादी से लौट रहे थे। ये लोग कपड़े के कारोबार से जुड़े हैं। गाड़ी में दोनों शव बुरी तरह फंस गए थे। जेसीबी की मदद से शवों को बाहर निकाला जा सका।

जानकारी के अनुसार घटना बीकानेर बाइपास पांचू पुलिया के पास गुरुकृपा होटल के पास देर रात 2.30 बजे की है। हादसे के बाद सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को एंबुलेंस से नोखा हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां से उपचार के बाद बीकानेर रेफर किया गया। एसआई सुरेश भादू ने बताया कि नोखा गांव निवासी धीरज (19) पुत्र श्यामलाल सियाग और विकास (21) पुत्र हरिराम सियाग दोनों चचेरे भाई अपनी बुआ के लड़के राकेश गोदारा (23) निवासी सतरेन (नागौर) के साथ एक दोस्त की शादी में सतरेन गए हुए थे। धीरज और विकास को छोड़ने के लिए राकेश नोखा गांव आ रहा था। इस दौरान स्कॉर्पियो गाड़ी बेकाबू होकर नेशनल हाइवे के किनारे खड़े ट्रेलर से टकरा गई। धीरज और विकास की मौके पर ही मौत हो गई। राकेश गंभीर रूप से घायल हो गया।

हादसे के बाद आसपास के लोगों ने घटना की जानकारी नोखा पुलिस को दी। सूचना मिलने पर नोखा पुलिस मौके पर पहुंची और जेसीबी की सहायता से शवों को बाहर निकाला। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए सरकारी अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया है। घायल राकेश को एंबुलेंस से नोखा हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां से उपचार के बाद बीकानेर रेफर किया गया। नोखा गांव निवासी मुरली गोदारा ने बताया कि विकास सूरत में कपड़े का व्यापार करता है। विकास के दो भाई-बहन हैं। विकास के पिता हरिराम ट्रैक्टर चलाते हैं। धीरज गांव के एक स्कूल में कक्षा 11 में पढ़ाई करता है। धीरज सहित दो भाई हैं। धीरज के पिता श्यामलाल हलवाई हैं। घायल राकेश गोदारा भी सूरत में कपड़े के कारोबार से जुड़ा है। तीनों एक-दूसरे के रिश्तेदार थे।

तत्कालीन विकास अधिकारी निलंबित

■ निलंबन काल में विकास अधिकारियों को मुख्यालय पंचायती राज विभाग जिला जयपुर में किया

पावटा, (निसं)। ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज विभाग ने तत्कालीन विकास अधिकारी पंचायत समिति शाहपुरा हाल पंचायत समिति विराटनगर विकास अधिकारी सुरेश बागोरिया व जीनू वर्मा तत्कालीन विकास अधिकारी पंचायत समिति शाहपुरा हाल पंचायत समिति भवानीमंडी जिला झालावाड़ को विभागीय जांच के चलते निलंबित कर दिया। साथ ही निलंबन काल में विकास अधिकारियों को मुख्यालय पंचायती राज विभाग जिला जयपुर में किया गया है। मामले के अनुसार राज्य की ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग के शासन सचिव एवं आयुक्त ने आदेश जारी कर तत्कालीन विकास अधिकारी पंचायत समिति शाहपुरा हाल पंचायत समिति विराटनगर विकास अधिकारी सुरेश बागोरिया व जीनू वर्मा तत्कालीन विकास अधिकारी पंचायत समिति शाहपुरा हाल पंचायत समिति भवानीमंडी जिला झालावाड़ के विरुद्ध विभागीय जांच की कार्रवाई प्रस्तावित होने के कारण विकास अधिकारियों का निलंबन किया गया है।

उदयपुर में बरसात होने से तापमान में गिरावट, गर्मी से राहत मिली

उदयपुर, (कासं)। लेकसिटी में मंगलवार सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहे। इससे पहले सोमवार देर रात हुई बारिश से मौसम परिवर्तन हो गया और तापमान में गिरावट दर्ज की गई। सोमवार रात से लेकसिटी का मौसम पूरी तरह से बदल गया है। तेज हवाओं, बारिश और बादलों की आवाजाही के चलते तापमान में जबरदस्त गिरावट दर्ज की गई। मौसम में आई इस ठंडक से लोगों ने राहत की सांस ली।

मंगलवार को लेकसिटी का अधिकतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं न्यूनतम तापमान 19.5 डिग्री पर पहुंच गया। इससे पहले सोमवार अधिकतम तापमान 31.8 डिग्री था। हांलाकि मौसम में ऐसा बदलाव आमतौर पर बहुत कम देखने को मिलता है, लेकिन इस बार मौसम ने एक ही दिन में गर्मी से राहत दिला दी।

सोमवार को दोपहर में बादल छाए रहे लेकिन उमस होने की वजह से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा, लेकिन देर रात तेज हवा और बारिश के बाद कुछ जगहों पर अच्छी बरसात हुई। हालांकि बारिश का सिलसिला मंगलवार सुबह थम गया लेकिन सोमवार देर रात जिले के लगभग सभी हिस्सों में बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार को उदयपुर शहर में 7 मिलीमीटर, वल्लभनगर में 56, झाड़ोल में 16, घासा में 3, गोगुंदा में 22, कोटडा में 12, सायरा में 11, कुराबड में 3, बडगांव में 8, बारापाल में 8, मावली में 6, भींडर में 3, फलासिया में 2, गोगुन्दा में 22, सायरा मे 11, नया गाँव में 2, खेरवाडा में 3, ऋषभदेव में 4, कोटडा में12 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार 9 मई तक ऐसा ही मौसम रहने का अनुमान है।

कुएं की खुदाई के दौरान मिट्टी ढहने से युवक दबा

■ रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए भरतपुर से एसडीआरएफ टीम पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया

बयाना/भरतपुर, (निसं)। भरतपुर जिले के बयाना सदर थाना क्षेत्र के कारबारी गांव में एक दर्दनाक हादसा हो गया। खेत में बने एक पुराने कच्चे कुएं को गहरा करते समय मिट्टी ढहने से 38 वर्षीय युवक श्रीभान उर्फ पप्पी उसके नीचे दब गया।

घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों ने पुलिस और प्रशासन को सूचना दी। रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए भरतपुर से एसडीआरएफ (स्टेट डिजास्टर रेस्पॉन्स फोर्स) की टीम मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया गया। एलएनटी, जेसीबी और ट्रैक्टर-ट्राली की सहायता से मिट्टी हटाने का प्रयास किया जा रहा है।

घटनास्थल पर एसडीएम दीपक मित्तल, एडिशनल एसपी हरिराम कुमावत, डिप्टी एसपी कृष्णराज, पंचायत समिति विकास अधिकारी नरेंद्र सिंह, नायब तहसीलदार वैशाली धाकड़ और बयाना थाना प्रभारी बाबूलाल गुर्जर पहुंचे और रेस्क्यू ऑपरेशन की निगरानी की। बयाना बीडीओ ने बताया कि श्रीभान खुद अपने खेत में कुएं की खुदाई कर रहा था, जब यह हादसा हुआ। फिलहाल राहत और बचाव कार्य तेजी से जारी है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि घटनास्थल के आसपास अनावश्यक भीड़ न लगाएं और बचाव कार्य में सहयोग करें।

महिला से जेवर लूटे

उदयपुर, (कासं)। शहर के समीप कुराबड थाना क्षेत्र में बदमाशों ने आंगन में सो रही महिला के सोने के जेवरात लूट लिए। इस दौरान महिला के साथ मारपीट की गई। खींचतान में महिला के दोनों कानों में छेद फट गए और खून निकलने लगा। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बंगला की ढाणी जगत निवासी शांति बाई रेबारी अपने घर के आंगन में सो रही थी। रात करीब 2 से 3 बजे के बीच बदमाशों ने महिला के कान पकड़कर झटके से एक तोला वजनी सोने के कुंडल और एक तोला वजनी सोने की चेन निकाल ली। महिला का पति भैरूलाल खेत पर सो रहा था। महिला के शोर मचाने पर पति आया तब तक आरोपी फरार हो गए। वारदात के बाद ग्रामीण एकत्रित हो गए। महिला को तुरंत हॉस्पिटल पहुंचाया गया।

सीएमएचओ कार्यालय के नाम से अवैध वसूली

■ पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की

उदयपुर, (कासं)। लैब संचालक और मेडिकल स्टोर संचालक को सीएमएचओ कार्यालय के नाम डरा-धमककर एक व्यक्ति अवैध वसूली करके चला गया।

पुलिस से मिली जानकारी महेन्द्र पुत्र नारायण लाल डांगी निवासी रूपावली वल्लभनगर ने रिपोर्ट दी कि वह वर्तमान में डाकघर वल्लभनगर के पास पटेल मेडिकल के नाम से मेडिकल चलाता है। मेरे मेडिकल के पास ही परफैक्ट डायग्नोस्टिक सेंटर नाम की लैब है, जिसकी देखरेख भी मैं ही करता हूं। 4 मई को 5 बजे के लगभग की बात है कि मैं परफैक्ट डायग्नोस्टिक सेंटर पर बैठा था। मेरे पास मेरा दोस्त सोमु आनंद यादव भी बैठा था। तभी हमारे पास एक व्यक्ति आया और कहा कि मैं सीएमएचओ उदयपुर से आया हूं। आप लैब रजिस्ट्रेशन से संबंधित कागजात दिखावो तो मैने लैब के ऑनर मुकेश जणवा निवासी नवानिया से बात करके लैब के कागजात दिखा दिए। फिर उस व्यक्ति ने बोला की आपके लैब के कागजों मे कमी है एवं मुझे डरा धमकाकर व लैब बंद कराने के नाम से 5 हजार रूपए ले लिए एवं मेरे पटेल मेडिकल स्टोर से भी 5 हजार रूपए लेकर चला गया। फिर मैने वल्लभनगर मे स्थित अन्य मेडिकल वालों से भी पता किया तो पता चला कि यह व्यक्ति आशापुरा मेडिकल से भी डरा धमकाकर व मेडिकल बंद कराने के नाम से 10 हजार रूपए लेकर चला गया है। मैने पता किया तो उस व्यक्ति का नाम नरवर सिंह पुत्र रामसिंह निवासी राजसमंद है। यह व्यक्ति एक कार लेकर आया था। नरवर सिंह हमारे को किसी अभिषेक बिंदल नाम के व्यक्ति से डरा धमकाकर व मेडिकल बंद करवाने का कहकर रूपये ले गया है। रिपोर्ट पर वल्लभनगर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

युवक से लूटपाट की

उदयपुर, (कासं)। दुकान बंद कर घर जा रहे एक युवक से कुछ युवकों ने कुल्हाड़ी से मारपीट कर 15 हजार नगदी छीन ली।

महावीरसिंह राठौड़ निवासी बड़ी महुली फलासिया ने रिपोर्ट दी कि चार मई शाम को कोल्यारी ई-मित्र की दुकान बंद करके अपने घर बड़ी महुली की तरफ आ रहा था। कोल्यारी शिसवी रोड नदी पुलिया पर पहुंचा कि मेरी स्कूटी को रुकवाकर पनेसिंह पुत्र समरतसिंह व कोदरसिंह पुत्र समरतसिंह राठौड़ निवासी बड़ी महुली व उनके साथ एक दो अन्य व्यक्ति थे। मुझे रोककर जाने से मारने की नीयत से कुल्हाड़ी से मेरे सिर में मारी, जिससे मेरे गंभीर चोट आई। रिपोर्ट पर फलासिया पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

Office of the Superintendent Engineer and Project Manager WCDC, Karauli

No. :- 216 Date :- 02/05/2025

NOTICE INVITING BID

NIB No. : 05/2025-26

Bids for Talai, MPT, Percolation tank, ECD Construction work Project MJSA 2.0 Phase1 Block - Shri Mahaveerji, Hindaun & Sapotra of estimated value INR 139.41 Lacs [03 Package] are invited from interested bidders up to 06.00 PM, 11/05/2025, Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal **(https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/)** of the state, departmental website. **NIB CODE :- WSC2526A0090,**

UBN No. :- WSC2526WSRC00175 To WSC2526WSRC00177

Raj.Samwad/C/25/1828 **Superintending Engineer and Project Manager**

पंचायत कार्यालयों में आईटी संवर्ग के पद सृजन की मांग

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के जहाजपुर राजस्थान अधीनस्थ कम्प्यूटर कर्मचारी संघ ब्लॉक द्वारा पंचायत समिति एवं ग्राम पंचायत कार्यालयों में आईटी संवर्ग के पद सृजित करने की मांग को लेकर ब्लॉक विकास अधिकारी सीताराम मीणा को ज्ञापन सौंपा गया।

संघ की ब्लॉक अध्यक्ष अनामिका टेलर ने बताया कि जिला परिषद से लेकर ग्राम पंचायत स्तर तक विभिन्न योजनाओं में सूचना प्रौद्योगिकी का व्यापक उपयोग किया जा रहा है। बावजूद इसके, विभाग में तकनीकी कार्मिकों की भारी कमी है, जिससे डिजिटलीकरण और आईटी आधारित योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि "डिजिटल राजस्थान" की परिकल्पना को साकार करने के लिए पंचायतीराज विभाग में आईटी कैडर के अंतर्गत प्रोग्रामर, सहायक प्रोग्रामर और सूचना सहायक जैसे पदों का सृजन अत्यंत आवश्यक है। ज्ञापन सौंपने के दौरान सहायक प्रोग्रामर सौरभ मीणा, राकेश कुमार मीणा, प्रकाश चंद मीणा और सूचना सहायक सत्येन्द्र पारीक भी उपस्थित रहे।

पुनर्नियुक्ति जैसे मामलों में घिरे कुलपति प्रो. अरुण कुमार के खिलाफ बयान दर्ज

शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाए हैं कि कुलपति ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए भर्ती प्रक्रिया में गंभीर घोटाले किए

■ आरोप है कि जिन शिक्षकों को 8 साल का टीचिंग एक्सपीरियंस नहीं था, उन्हें भी प्रोफेसर-एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर लगा दिया

■ कुलपति अरुण कुमार अपना तीन साल का निर्धारित कार्यकाल पूरा करने से पहले आरोपों में घिरे

बीकानेर, (निसं)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अरुण कुमार अपना तीन साल का निर्धारित कार्यकाल पूरा करने से पहले आरोपों में घिर चुके हैं। उनके खिलाफ राज्यपाल की ओर से गठित कमेटी ने शिकायतकर्ताओं से उनकी परिवेदनाएं सुनी।

प्रोफेसर-एसोसिएट प्रोफेसर भर्ती घोटाला तथा वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों में घिरे कुलपति प्रो. अरुण कुमार के खिलाफ राजभवन के निर्देश पर जोधपुर संभागीय आयुक्त ने अतिरिक्त आयुक्त सीमा कविया के नेतृत्व में टीम भेजी। कमेटी की ओर से जांच रिपोर्ट राजभवन को देते ही कुलपति पर दबाव आ सकता है। पूर्व में भी जिन-जिन कुलपतियों के खिलाफ जांच कमेटी बैठी है, उन्हें निर्धारित कार्यकाल से पहले ही निलंबित किया गया था। बीकानेर पहुंची हाई पावर जांच कमेटी के समक्ष अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, किसान संघ के अलावा विश्वविद्यालय के अन्य आठ कर्मचारियों ने कुलपति के खिलाफ अपने बयान दर्ज कराए। शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाए हैं कि कुलपति ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए भर्ती प्रक्रिया में गंभीर घोटाले किए। आरोप है कि जिन शिक्षकों को 8 साल का टीचिंग एक्सपीरियंस नहीं था उन्हें भी प्रोफेसर-एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर लगा दिया गया।

इसके अलावा नियमों के खिलाफ पुनर्नियुक्ति का भी आरोप कुलपति के खिलाफ लगाया गया है। आरोप है कि विश्वविद्यालय में कुछ सेवानिवृत कर्मचारियों को भर्ती प्रक्रिया में गड़बड़ी करके फिर से नियुक्ति दी गई। सेवानिवृत कर्मचारी को डीडीओ पावर का अधिकार देना भी सवालों के घेरे में आ रहा है। इससे पूर्व कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा ने भी वीसी के खिलाफ पेटेंट को लेकर जांच कराने को कहा था। वित्तीय अनियमितताओं के अलावा कुलपति अरुण कुमार पर किसान हितैषी प्रोजेक्ट से तीन कृषि वैज्ञानिकों को हटाकर अन्य जगह तबादला करने का भी आरोप है। विश्वविद्यालय की ओर से लिए गए पेटेंट पर भी सवाल उठ रहे हैं। कुलपति की ओर से की गई प्रशासनिक पदों पर अपात्र लोगों की नियुक्ति भी जांच के दायरे में है।

कमेटी सदस्यों के मुताबिक यह जांच रिपोर्ट राज भवन भेजी जाएगी। हालांकि पूर्व में सुनवाई विश्वविद्यालय के कुलपति सचिवालय के सभागार में होनी थी। लेकिन वीसी के खिलाफ आरोपों की सुनवाई वीसी के ही सभागार में करने पर शिकायतकर्ताओं ने कमेटी सदस्यों के समक्ष आपत्ति जताई। इस पर कमेटी सदस्यों अंतिम समय में सुनवाई स्थल में बदलाव कर आईएबीएम में सभी पक्षों को सुना। इसके बाद बीकानेर के सर्किट हाउस में अलग से शिकायतकर्ताओं की कमेटी सदस्य से वार्ता हुई। परिवाद सुनने का स्थान अंतिम समय में कुलपति सभागार की जगह विश्वविद्यालय में स्थित कृषि प्रबंधन संस्थान में रखा गया। ऐसे में अनेक कर्मचारी व विद्यार्थी अपनी बात कमेटी के समक्ष रखने से वंचित रह गए। जानकारी के अनुसार पूर्व में सुनवाई दोपहर 11 बजे से 2 बजे तक कुलपति सभागार में होनी थी। लेकिन बाद में सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक कृषि प्रबंधन संस्थान तथा दोपहर 1 बजे से 2 बजे तक बीकानेर के सर्किट हाउस में सुनवाई हुई।

OFFICE OF THE MUNICIPAL BOARD ITAWA

File No. 400 Date :- 01-05-2025

NIB No. 05/2025-26

Notice inviting online bid for Preparation of detailed Project Report (DPR) for project liquid waste management, Itawa

Municipal Board, Itawa, District Kota, Rajasthan, invites online unconditional bid through e-procurement portal http;//eproc.rajasthan,gov.in from eligible bidders in accordance with the RTPP act 2012 and RTPP rules 2013, amended up to date, and under Open Competitive Bidding (OCB) national with single stage-two envelope bidding procedure for the work " **Preparation of detailed Project Report (DPR) for project liquid waste management Including Approval, Making Presentations at Various levels Complete in all respect".**

The details of NIB can be seen at e-procurement portal of state government sppp.rajasthan.gov.in from date 02.05-2025 at 12.00 hours till the end date of online submission of bid i.e. 02-05-2025 .up to 12-05-2025 .hours. Any subsequent addendum/corrigendum shall be published only at the e-procurement portal.

NIB Code : DLB2526A0903 & UBN No : DLB2526SLOB03399

Raj.Samwad/C/25/1812 **Chairman** **Executive Officer**

जयपुर विकास प्राधिकरण

इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302004

JDA/IT(1412092)/RC-CONSUMABLE/2025/D-47 दिनांक : 05.05.2025

निविदा सूचना

NIB NO. : JDA-IT-02-2025-26

UBN NO. : JDA2526GLOB00112

जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा "RFP for Procurement of Toner Cartridges/Drum/Fuser for Laser Printers" के लिए ऑनलाईन बिड्स दिनांक 27.05.2025 को 3.00 बजे तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा बोली का ऑनलाईन आवेदन व भुगतान जविप्रा पोर्टल पर करने की अन्तिम तिथि 25.05.2025 को 5.00 बजे तक है। निविदा की अनुमानित लागत रूपये 150.00 लाख है। निविदा बोली के दस्तावेजों का विस्तृत विवरण www.sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in and https://jda.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

निविदा में भाग लेने हेतु निविदादाता को अनिवार्य रूप से निम्न प्रक्रिया अपनानी होगी:

1. निविदा में भाग लेने एवं भुगतान जमा कराने हेतु निविदादाता को जविप्रा के "Online Tender Participation पोर्टल https://jda.rajasthan.gov.in या सिंगल साईन ऑन के माध्यम से जविप्रा पर उपलब्ध है।
2. राजस्थान सरकार के ई-प्रॉक्यूमेंट पोर्टल www.eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करनी होगी।

राज.संवाद/सी/25/1796 **सिस्टम एनालिस्ट-उपापन संस्था**

पति को जान से मारने का प्रयास करने वाली पत्नी-प्रेमी सहित तीन गिरफ्तार

पति को जान से मारने का प्रयास करने वाली पत्नी-प्रेमी सहित तीन गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर ग्रामीण जिले की चंदवाजी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए प्रेमी के साथ मिलकर पति को जान से मारने का प्रयास करने के मामले में पत्नी,प्रेमी सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। साथ ही पुलिस ने आरोपियों के पास से पोटेशियम दवा भरी दो सिरिंज,खाली इंजेक्शन व वारदात प्रयुक्त एक दुपहिया वाहन बरामद की है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

- **पोटेशियम दवा भरी दो सीरिंज, खाली इंजेक्शन व वारदात प्रयुक्त एक दुपहिया वाहन जब्त**

चंदवाजी थाना पुलिस ने पति को जान से मारने का प्रयास करने के मामले में पत्नी,प्रेमी सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस उप महानिरीक्षक (जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक) आनंद शर्मा ने बताया कि जयपुर ग्रामीण जिले की चंदवाजी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए प्रेमी के साथ मिलकर पति को जान से मारने का प्रयास करने के मामले में मनीषा गुर्जर (26)निवासी चंदवाजी जिला जयपुर हाल जमवारामगढ़ जिला जयपुर, उसके प्रेमी पवन कुमार पाठक (37) निवासी महुआ जिला दौसा और अनुज शर्मा (30) निवासी खेरली जिला अलवर को गिरफ्तार किया गया है। जिनके पास से पोटेशियम दवा भरी दो सिरिंज,खाली इंजेक्शन व वारदात प्रयुक्त एक दुपहिया वाहन बरामद की है।

चंदवाजी थानाधिकारी हीरालाल सैनी ने बताया कि चार मई की रात निम्स अस्पताल से सूचना मिली थी कि अस्पताल में भर्ती मरीज देवनारायण के दो अज्ञात व्यक्तियों की ओर से वार्ड में आकर इंजेक्शन लगाने का प्रयास किया गया है जिनको पकड़ रखा है। सूचना पर पुलिस निम्स अस्पताल पहुंची, जहां पर निम्स अस्पताल स्टाफ व गार्ड द्वारा पकड़े गये व्यक्तियों से पूछताछ की गयी तो निम्स अस्पताल में भर्ती मरीज देवनारायण गुर्जर को रात्री तीन बजे बाद एक नर्सिंग कर्मी की ड्रेस में आये युवक द्वारा इंजेक्शन लगाने का प्रयास करने के बारे में बताया। दोनों संदिग्ध व्यक्ति पवन कुमार पाठक और अनुज शर्मा से डिटेन कर पूछताछ में सामने आया कि दोनों ने ही महात्मा गांधी अस्पताल जयपुर में नर्सिंग कर्मी है। वहीं आरोपी पवन कुमार पाठक व अनुज शर्मा के निम्स अस्पताल में भर्ती मरीज देवनारायण से कोई सम्बन्ध नहीं होना व ना ही कोई आपसी रंजिश होना पाया गया। साथ ही आरोपी पवन कुमार पाठक का अस्पताल में भर्ती मरीज देवनारायण की पत्नी मनीषा से एक वर्ष से प्रेम सम्बन्ध होना सामने आया।

आरोपित मनीषा अपने पति देवनारायण को रास्ते से हटाने के लिए पवन कुमार पाठक से मिलकर पोटेशियम का हेवी डोज इंजेक्शन देकर मारने की योजना बनाई। ताकि अस्पताल में भर्ती मरीज की इलाज के दौरान ही मृत्यु हो जाये और वह मृत्यु बिमारी के कारण साधारण मृत्यु लगे। ताकि किसी पर कोई संदेह नहीं हो ।

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि देवनारायण को अपने रास्ते से हटाने के लिए आरोपी पवन कुमार पाठक ने इस कार्य में मदद के लिये अपने दोस्त अनुज शर्मा के मार्फत पोटेशियम के इंजेक्शनों की व्यवस्था की थी।

ड्यूटी पर तैनात मेडिकल ऑफीसर से पोटेशियम के इंजेक्शनों के बारे में जानकारी करने पर सामने आया कि किसी मरीज के शरीर में पोटेशियम की कमी होने पर इंजेक्शन को लिक्विड के साथ काफी धीमी मात्रा में मरीज को डॉक्टर की निगरानी में दिया जाता है। लेकिन यदि इस इंजेक्शन को सीधा ही कैनुला से मरीज के शरीर में इंजेक्ट कर दिया जाता तो कुछ ही मिनटों में मरीज का हार्ट रूक जाता है तथा उसकी निश्चित तौर से मृत्यु हो जाती है। जो साईलेन्ट हार्ट अटैक जैसी होती है।

ई-रिक्शा सहित दुपहिया वाहन चुराने वाले गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल जिला स्पेशल टीम (सीएसटी) ने बजाज नगर और मानसरोवर थाना इलाके में वाहन चोरों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए तीन वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपियों के पास से दो चुराए गए ई-रिक्शा सहित एक दुपहिया वाहन जब्त किया गया है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

- **दो चुराए गए ई-रिक्शा सहित एक दुपहिया वाहन जब्त**
- **फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।**

पुलिस उपायुक्त (अपराध) कुंदन कंवरिया ने बताया कि सीएसटी ने बजाज नगर और मानसरोवर थाना इलाके में वाहन चोरों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए शातिर चोर यशराज शर्मा निवासी आमेर रोड जयपुर ,रामबाबू जोशी निवासी भांकरोटा जयपुर और कुलदीप राव उर्फ गोलू निवासी भांकरोटा जयपुर को गिरफ्तार किया है। जिनके पास से पुलिस ने चोरी के दो ई-रिक्शा और एक दुपहिया वाहन (बाइक) जब्त की है। गिरफ्तार आरोपित वाहनों की रेकी करते है और फिर मौका पाकर वाहन चोरी कर ले जाते है। तीनों ही आरोपियों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज है। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें खुलने की आशंका जताई जा रही है।

सार-समाचार

संदीप कोठारी ने की पीएम मोदी से भेंट

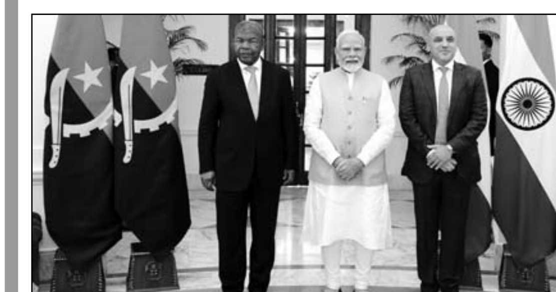

जयपुर। भगवान महावीर कैंसर हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के उपाध्यक्ष संदीप कोठारी की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं अंगोला के राष्ट्रपति जोआओ लोरेंको से नई दिल्ली में भेंट हुई। इस दौरान वैश्विक स्वास्थ्य चुनौतियों, विशेष रूप से कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों पर चर्चा के साथ ही मेडिकल टूरिज्म पर बात की गई। संदीप कोठारी ने बताया कि इस भेंट से भविष्य में गुणवत्तापूर्ण ऑन्कोलॉजी सेवाओं की सुलभता बढ़ाने हेतु अंतरराष्ट्रीय सहयोग के नए द्वार खुलने की संभावना प्रबल हुई है। बीएमसीएचआरसी का सदैव प्रयास रहा है कि वह कैंसर जैसी घातक बीमारियों के विरुद्ध लड़ाई में अग्रणी भूमिका निभाए। संदीप कोठारी की यह भेंट बीएमसीएचआरसी की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती पहचान और प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

डॉ.महेश मिश्रा सम्मानित

जयपुर। जयपुर के महात्मा गांधी अस्पताल मे श्वास रोग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ महेश मिश्रा को दिल्ली मे आयोजित इंडियन एसोसिएशन ऑफ ब्रोंकोलॉजी के 27 वार्षिक सम्मेलन मे प्रतिष्ठित फेलोशिप से सम्मानित किया गया है। यह फेलोशिप ब्रोंकोस्कोप के क्षेत्र अभिनव योगदान देने वालों को दी जाती है। ब्रोकोस्कोप से लंग्स की बीमारियों का निदान करके उपचार किया जाता है, जिनमे मुख्य लंग के कैंसर, विभिन्न तरह इन्फेक्शन जिनमे टीबी, निमोनिया, कफ का इकट्ठा होना जैसी बीमारिया शामिल है। इसके अलावा यह श्वांस नाली को बड़ा करने और स्टंट्स डालने के काम मे आता है। इस क्षेत्र मे महत्वपूर्ण योगदान के लिए डॉ मिश्रा को सम्मानित किया गया है।

आरना शर्मा विजेता बनीं

जयपुर। शहर की इंडिया इंटरनेशनल स्कूल की 8वीं कक्षा की आरना शर्मा यूएनएचआरसी श्रेणी में विजेता बनीं। आरना ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) समिति में हिस्सा लेते हुए वैश्विक स्तर पर लिंग आधारित हिंसा के महत्वपूर्ण मुद्दे को गहराई से उठाया। साथ ही उन्होंने असाधारण समझ और वाक्पटुता का प्रदर्शन किया। गौरतलब है कि शहर के विभिन्न स्कूलों के लगभग 250 प्रतिभाशाली युवा छात्रों ने बहुप्रतीक्षित एमयूएन जूनियर कार्यक्रम के दौरान महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों पर बहस में उत्साह से हिस्सा लिया था। बौद्धिक चर्चा और कूटनीतिक उत्साह के माहौल में आरना ने जटिल अंतरराष्ट्रीय मामलों के प्रति रुचि और गहरी समझ को दर्शाया। उनके व्यावहारिक विश्लेषण, सुस्पष्ट और व्यावहारिक समाधानों ने निर्णायक मंडल को गहराई से प्रभावित किया। एमयूएन जूनियर मंच ने युवा छात्रों को राजनयिकों की भूमिका निभाने, अपने शोध, सार्वजनिक बोलने और बातचीत कौशल को निखारने और वैश्विक चुनौतियों की गहरी समझ विकसित करने का अवसर प्रदान किया।

एसपीजी का मिलन समारोह आयोजित

जयपुर। सोसायटी फॉर पब्लिक ग्रिवांस, (एसपीजी), जयपुर के अध्यक्ष प्रो. बी. डी. रावत ने बताया कि संस्था द्वारा प्रतिवर्ष की भांति वार्षिक आम बैठक एवं मिलन समारोह का आयोजन किया गया। डॉ. गोविंद रावत (एडवोकेट), सचिव, एसपीजी, जयपुर ने बताया कि इस बैठक में नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। अब नई कार्यकारिणी का गठन कर दिया गया है। राजस्थान के प्रमुख समाज सेवी एल.एल.गुप्ता, द्रोपती देवी, किशन अवतार खंडेलवाल, माया देवी, अमित, अंकित, गुंजन रावत, गिर्राज देवी, विजय लक्ष्मी, प्रेमकांत, दक्षेश, दर्श, सोनल पटोदिया, अनुज, सीए प्रियंका कट्टा, हर्षित को नियुक्त किया गया। प्रो. बी. डी. रावत ने बताया कि एसपीजी पिछले 22 वर्षों से राजस्थान में सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, महिला सशक्तिकरण, बच्चों की शिक्षा के सुधार के लिए आक्रामक रूप से काम कर रहा है।

विद्यालय पहुंचा नया फर्नीचर

जयपुर। मानव सेवा ट्रस्ट राजस्थान ने नैक आरसीएम कंपनी के कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) कार्यक्रम के अंतर्गत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गोपालगढ़ को नये फर्नीचर एवं ग्रीन बोर्ड्स की सौगात दी है। इस पहल का उद्देश्य विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों को बेहतर शैक्षिणक वातावरण और सुविधाजनक बैठने की व्यवस्था प्रदान करना है।

डिशटीवी वॉचो का ओटीटी कंटेंट स्पेस अब सभी के लिए उपलब्ध

जयपुर। डिशटीवी इंडिया लिमिटेड ने अब अपने वॉचो ऐप पर एक एक्सक्लूसिव डिजिटल कंटेंट सेगमेंट "फ्लिक्स" लॉन्च करके ओटीटी स्पेस में क्रांति ला दी है। वेव्स 2025 में इस सेगमेंट का आधिकारिक तौर पर अनावरण हुआ। डिशटीवी की ओर से उठाया गया का यह कदम एक ऐसा विशेष इनोवेशन है जिसका उद्देश्य कंटेंट डिस्ट्रीब्यूशन को सभी के लिए उपलब्ध कराना है ताकि भारत के सभी कंटेंट क्रिएटर्स के साथ-साथ दुनिया भर के कंटेंट क्रिएटर्स को अपना कंटेंट प्रदर्शित करने और कमाई करने का मौका मिल सके।

मोबाइल चोर गैंग के दो शातिर बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। सिंधी कैंप थाना पुलिस ने बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन पर मोबाइल चोरी करने वाले चोर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये आरोपी भीड़भाड़ वाले स्थानों पर यात्रियों को धारदार हथियार दिखाकर डरा-धमकाकर मोबाइल और कीमती सामान चुराते थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चार स्मार्टफोन और एक धारदार कटर बरामद किया है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

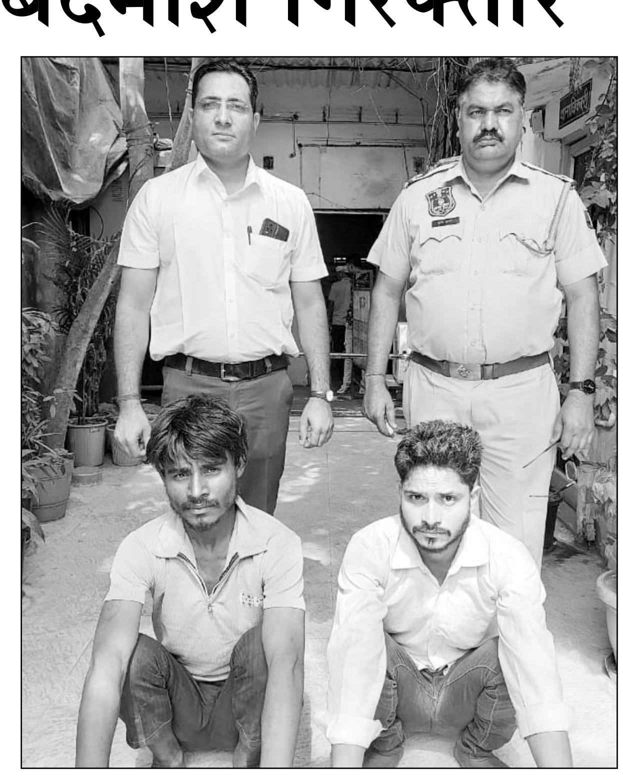

सिंधी कैंप थाना पुलिस ने बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन पर मोबाइल चोरी करने वाले दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम अमित कुमार ने बताया कि सिंधी कैंप थाना पुलिस ने बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन पर मोबाइल चोरी करने वाले चोर गिरोह आरोपी 24 वर्षीय ताहिर निवासी संजय कॉलोनी भट्टा बस्ती और 22 वर्षीय मोनू सिंह जैत मथुरा यूपी हाल सिरसी रोड बिंदायका को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक पूछताछ में दोनों आरोपियों ने कबूल किया कि वह बस स्टैंड व रेलवे स्टेशन के आसपास यात्रियों की नींद या असावधानी का फायदा उठाकर मोबाइल व अन्य कीमती सामान चोरी कर लेते हैं। विरोध करने पर नुकीले हथियार दिखाकर डराते हैं और भाग जाते हैं। आरोपियों के विरुद्ध विभिन्न थानों में पूर्व में भी दर्जनों आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। पुलिस अन्य मामलों की भी जांच कर रही है। (उपनिरीक्षक) थानाधिकारी श्याम सुन्दर ने बताया कि सिंधीकैम्प निवासी गुड्डू पेंटर ने थाने में मामला दर्ज करवाया था कि वह 4 मई की रात बस स्टैंड के वेटिंग रूम में सो रहा था। तभी 3-4 युवक वहां पहुंचे और उसके मोबाइल (रियलमी कंपनी) के साथ-साथ मोबाइल कवर में रखे 6 हजार रुपये चुरा लिए। जब उसने विरोध किया तो एक युवक ने उसके हाथ की अंगुली काट ली और लोहे का नुकीला हथियार दिखाकर जान से मारने की धमकी दी। आरोपियों ने ईयरफोन भी छीन लिया और भाग निकले। इस पर पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए एक विशेष टीम का गठन किया गया और फिर टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों ताहिर और मोनू सिंह को गिरफ्तार किया।

जयपुर सेंट्रल जेल में फिर मिला मोबाइल

जयपुर। लाल कोठी थाना इलाके में स्थित जयपुर सेंट्रल जेल में एक बार फिर मोबाइल मिलने का मामला सामने आया है। मोबाइल के साथ ही चार्जिंग केबल, चार्जर और ईयर फोन भी मिले हैं। इन्हें जब्त कर लिया गया है। मोबाइल मिलने की घटना के बाद जेल में हड़कंप मच गया। पूरे मामले को लेकर जेल प्रशासन ने थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस मामले की पड़ताल में जुटी है। लालकोठी थानाधिकारी बन्नालाल ने बताया कि जयपुर सेंट्रल जेल के प्रहरी की रिपोर्ट पर थाने में प्रिजनर्स एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। इसकी जांच की जा रही है।

थानाधिकारी बन्नालाल ने कहा कि जेल प्रहरी राजवीर सिंह ने इस घटना को लेकर थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। उन्होंने रिपोर्ट में बताया कि पांच मई की रात को गश्त के दौरान मोबाइल, चार्जर, चार्जिंग केबल और ईयर फोन मिले हैं।इन्हें जब्त कर लिया।

उन्होंने बताया कि जेल कर्मचारियों को गश्त के दौरान चार सफेद रंग की डाटा केबल, एक काले रंग की डाटा केबल, दो नग ईयर फोन, तीन सफेद रंग के चार्जर और एक मोबाइल (बैटरी सहित) मिले है।

घर में फैले करंट से एक बच्चे की मौत

जयपुर। कोटखावदा में घरों करंट फैलने से एक बच्चे की मौत हो गई। एक अन्य बच्चा झुलस गया। घटना के बाद ग्रामीणों ने शव को सड़क पर रखकर प्रदर्शन किया। इस पर जिला प्रशासन और पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे और किसी तरह परिजनों को समझा-बुझाया। इसके बाद परिजनों ने शव को उठाकर प्रदर्शन समाप्त कर दिया। परिजनों ने करीब 5 घंटे तक प्रदर्शन किया।

पुलिस के अनुसार घटना कोटखावदा के रूपाहेड़ी गांव स्थित गुणी तोड़ा की ढाणी में हाई वोल्टेज लाइन डीपी से टच हो गई। जिससे छह घरों में हाई वोल्टेज करंट फैल गया। हादसे में दो किशोर झुलस गए। जिनमें से एक की मौत हो गई। करंट दौड़ने से अनीशा सैनी (16) और दूल्हाराम (17) पुत्र धन्नालाल सैनी झुलस गए। दोनों को कोटखावदा सीएचसी ले जाया गया। गंभीर हालत में दूल्हाराम को जयपुर रेफर किया गया। रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। दूल्हाराम नौ बहनों में इकलौता भाई था। मृतक के चाचा ग्यारसी लाल ने बताया कि सीएचसी में ड्यूटी डॉक्टर नहीं मिलने से घायलों के इलाज के लिए काफी लंबे समय तक इंतजार करना पड़ा। बाद में दूल्हाराम को अस्पताल में मौजूद नर्सिंग अधिकारियों ने प्राथमिक उपचार देकर जयपुर रेफर किया। वहीं अनीशा को प्राथमिक उपचार कर छुट्टी दे दी गई। ग्रामीण शव रखकर कोटखावदा सीएचसी के सामने धरने पर बैठ गए है। लोगों ने डॉक्टर और बिजली विभाग के खिलाफ नारेबाजी की। सीएचसी के सामने चाकसू दौसा स्टेट हाईवे पर जाम लग गया। मौके पर कोटखावदा और चाकसू थाने का पुलिस जाप्ता तैनात किया गया है। ग्रामीण मृतक के परिजनों को 50 लाख,घायलों को 10 -10 लाख रुपए के मुआवजे, परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी, घटना के वक्त अस्पताल से गैर मौजूद डाक्टर्स को निलंबित करने और बिजली विभाग के लापरवाह अधिकारियों का निलंबित करने की मांग की थी। पुलिस और जिला प्रशासन के अधिकारियों ने परिजनों से समझाइश की। अधिकारियों के आश्वासन के बाद परिजनों ने धरना समाप्त कर दिया।

जेडीए ने दो स्थानों पर सैट बैक में अवैध निर्माण करने पर सील किया

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-9 में सैण्ट्रल स्पाईन, जगतपुरा के भूखण्ड संख्या 33 में सैटबैक बायलॉज का गंभीर उल्लंघन कर व्यवसायिक प्रयोजनार्थ किये गये अवैध निर्माण की पुख्ता सीलिंग की कार्यवाही की गई। साथ ही श्रीनाथ नगर के भूखण्ड संख्या 13 में सैटबैक बायलॉज का गंभीर उल्लंघन कर व्यवसायिक प्रयोजनार्थ किये गये अवैध निर्माण की पुख्ता सीलिंग की कार्यवाही की गई।

महानिरीक्षक पुलिस कैलाश चन्द्र विश्नोई ने बताया को जोन-9 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित सैण्ट्रल स्पाईन,जगतपुरा के भूखण्ड संख्या 33 में सैटबैक बायलॉज का गंभीर उल्लंघन कर व्यवसायिक प्रयोजनार्थ बेसमेन्ट 3 मंजिला 2 अवैध बिल्डिंग का निर्माण किये जाने पर निर्माणकर्ता को धारा 32, 33 जेडीए एक्ट के तहत नोटिस जारी कर अवैध निर्माण हटाने हेतु पाबंद किया गया था। परन्तु निर्माणकर्ता द्वारा अवैध निर्माण नहीं हटाने पर सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त कर धारा 34 (क) का नोटिस जारी कर आज उक्त व्यवसायिक अवैध बिल्डिंग के प्रवेष द्वारों इत्यादि को इंजीनियरिंग शाखा की मदद से शटर पर ताला सील चपडी लगाकर नियमानुसार पुख्ता सीलिंग की कार्यवाही की गई। जेडीए द्वारा जोन-9 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित श्रीनाथ नगर के भूखण्ड संख्या 13 में सैटबैक बायलॉज का गंभीर उल्लंघन कर व्यवसायिक प्रयोजनार्थ अवैध निर्माण किये जाने पर निर्माणकर्ता को धारा 32, 33 जेडीए एक्ट के तहत नोटिस जारी कर अवैध निर्माण हटाने हेतु पाबंद किया गया था। परन्तु निर्माणकर्ता द्वारा अवैध निर्माण नहीं हटाने पर सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त कर धारा 34 (क) का नोटिस जारी कर आज उक्त व्यवसायिक अवैध निर्माण के प्रवेष द्वारों इत्यादि को इंजीनियरिंग शाखा की मदद से ईटों की दीवारों से चुनवाकर नियमानुसार पुख्ता सीलिंग की कार्यवाही की गई।

उक्त कार्यवाहियां मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन आदर्श चौधरी के पर्यवेक्षण में उपनियंत्रक प्रवर्तन-चतुर्थ, प्रवर्तन अधिकारी जोन-9 तथा प्राधिकरण में उपलब्ध जाप्ते, लेबर गार्ड एवं जोन में पदस्थापित राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा सम्पादित की गई।

कुत्ते के टकराने से बाइक गिरी, सिर में चोट लगने से व्यक्ति की मौत

जयपुर। अशोक नगर थाना इलाके में स्थित भाजपा कार्यालय के पास सोमवार देर रात कुत्ते से टकराकर बाइक गिर गई। इस हादसे में बाइक सवार व्यक्ति की मौत हो गई। जांच में सामने आया कि बाइक सवार ने हेलमेट नहीं पहना हुआ था और हादसे में उसके सिर में गंभीर चोट आई थी। मामले की जांच दुर्घटना थाना पुलिस साउथ कर रही है।

पुलिस के अनुसार 22 गोदाम मस्जिद के पीछे सी स्कीम निवासी 48 वर्षीय शेख मोहम्मद सलीम अहमदाबाद में प्राइवेट नौकरी करता था। वह रात को अपने घर से चौमू हाउस कोई सामान लेने जा रहा था। जहां भाजपा कार्यालय के पास उसकी बाइक के सामने कुत्ता आ गया। कुत्ता से टकराकर उसकी बाइक गिर गई। सलीम सड़क पर सिर के बल गिर गया और उसके सिर में गंभीर चोट आ गई। घायल अवस्था में उसे अस्पताल ले जाया गया। जहां पर उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। मृग इत्तला पर थाना पुलिस एसएमएस अस्पताल पहुंची और शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दी।

जांच अधिकारी एसआई राजेंद्र सिंह ने बताया कि शेख मोहम्मद बाइक लेकर बाजार जा रहा था अचानक सामने आए कुत्ते से टकराकर उसकी बाइक गिर गई। इससे उसके सिर में गंभीर चोट आई थी। अगर उसने हेलमेट पहना होता तो उसके सिर में गंभीर चोट नहीं आती। ऐसे में आमजन को दुपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट जरूर पहनना चाहिए।

चलती ट्रेवलर बस में लगी आग

जयपुर। दौलतपुरा थाना इलाके में मंगलवार शाम हाईवे में एक चलती ट्रैवलर बस में अचानक आग लग गई। समय रहते चालक व उसके साथी ने ट्रैवलर बस से कूद कर जान दे दी। आग ने कुछ ही समय में पूरी बस को चपेट में ले लिया। आग से बस पूरी तरह से जलकर खाक हो गई। सूचना पर मौके पर पहुंच दमकल ने आग पर काबू पाया।

चोरों ने घर पर किया हाथ साफ

जयपुर। दौलतपुरा थाना इलाके में चोर एक सूने मकान में घुसकर बदमाश लाखों रुपए के सोने-चांदी के जेवरात सहित नकदी चोरी कर ले गए। बताया जा रहा है कि परिवार के सवामणी में गया था। इस दौरान चोर मेन गेट का लॉक तोड़कर घर में घुसे। पुलिस वारदातस्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेजों को खंगालने के साथ चोरों की तलाश कर रही है। पुलिस ने बताया कि गणेश विहार में रहने वाले राजेश सिंह ने मामला दर्ज करवाया है कि एक मई को वह परिवार सहित सवामणी में गए थे। पीछे से चोरों ने चोरी की नीयत से सूने घर को निशाना बना कर लॉक तोड़कर अंदर घुसे। अलमारी व बक्सों के लॉक तोड़कर उसमें रखे सोने-चांदी के जेवरात और 75 हजार रुपए चोरी कर ले गए।

शेयर मार्केट में नौकरी दिलाने के नाम पर लूटपाट करने वाले गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल जिला स्पेशल टीम (सीएसटी) ने सिंधी कैंप थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए शेयर मार्केट में नौकरी दिलाने के नाम पर अपहरण कर लूटपाट करने वाले दो बदमाशों को धर-दबोचा है। जिसमें एक सदर थाना हिस्ट्रीशीटर है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त (अपराध) कुंदन कंवरिया ने बताया कि सीएसटी ने सिंधी कैंप थाना इलाके में लूटपाट की वारदात करने वाले सोहेल खान उर्फ गुरु उर्फ सोहेल हसनपुरा निवासी सदर जयपुर और मानवेंद्र सिंह निवासी शास्त्री नगर जयपुर को गिरफ्तार किया है। जिसमें सोहेल खान सदर थाना हिस्ट्रीशीटर है। दोनो ही आरोपियों के खिलाफ कई थानों में आपराधिक मामले दर्ज है।

जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल जिला टीम ने सिंधी कैंप थाना इलाके में शेयर मार्केट में नौकरी दिलाने के नाम पर अपहरण कर लूटपाट करने वाले दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है।

गौरतलब है कि सिंधी कैंप थाने में 22 नवम्बर 2024 को परिवादी समीर खान निवासी चुरू ने मामला दर्ज कराया था कि 14 नवम्बर 2024 को श्याम नामक व्यक्ति ने शेयर मार्केट में नौकरी दिलाने का मैसेज किया।

जिस पर वह वह अपने दो दोस्तों के साथ 20 नवम्बर को जयपुर आया। जहां सिन्धी कैम्प थाने के पास से श्याम नामक व्यक्ति ने उनको गांडी में बैठा कर दौलतपुरा टोल की तरफ सुनसान जगह लेकर गये। वहां उनके 10-15 साथी और आ गए। जिन्होंने डरा धमका कर उनके रुपये छीन लिए और साथ ही जान से मारने की धमकी देकर घर से 4 लाख 50 हजार रुपये की यूएसडीटी करवा ली। इसके बाद जान से मारने की धमकी देकर छोड फरार हो गए। जिस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों को चिन्हित करते हुए पकडा।

ARBIT it happens here...

राष्ट्रदूत
WEDNESDAY
07 May 2025
A-B

Honouring the Unsung Heroes of Communication: Interpreter Appreciation Day

Observed annually on the first Wednesday of May, Interpreter Appreciation Day celebrates the vital role interpreters play in bridging language gaps across various sectors, including healthcare, legal, and community services. In 2025, it falls on May 7. Established in 2013 by Joshua Jones, a deaf-blind advocate, the day acknowledges the dedication and skill of interpreters who facilitate clear and accurate communication, ensuring inclusivity and understanding in our diverse society. Whether through spoken languages or sign language, interpreters are essential in connecting people and fostering meaningful interactions across linguistic and cultural boundaries.

#UNPLUGGED

Rediscover Life Offline

Screen-Free Week 2025 (May 5-11) invites you to unplug and reconnect, are you in?

In a world where scrolling, streaming, and swiping are second nature, Screen-Free Week comes as a breath of fresh air. Celebrated this year from May 5 to May 11, the global initiative encourages people of all ages to switch off their screens and switch on real-life experiences. Whether you're a student, professional, parent, or teen, you probably spend more time than you'd like on your phone or laptop. But what if, just for one week, you paused the pings, muted the notifications, and rediscovered the world beyond the screen?

What's Screen-Free Week All About?

Started in 1994 as TV-Turnoff Week and rebranded in 2010 to reflect the rise of smartphones, tablets, and streaming services, Screen-Free Week is now a global movement. It's not about giving up tech forever, it's about finding balance, rekindling creativity, and spending intentional time away from digital distractions.

Why Go Screen-Free?

Here's what a week without screens can gift you!

Better Sleep - No more blue light before bed.

More Focus - Say goodbye to constant multitasking.

Stronger Relationships - More face time, less FaceTime.

Mental Clarity - Create space for quiet reflection.

Joy in Simplicity - Remember how fun a board game can be?

Ask yourself: When was the last time you read a book without checking your phone? Or had dinner without a screen nearby?

Fun Ideas to Try (No WiFi Required!)

Not sure how to spend your screen-free hours? Try these!

- Picnic in the park
- Paint or draw something, just for fun
- Read that book you've been meaning to start
- Play a board game with family
- Cook a new recipe from scratch
- Try yoga or meditation without an app
- Write a handwritten letter to a friend

Tip: Make a list of screen-free activities and stick it on the fridge for the whole family!

How to Make It Work

Unplugging doesn't have to be all or nothing. Here's how to ease into Screen-Free Week!

- Set daily screen-free hours.
- Create tech-free zones at home (like the dinner table or bedroom).
- Inform your circle, let them know you're unplugging.
- Plan ahead so that you're not tempted to reach for your device out of boredom.

Pro tip: Turn off non-essential notifications or use 'Do Not Disturb' mode for a head start.

Beyond the Week: Creating Lasting Balance

After Screen-Free Week ends, reflect on how it felt. Which activities did you love? What surprised you? Carry forward what worked and slowly build healthier tech habits into your everyday routine. It's not about ditching screens, it's about not letting them run your life.

So, are you up for the challenge?

This May 5-11, unplug to reconnect, with yourself, your people, and your passions. The screen can wait, real life is calling.

The Story Of Kashmir Waiting To Be Told

Farooq with Paran and Dulat at our 50th wedding anniversary.

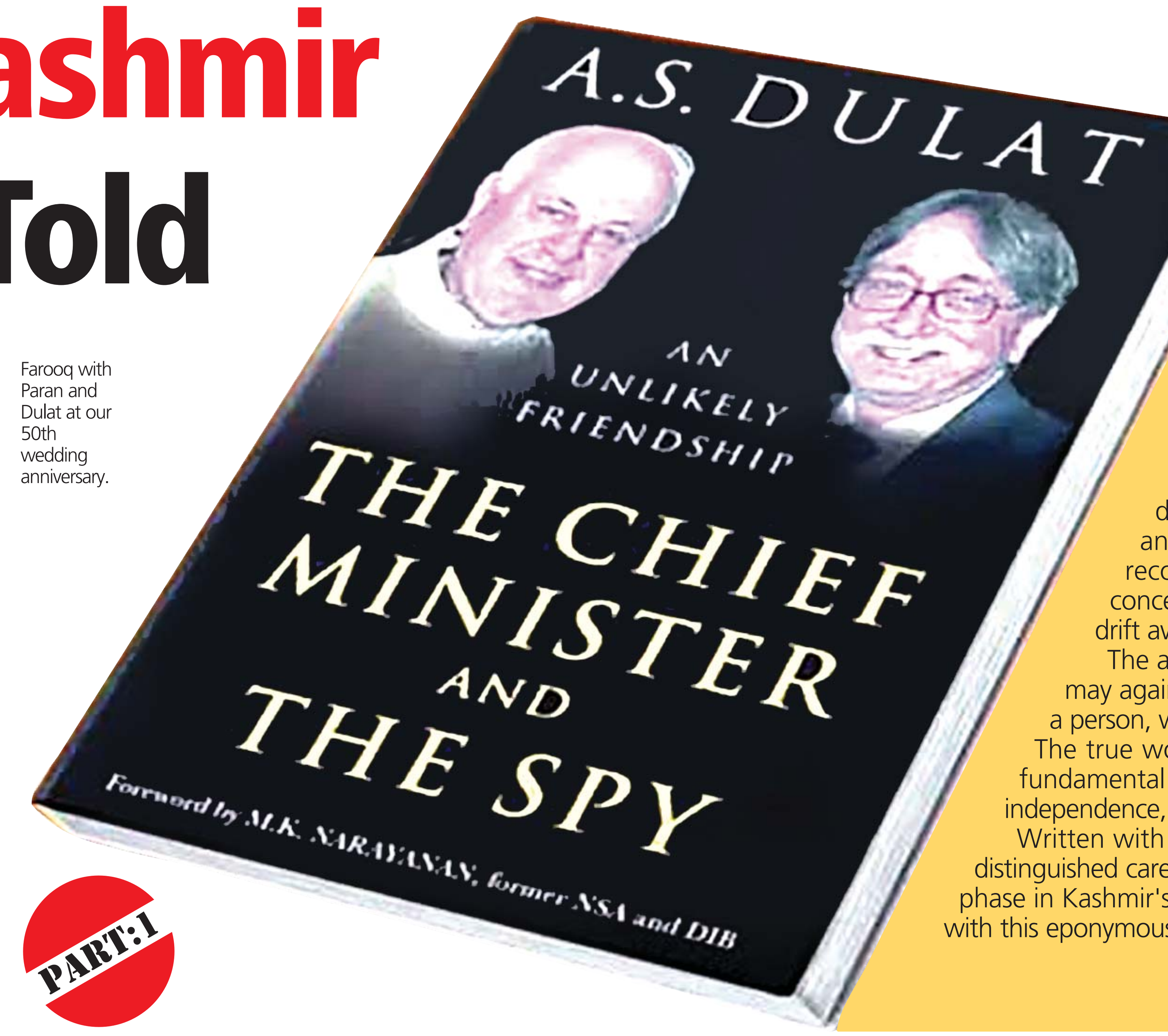

FAROOQ WENT A STEP FURTHER AND OFFERED HIS OWN HELICOPTER TO DULAT'S SISTER TO FLY ADITYA TO DELHI IF SHE PREFERRED. HOWEVER, POMA, DULAT'S SISTER, DECLINED, EXPRESSING HER FULL FAITH IN THE KASHMIRI DOCTORS AT SOURA.

This is a fascinating account of Kashmir, written by one who is not merely an expert but, more importantly, whose emotional attachment to Kashmir and with the mercurial Dr. Farooq Abdullah is, perhaps, unrivalled.

On one level, this is an honest and unvarnished account of events that have taken place in Kashmir since the 1980s to the present, but what is more fascinating is that it is an insider's account, unrivalled in terms of understanding the forces at work during a very turbulent period.

The author's sympathetic portrayal of Dr. Farooq Abdullah as a 'colossus' who dominated the course of many, if not most, events in Kashmir is closest to the truth and reality than most other portrayals. The true merit of the work, though, lies in recognizing the centrality of Dr. Abdullah's role as far as contemporary Kashmir is concerned, and also how critical Dr. Abdullah's role was in ensuring that Kashmir did not drift away from India.

The author's reference to Dr. Abdullah as the tallest of the modern-day Kashmiri leaders may again attract criticism from many, but it is the unvarnished truth and is acknowledged by a person, who is among the very few in the world who can be considered an expert on Kashmir.

The true worth of this book, written in conversation style, is how the narrative brings out a fundamental truth, that notwithstanding several other problems that India has had to face since independence, Kashmir is probably the most complex and enduring.

Written with empathy and sympathy, but 'seeing with the mind's eye,' the author, who has a distinguished career in intelligence over several decades, has provided an insightful account of a chaotic phase in Kashmir's modern history. Few accounts of similar situations across the world quite compare with this eponymous work.

-M. K. Narayanan, former National Security Adviser to the Government of India

Rajesh Sharma

(Text is based on the conversations with A. S. Dulat)

Last month, on the night of 15th April, there was a book launch of A. S. Dulat's latest book, *The Chief Minister and The Spy,* at the India International Centre. This was Mr. Dulat's sixth book in the last ten years, and every of his book launch in India or London had done well.

Farooq's absence at the book launch became more glaring when, as Dulat recalls, in May 2024, he flew down to Delhi for the launch of Dulat's book *Covered Covert* at the India International Centre (IIC). It was on the day that Omar's constituency in Baramulla went to the polls for the parliamentary elections. At first, Dulat had been unsure that Farooq would come.

"No, no, of course, I will come," he assured. "It is Omar's election, ours in Srinagar is already over."

But it is reported that the book launch at IIC lacked all the exuberance and gaiety that always marked the book events of Dulat's books. About 15 to 17 people were present, and the atmosphere was sombre. People were mostly professional colleagues, there more as a corps-de-spirit than celebrating a triumph. Most, explaining Farooq Abdullah's absence, wrote with a sense of regret, framing their words in hushed tones: "Why did he do it? Why did he write the book?"

Farooq put a stamp of approval on this feeling by putting out a statement in the press a few days later: "A. Dulat is a friend, he shouldn't have written this book!"

Dulat, however, says that when he began thinking of writing this, he talked it over with Doctor Sahib (as Dr. Farooq Abdullah is more commonly known in Kashmir). In fact, they spoke about it umpteen times. He never said no, but there was never a clear 'yes' until the summer of 2004, when Dulat finally began writing it.

"Karo, na," he said. (Go ahead.)

At the launch of the book, Kashmir: The Vajpayee Years, in 2015.

It was a response typical of the man. Doctor Sahib could be both reticent and forthcoming, depending on the time, place, and mood. That is why, rather than a biography, Dulat likes to think of it as a story.

One that had been wanting to be told ever since he first met Doctor Sahib in the winter of 1987.

In October that year, Dulat had received a call from his friend. According to Dulat, at the very first time he heard of Farooq Abdullah, he had probably entered into a political accord with Rajiv Gandhi in December 1986. At that time, Dulat was on an assignment as the security officer for a presidential visit to Belgrade.

One morning, Romesh Bhanderi, the secretary travelling with President Giani Zail Singh, excitedly brought a copy of The Times of India and exclaimed, "Dekho Giani ji ki khabar aayi hai."

The news was, of course, the signing of the accord between Farooq and Rajiv.

Giani responded to this accord with typical fatalism, "This is the beginning of the end of Farooq Abdullah."

But like many others, according to Dulat, who tried to estimate where Farooq stood on the great political chessboard that is Kashmir, he was wrong.

According to Dulat, the subtitle of the book refers to 'an unlikely friendship,' not friendship in its truest sense, which implies that you are on intimate terms with another person.

Dulat says that in the three decades he had known Farooq, he couldn't say with confidence that he truly knew him. "You see, he is the enigma of Doctor Sahib."

Anyway, as the story goes, in November 1986, the Rajiv-Farooq accord was signed as a roadmap to stabilizing the state, and Rajiv had Farooq installed as Chief Minister in Srinagar, after removing the then Chief Minister, Gul Shah. On 23rd March 1987, elections were held in the state. Conducted only four months after Farooq had been appointed Chief Minister, it is widely believed that the elections were rigged in order to prevent Delhi from losing control of Kashmir. The contestants were Congress, National Conference, and Muslim United Front (M.U.F.). By all accounts, MUF leader Mohammed Yusuf Shah had won. Disillusioned, he took the name Sayed Salahuddin and went to lead the rigid Mujahideen. Yasin went to lead the J.K.L.F.

#A.S. DULAT

In the spring of 1987, the turnout in the valley was massive. As counting progressed, it became apparent that Sayed Salahuddin was way ahead of his opponent, Ghulam Mohiuddin Shah of the N.C. With Salahuddin's lead growing by the hour, Mohiuddin left the counting centre thoroughly disappointed. However, he was soon called back and declared the winner of the Assembly seat by 4,289 votes.

The backlash was immediate and vicious. The so-called rigging of the 1987 election became the focus of a bloodbath that rocked Kashmir. With the shadow of these stormy elections still over Kashmir, Dulat was advised by IB headquarters to visit Srinagar on a recce before his predecessor left on his new assignment.

Before leaving for Srinagar, Dulat was called by I.B. Director M.K. Narayan and told, "Please make sure Dr. Farooq is kept in good humour, our relationship with him is okay and he is on our side. Please, see to that."

It was puzzling because it was something he had also heard from Chief Minister Arjun Singh, when he had gone to say goodbye before shifting to his new posting in Srinagar. Arjun Singh had said, "Doctor Sahib is a nationalist and our best bet, so stay close to him."

With this background, Dulat was introduced to Farooq at the farewell tea party of his predecessor. "I shook hands with Doctor Sahib and then sat quietly in a corner." Farooq appeared to take absolutely no notice of Dulat, and as Dulat wrote, to be fair to Farooq, why should he have noticed a young fellow on his first posting to Kashmir?

Farooq in a thoughtful mood at Dulat's residence in December 2024.

It was only later he realised that even though Doctor Sahib appeared not to notice anything, in reality, he noticed everything. It was a quality that kept even the laziest of Dulat's tribe alert. "You never knew what Doctor Sahib was observing and how he would bring it to your notice at a time of his choosing."

Dulat's first task as I.B.'s station-in-charge in Srinagar was to gain a meeting with Farooq. Farooq had been playing hard to get for a few weeks since Dulat's arrival. In time, Dulat learned that this was part of Farooq's style of dealing with people.

Finally, a call came summoning Dulat to his official residence. Even more apprehensive, Dulat asked his colleagues what he should address him as when he met him. Should he call him Farooq Sahib or Dr. Abdullah?

Then, a secretary and security advisor to the Chief Minister, O.P. Butani, came up with, "He is known as Doctor Sahib. That would be good enough."

So, Dulat went to meet Farooq, armed with just his colloquial nickname and scraps of information about the man himself. When Dulat arrived at Doctor Sahib's home on Gupkar Road, he was already out of the house, heading towards his car with an impatient air.

Dulat was taken aback. "Didn't we have an appointment?"

"Come on," he said brusquely, registering Dulat's question. "Hop into the car with me. We will talk on the way."

"Where are we going?"

"To the airport," as it turned out. Farooq had a flight to Delhi.

Dulat writes, "I have forgotten what we talked about that day." But he discovered on that scenic drive that Farooq loved to be behind the wheel of a car. It was a pleasant way to start an acquaintance, albeit a trifle unusual.

As they neared the airport, Farooq glanced at Dulat and said, "I am coming back in a few days and we will meet again."

Dulat went back to the office, wondering what sort of unconventional interaction this was. Chief Ministers did not frequently command the IB head to hop into a car on the way to the airport, nor did they care to drive themselves.

But these were still the early days, and Dulat wasn't quite used to flinging protocol out of the window in his interactions with Farooq. So, he phoned him and requested time when his wife and he could call on him.

Farooq immediately disarmed him. "What is this all-on-one business?" he demanded. "Come and have a meal with us at home."

Dinner at the Abdullah home soon became a regular part of Dulat and his wife's life. The food was always superb, and they soon got to know Mollie, Farooq's wife.

She was intelligent, attractive and restful. Mollie came from a working-class family in Suffolk. Her father worked for a transport company, her brother had joined the Royal Air Force, and her sister taught at a school. They were traditional English folks with a quiet, sturdy characteristic that defined them.

From the start, Dulat and his wife liked Mollie very much. She was English to her tips, though she wore her salwar kameez beautifully, merging perfectly with the Abdullah family.

"Would you like a drink?" Farooq asked as soon as Dulat and his wife arrived for their first meal and the inevitable pleasantries were over.

Dulat was a bit startled at the prospect of a Chief Minister offering him, the local head of IB, a drink but decided to go with the flow.

"If you are having a drink, I don't mind one."

"Yes, of course, I think I'll have a drink," he said, beginning to pour them both one.

And so it was. Farooq and Dulat had a drink, dined, and talked about many different things. It was the first of many such meetings, and it opened the doors to a friendship that lasted three decades.

What also strengthened their bond was the friendship between Dulat's wife, Paran, and Mollie. They spent a lot of time together while Dulat was at work. Paran had no special friends in Srinagar, so, Mollie became a comforting and close companion.

Doctor Sahib was also very caring towards Dulat's family. He often went out of his way to help them, not as a favour, but as a natural extension of his warmth. This trait was evident during a particularly difficult time when Dulat contracted COVID. Though the attack was mild, Paran insisted he be admitted to the hospital. Dulat was reluctant and even caused a minor fuss. Concerned, Paran rang Farooq and said, "Look at how your friend is behaving. Please speak to him."

Doctor Sahib did not hesitate. He called Dulat and in his familiar, reassuring tone said, "Come along, you must focus on getting better. Between us and Allah, we will have you out of there in no time."

True to his word, Farooq kept in touch and called Dulat every morning without fail. "Arrey, kya haal hai?" he would ask. "Take your medicines and rest. Don't worry about anything." Dulat was touched by these small but meaningful gestures of friendship and care.

Another incident that remains etched in Dulat's memory was when his sister and her family came to visit. His son was also home for the holidays, and together with the cousins, they formed a lively, youthful group. One night, four of them decided spontaneously to drive to Pahalgam after dinner. However, near Pampore, they realized it was too far and decided to turn back. On their way, the car spun out of control, turned turtle, and Dulat's nephew Aditya bore the brunt of the accident.

Being new to Srinagar, Dulat was unsure whom to turn to. Paran, however, walked across to Doctor Sahib's lane to seek help from Mollie. Instead, she met Farooq at the gate. Without hesitation, he calmed her and advised that Aditya be transferred to the Soura Medical Institute, Srinagar's equivalent of AIIMS, where he assured her that the doctors would take good care of him.

Aditya, who had suffered serious injuries, regained consciousness after two days. Farooq went a step further and offered his own helicopter to Dulat's sister to fly Aditya to Delhi if she preferred. However, Poma, Dulat's sister, declined, expressing her full faith in the Kashmiri doctors at Soura.

To this day, Dulat says that Poma has not forgotten that moment. For her, Farooq, more than even the skilled doctors, was the man who saved her son's life. Farooq, too, never forgot Aditya. He continued to inquire about him at every opportunity, and years later, he attended Aditya's wedding, a gesture that Dulat and his family remember with deep gratitude.

To be continued...

rajeshsharma1049@gmail.com

Dulat with Farooq.

THE WALL

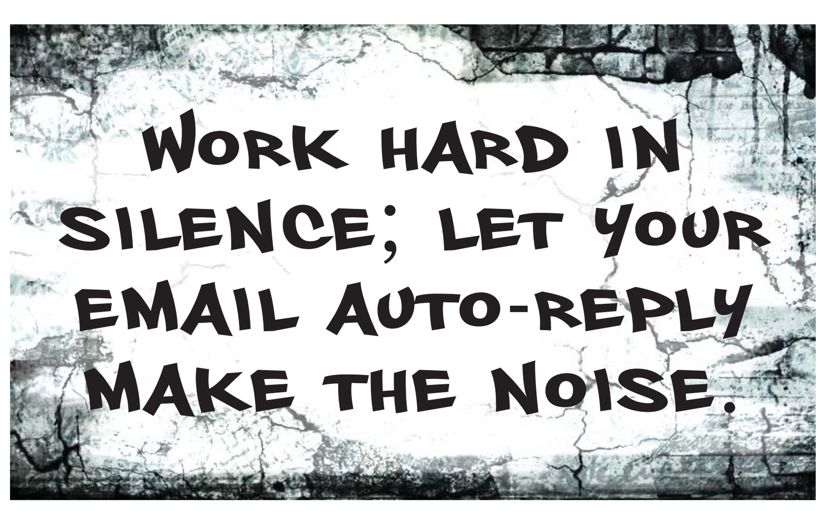

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

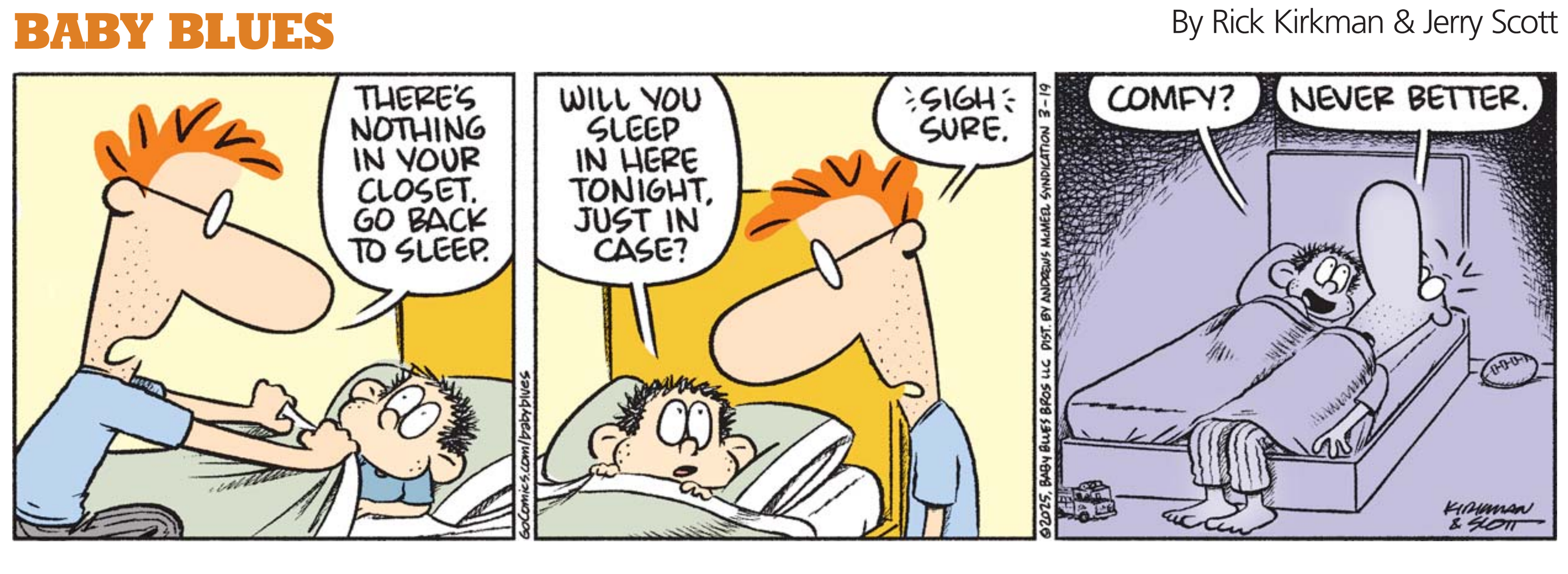

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

वारदात अंजाम देने से पहले हथियार सहित तीन बदमाश गिरफ्तार

पुलिस ने आरोपियों के पास से एक पिस्टल, छह जिंदा कारतूस और एक जीप बरामद की

अजमेर, (कासं)। हरिभाऊ उपाध्याय नगर थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए वारदात अंजाम देने से पहले हथियारों से लैस तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से एक पिस्टल, छह जिंदा कारतूस और एक जीप बरामद की गई है। पुलिस पूछताछ में मुख्य आरोपी भूपेंद्र सिंह खरवा खुद को कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य बताता है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

सीओ रूद्रप्रकाश शर्मा ने बताया कि जिला स्पेशल टीम को सूचना मिली थी कि हरिभाऊ उपाध्याय थाना क्षेत्र में कुछ बदमाश हथियारों के साथ घूम रहे हैं। इस पर पुलिस टीम ने पुष्कर घाटी पर नाकाबंदी की और एक संदिग्ध जीप को रोका। तलाशी लेने पर थार जीप से एक पिस्टल और छह कारतूस बरामद हुए। जीप में सवार तीनों युवक पुलिस को कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। शक के आधार पर पुलिस ने मौके से तीनों को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस और जिला स्पेशल टीम ने बदमाशों को गिरफ्तार किया।

तीनों बदमाशों के खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज :- सीओ शर्मा ने बताया कि गिरफ्तार बदमाशों में ब्यावर निवासी भूपेंद्र सिंह खरवा, आदर्श नगर निवासी दीपक रावत और पीसांगन निवासी आदेश चौधरी हैं।

पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि आरोपी पुष्कर की ओर जा रहे थे और हथियारों की सप्लाई से जुड़े हैं। जानकारी में सामने आया है कि बदामशों द्वारा हथियार जवाजा से खरीदे गए थे। गिरफ्तार तीनों आरोपियों के खिलाफ पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। करीब पांच महीने पहले भी इन तीनों को मध्य प्रदेश पुलिस ने हथियारों के साथ गिरफ्तार किया था।

- **पुलिस पूछताछ में मुख्य आरोपी भूपेंद्र सिंह खरवा ने खुद को कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य बताया**
- **करीब पांच महीने पहले भी इन तीनों को मध्य प्रदेश पुलिस ने हथियारों के साथ गिरफ्तार किया था**

लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े तार :- सूत्रों के अनुसार भूपेंद्र सिंह खरवा का जुड़ाव सीधे तौर पर लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से है। भूपेंद्र पर इस गिरोह को हथियार सप्लाई करने का आरोप है। बताया जाता है कि वह वर्ष 2017 में पंजाब की एक जेल में अफीम तस्करी के मामले में बंद था, जहां उसकी मुलाकात लॉरेंस से हुई थी। इसके बाद से ही वह गिरोह के लिए काम करने लगा। पुलिस ने तीनों आरोपियों को रिमांड पर लेकर गहन पूछताछ शुरू कर दी है। हैड कांस्टेबल सीताराम और कांस्टेबल रामनिवास की भूमिका महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि इन बदमाशों के तार कहीं किसी बड़ी साजिश से तो नहीं जुड़े हैं।

नगर परिषद प्रशासन ने पुष्कर सरोवर में चार फव्वारे लगाए

फव्वारे पुष्कर सरोवर के मछलियां समेत जलीय जंतु के लिए जीवन देना वाला साबित हो रहे हैं

पुष्कर सरोवर में ऑक्सीजन लेवल एवं जल स्तर बढ़ाने के लिए फव्वारे लगाए गए हैं।

पुष्कर, (निसं)। बढ़ती तेज गर्मी को देखते हुए पुष्कर नगर परिषद प्रशासन ने पुष्कर सरोवर की तीन बन्द पड़े बोरिंग को चालू करवाकर तकनीकी प्रयोग के माध्यम से पानी के बड़े लंबे पाइप में छेद करके कम खर्च में ऑक्सीजन कंप्रेसर फव्वारे लगाए हैं। ये फव्वारे पुष्कर सरोवर के मछलियां समेत जलीय जंतु के लिए जीवन देना वाला साबित हो रहे हैं।

जानकारी के अनुसार पुष्कर नगर परिषद आयुक्त जनार्दन शर्मा ने बढ़ती तेज गर्मी को ध्यान में रखते हुए पुष्कर सरोवर की मछलियों एव जलीय जन्तुओं को बचाने के लिए पुष्कर सरोवर के जल स्तर को बनाए रखने के लिए सप्त ऋषि घाट, जयपुर घाट और गुर्जर घाट पर बंद पड़े बोरिंगों को चालू करवाते हुए सरोवर का ऑक्सीजन लेवल बढ़ाने के लिए तकनीकी अधिकारियों से बात की, जिस पर सफाई निरीक्षक लोकेन्द्र सिंह द्वारा प्लंबर की सहायता से प्रेशर से बोरिंग के में छेद वाले बड़े पाइप फिट कर दिए जिससे बोरिंग का पानी प्रेशर से आने के चलते फव्वारे के माध्यम से सरोवर में जल गिर रहा है और पुष्कर सरोवर का ऑक्सीजन लेवल भी बढ़ रहा है और यह कम खर्चे में कंप्रेसर पाइप बन गया है जिससे पुष्कर सरोवर की मछलियां एवंजलीय जन्तुओं के लिए वरदान साबित हो रहा है। वहीं पुष्कर नगर परिषद प्रशासन ने गत महीने पहले पुष्कर सरोवर का ऑक्सीजन लेवल बढ़ाने के लिए पांच कंप्रेसर ऑक्सीजन फव्वारे लगवाए थे। पांच कंप्रेशर अब नगर परिषद प्रशासन की देखरेख में चल रहे हैं जिससे भी लगातार पुष्कर सरोवर के जलीय जंतुओं को आक्सीजन देने के कार्य में जुटा हुआ है। नगर परिषद प्रशासन की ओर से कंप्रेसर फव्वारे की देखरेख के लिए चार कर्मचारी रखरखाव के लिए लगा रखे हैं।

मंदिर से अष्टधातु की राधा-कृष्ण की मूर्तियां चोरी

बबाई थाना क्षेत्र के कांकरिया गांव में मंदिर से चोर मुर्तियां चुराकर ले गये।

खेतड़ी, (निसं)। बबाई थाना क्षेत्र के कांकरिया गांव में मुख्य सड़क किनारे स्थित ठाकुरजी मंदिर में चोरों ने वारदात को अंजाम दिया है। चोर मंदिर से अष्टधातु की राधा-कृष्ण की प्राचीन मूर्तियां चोरी कर ले गए। घटना के बाद मंदिर के बाहर ग्रामीण एकत्रित हो गए तथा घटना की जानकारी पुलिस को दी गई।

मंदिर पुजारी यादराम ने बताया कि गांव में बना ठाकुरजी का मंदिर काफी समय पुराना है, जिसमें अष्टधातु की प्राचीन मूर्तियां स्थापित थी। मूर्तियों की ऊंचाई करीब डेढ़ फीट और वजन लगभग पांच किलो है। इनकी कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है। मंदिर में ये मूर्तियां काफी वर्ष पहले स्थापित की गई थी। चोरी की सूचना मिलते ही बबाई थाना प्रभारी कैलाश चंद्र मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का मौका मुआयना किया। मंदिर के पास ही संत परमानंद महाराज का स्थान है। यहां 6 मई को जागरण और 7 मई को मेला प्रस्तावित है। ग्रामीणों ने बताया कि मेले की तैयारियों के चलते मंदिर की मरम्मत चल रही थी। इसी कारण मंदिर का दरवाजा खुला हुआ था। इस संबंध में मंदिर के पुजारी यादराम स्वामी ने थाने में रिपोर्ट दी कि वह शाम पूजा के बाद रात करीब साढ़े आठ बजे वे घर चले गए थे। सुबह छह बजे जब पूजा के लिए मंदिर पहुंचे तो मूर्तियां गायब थीं। उन्होंने तुरंत गांव वालों को सूचना दी। घटना की जांच के लिए देवस्थान विभाग की टीम को भी सूचना दी गई है। मंदिर परिसर में कोई दरवाजा टूटा नहीं मिला। घटना के समय मंदिर में न पुजारी मौजूद था, न ही कोई चौकीदार था। थानाधिकारी कैलाश चंद ने बताया कि पुजारी की ओर से दी गई रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर लिया गया है, पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है। इसके अलावा संदिग्ध लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

- **घटना के बाद मंदिर के बाहर ग्रामीण एकत्रित हुए, पुलिस मौके पर पहुंची**

बुजुर्ग को घर से बाहर निकाल लाठियों से पीटा

पाली, (निसं.)। पाली में एक बुजुर्ग पर कुछ लोगों ने हमला कर दिया, उसे बुरी तरह पीटा। घायल बुजुर्ग का कसूर सिर्फ इतना था कि उन्होंने गांव में एक शादी समारोह में अफीम की मनुहार किए जाने की शिकायत पुलिस-प्रशासन को दी थी। इससे नाराज लोगों ने शादी समारोह सम्पन्न होने के बाद बुजुर्ग को घर जाकर पीटा, जिससे वह घायल हो गया और उपचार के लिए उसे पाली के बांगड़ हॉस्पिटल में भर्ती करवाया।

पाली के बांगड़ हॉस्पिटल में भर्ती घायल बुजुर्ग चिमनाराम (62) पुत्र स्वरूपराम ने बताया कि वह सिरियारी थाना क्षेत्र के बेरा निम्बड़िया (चेलावास) गांव में रहता है। 11 अप्रैल को गांव में शादी हुई, जिसमें अफीम की मनुहार हुई। इसकी जानकारी उसने पुलिस-प्रशासन को दी। इससे नाराज होकर उसके परिवार के लोगों ने कुछ ग्रामीणों के साथ मिलकर उस पर हमला कर दिया और घर से बाहर निकालकर लाठियों से पीटा, जिससे वह घायल हो गया। अपने साथ हुई घटना को लेकर उसने पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

- **घायल बुजुर्ग को उपचार के लिए पाली के बांगड़ हॉस्पिटल में भर्ती करवाया है**
- **शादी समारोह में अफीम की मनुहार की पुलिस से शिकायत करने पर मारपीट की**

कार में बैठी सैलानी युवती ने 70 साल के बुजुर्ग को फंसाया

जैसलमेर, (नि.सं.)। जिले के सरहदी तनोट थाना क्षेत्र में सैलानी ने भेड़-बकरी चराने वाले 70 वर्षीय बुजुर्ग को बहला फुसलाकर अश्लील हरकतें की, जिसका शर्मनाक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। ग्रामीणों ने प्रशासन से पर्यटक स्थलों पर आ रहे ऐसे अश्लील लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

गौरतलब है कि जैसलमेर घूमने आई महिला ने न सिर्फ बुजुर्ग के साथ अश्लील वीडियो वेबसाइट पर अपलोड किया है। साथ ही सोशल मीडिया के विभिन प्लेटफॉर्म पर जैसलमेर के पर्यटन स्थलों पर नग्न तस्वीरें भी खींच कर पोस्ट की है। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद जिले की तनोट थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अनावश्यक वीडियो वायरल नहीं करें। फिर भी यदि किसी के द्वारा उक्त वीडियो वायरल करने की जानकारी मिलती है तो इसकी सूचना पुलिस को दें। वायरल वीडियो में साफ नजर आ रहा है कि एक गाड़ी में एक महिला और उसके साथी बैठे हैं। सरहदी क्षेत्र में सुनसान जगह पर गाड़ी रोककर भेड़-बकरी चरा रहे एक बुजुर्ग को अपने पास बुलाते हैं और अश्लील हरकतें करते हैं।

बार एसो. जहाजपुर ने कार्य बहिष्कार की चेतावनी दी

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के जहाजपुर बार एसोसिएशन ने पुलिस उपाधीक्षक नरेंद्र पारीक को ज्ञापन सौंपकर बताया कि मारपीट मामले में अभियुक्त की गिरफ्तारी नहीं होने पर अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार करेंगे।

बार एसोसिएशन अध्यक्ष दीपक चौहान ने बताया गया कि एसोसिएशन उपाध्यक्ष बद्रीलाल मीणा के साथ हुई मारपीट के मामले में थाना जहाजपुर में प्रकरण संख्या 148/2025 दिनांक 5 मई को दर्ज किया गया था। आरोप है कि अभियुक्त, जो एक सरकारी कर्मचारी है, को थानाधिकारी द्वारा थाने में बुलाने के बाद बिना किसी कार्रवाई के छोड़ दिया गया। बार एसोसिएशन का कहना है कि घटना को गंभीरता से नहीं लिया गया है और आज तक न तो अभियुक्त की गिरफ्तारी हुई है, न ही कोई ठोस कानूनी कार्यवाही की गई है। इस लापरवाही से अधिवक्ता समुदाय में भारी रोष व्याप्त है। एसोसिएशन ने साफ चेतावनी दी है कि यदि आज अभियुक्त की गिरफ्तारी नहीं की जाती है, तो वे न्यायिक कार्यों का सम्पूर्ण रूप से अनिश्चितकाल के लिए बहिष्कार करेंगे। उन्होंने वृताधिकारी से थानाधिकारी जहाजपुर को निर्देशित करने एवं तत्काल अभियुक्त को गिरफ्तार कर नियमानुसार कानूनी कार्यवाही करें।

कैथून सीएचसी का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं जांची

कोटा, (निसं)। सीएचसी कैथून प्रभारी डॉ. राजेश सामर ने बताया कि संयुक्त निदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं जॉन कोटा डॉ. एमपी सिंह ने मंगलवार को सीएचसी कैथून का औचक निरीक्षण किया।

इस दौरान संयुक्त निदेशक डॉ.एमपी सिंह ने लू तापघात के प्रभाव एवं मौसमी बीमारियों को देखते हुए चिकित्सालय में की जा रही तैयारियां जांची। निरीक्षण के दौरान लू-तापघात के लिए आरक्षित किए गए बेड चैक किए। वार्ड में मरीजों से जानकारी ली। साथ ही लेब में सीबीनाट मशीन से कम हो रही स्पूटम जांचों की संख्या बढ़ ाने के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने जननी सुरक्षा वार्ड, एनबीएसयू, लेबररूम, दवा भंडार कक्ष का भी निरीक्षण किया एवं निर्देश दिए कि सभी सुविधाओं के साथ साथ वार्ड में कूलर पंखे प्रॉपर तरीके से संचालित हो एवं सभी दवाइयां सीएचसी पर उपलब्ध हो यह सुनिश्चित किया जाए। इसके बाद मरीजों के लिए की गई पीने के पानी की व्यवस्था को भी देखा। साथ ही ऑनलाइन निरीक्षण प्रपत्र भी भरा।

राज्यपाल बागड़े ने खैरथल-तिजारा जिले में योजनाओं की समीक्षा बैठक ली

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने गरीब किसान के जन-कल्याण की योजनाओं, कानून व्यवस्था व बजट घोषणाओं पर हुए विकास के कार्यों पर चर्चा कर समीक्षा की

भिवाड़ी/कोटपूतली, (निसं)। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े मंगलवार को खैरथल-तिजारा जिले के भिवाड़ी रीको गेस्ट हाउस में समीक्षा बैठक लेने पहुंचे। राज्यपाल हरिभाऊ के भिवाड़ी पहुंचने पर जिले के कलेक्टर किशोर कुमार व भिवाड़ी एसपी ज्येष्ठा मैत्रेयी ने स्वागत कर अगवानी की। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने गरीब किसान के जन-कल्याण की योजनाओं, कानून व्यवस्था व बजट घोषणाओं पर हुए विकास के कार्यों पर चर्चा कर समीक्षा की व अधिकारियों को निर्देशित किया और कहा कि समावेशी आर्थिक विकास तभी संभव है "जब हर हाथ को काम और हर व्यक्ति को आय" का अवसर मिले, यही आत्मनिर्भरता की सच्ची दिशा है।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने भिवाड़ी के रीको गेस्ट हाउस में समीक्षा बैठक ली।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने योजनाओं के समयबद्ध, प्रभावी और परिणामोन्मुखी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए अधिकारियों से कहा कोई भी पात्र व्यक्ति योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहना चाहिए, योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए, ताकि उनका लाभ समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंच सके और वास्तविक जरूरतमंद वर्ग सशक्त हो सके। उन्होंने विभिन्न योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। जिले में हीट वेव के संबंध में की गई तैयारियों एंव स्वास्थ्य सेवाओं और सूचकांकों की समीक्षा करते हुए पोषण कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन पर बल दिया। राज्यपाल ने कहा कि समावेशी आर्थिक विकास की दिशा में सार्थक पहल तभी संभव है जब समाज के हर वर्ग को सम्मानजनक रोजगार और आय के अवसर उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने कहा कि "हर हाथ को काम और हर व्यक्ति को आय" की भावना को आत्मनिर्भर भारत की नींव मानते हुए हमें नीतियों और योजनाओं को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करना चाहिए।

ग्रामीण क्षेत्रों में राजीविका और सहकारिता विभाग की योजनाओं के माध्यम से सशक्त बने समूहों की सराहना करते हुए कहा कि इन योजनाओं के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक आर्थिक सशक्तिकरण की रोशनी पहुंचे इस दिशा में कार्य किया जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में जल उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए ड्राई जोन में टैंकरों के माध्यम से पानी सप्लाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने जल जीवन मिशन की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले में प्रत्येक घर तक नल कनेक्शन की पहुंच सुनिश्चित की जाए, साथ ही उनकी कार्यात्मक स्थिति भी सुनिश्चित की जाए तथा योजना के तहत शेष रहे गांवों में त्वरित रूप से योजनांतर्गत कार्य करते हुए पानी की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने पंचायती राज विभाग द्वारा चलाई जा रही मनरेगा योजना की समीक्षा करते हुए पात्र व्यक्तियों को योजना से लाभान्वित करने के निर्देश दिए।

राज्यपाल ने अभियान हरियालो-राजस्थान राजस्थान के तहत जिलेभर में सामूहिक वृक्षारोपण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि केवल पौधारोपण ही नहीं, बल्कि आगामी वर्षों तक इन वृक्षों के संरक्षण और समुचित रखरखाव की ठोस व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि लगाए गए हर पौधे को पेड़ बनने का अवसर मिले और पर्यावरण संरक्षण का लक्ष्य साकार हो सके। उन्होंने शिक्षा को मानव कल्याण का सशक्त माध्यम बताते हुए विद्यालयों एवं छात्रावासों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कृषि विभाग को निर्देश दिए कि मृदा परीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत किसानों को अधिक से अधिक जागरूक किया जाए, ताकि वे स्वयं अपनी भूमि की मृदा जांच कराएं और वैज्ञानिक पद्धित से खेती कर उत्पादन एवं आय में वृद्धि कर सकें। उन्होंने फार्म पॉन्ड, फसल बीमा योजना के तहत अधिक से अधिक किसानों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए। राज्यपाल ने जिले में चलाए जा रहे निराश्रित गोवंश को आश्रय अभियान नवाचार की सराहना की और अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्रीष्मकाल में बेसहारा पशुओं के लिए पानी, छाया और चारे की समुचित व्यवस्था भी साथ में सुनिश्चित की जाए। सहकारिता की भावना को स्पष्ट करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य लाभ या हानि नहीं, बल्कि किसान और आमजन को आर्थिक रूप से समृद्ध बनाना है। यही सहकारिता की सच्ची सफलता है।

बैठक में अतिरिक्त कलेक्टर किशोर कुमार, एसपी भिवाड़ी ज्येष्ठा मैत्रेयी, पुलिस अधीक्षक खैरथल मनीष कुमार, मुख्य कार्यकारी अधिकारी बीड़ा अतुल प्रकाश, मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद सालुखे गौरव रविंदर, अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट, अतिरिक्त जिला कलेक्टर भिवाड़ी सुमित्रा मिश्र सहित जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

पुष्कर में मुख्य परिक्रमा मार्ग पर गंदा पानी भरा होने से श्रद्धालु परेशान

परिक्रमा मार्ग में भरे गंदे पानी से वाहन चालक परेशान हो रहे हैं।

पुष्कर/अजमेर, (कासं)। धार्मिक नगरी पुष्कर सरोवर में आठ मई गुरुवार को वैशाख माह की मोहिनी एकादशी से पंच तीर्थ स्नान का शुभारंभ होगा। पांच दिनों तक चलने वाले इस धार्मिक स्नान का समापन 12 मई को वैशाख पूर्णिमा को होने वाले महास्नान के साथ होगा। वहीं दूसरी ओर नगर परिषद की अनदेखी के चलते मुख्य परिक्रमा मार्ग गत दिनों हुई बरसात के पानी व सीवरेज का गंदा पानी भरा होने से परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं की धार्मिक आस्था को ठेस पहुंच रही है।

पुष्कर के तीर्थ पुरोहित के अनुसार शास्त्रोक्त मान्यता के चलते 8 मई से पंचतीर्थ स्नान शुरू होगा जो 12 मई पूर्णिमा महास्नान के साथ संपन्न होगा। पंचतीर्थ स्नान के लिए हजारों श्रद्धालु पवित्र सरोवर में डुबकी लगाकर जगतपिता ब्रह्मा मंदिर के दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित करेंगे। कार्तिक के बाद धार्मिक महत्व के चलते वैशाख माह में पुष्कर सरोवर में डुबकी लगाकर पुण्य कमाने और धार्मिक आस्था के चलते पुष्कर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमडना शुरू हो गई है।

भीषण गर्मी के बाबजूद रोजाना हजारों श्रद्धालु पुष्कर पहुंच रहे हैं। पंचतीर्थ स्नान के शुभारभ के साथ पुष्कर में मिनी मेला जैसा माहौल हो जाएगा। वैशाख के मिनी मेले में भीषण गर्मी से बचाव के लिए नगर परिषद व स्थानीय भामाशाहों व्यापारिक व सामाजिक संगठनों द्वारा शीतल पेयजल नींबू पानी शरबत व छाया के लिए इंतजाम किए जाएंगे।

- **पुष्कर सरोवर में आगामी आठ मई से पंच तीर्थ स्नान का शुभारंभ होगा**
- **धार्मिक आस्था के चलते पुष्कर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ना शुरू हुई**

परिक्रमा मार्ग में भरा गंदा पानी आस्था पर ठेस :- सरोवर की परिक्रमा का धार्मिक कर्म संपादित करने वाले श्रद्धालुओं को गंदे पानी से गुजरना पड़ रहा है जिससे उनकी आस्था आहत हो रही हैं। लोगों ने मांग की है कि गुरुवार से शुरू होने वाले वैशाख पंच तीर्थ मेले में हजारों श्रद्धालु परिक्रमा करेंगे इससे पूर्व परिक्रमा मार्ग के जल भराव को दुरस्त कर अवरुद्ध मार्ग को खोला जाए। पांच दिवसीय वैशाख मेले में रावत व गुर्जर समाज के श्रद्धालु तीर्थ नगर पुष्कर आते हैं और गुर्जर समाज का प्रसिद्ध आस्था केंद्र भुनाजी का मंदिर व गुर्जर घाट का एकमात्र रास्ता भी परिक्रमा मार्ग के जल भराव से होकर ही गुजरता है।

मेधावी छात्रा को मिली स्कूटी

श्रीमाधोपुर। राजस्थान सरकार द्वाराआयोजित व आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा जयपुर द्वारा जारी कालीबाई भील मेधावी स्कूटी योजना के अन्तर्गत श्रीराधास्वामी कॉलेज, खेजरोली की दो छात्राओं का चयन हुआ है। छात्राओं को कॉलेज पहुंचने पर निदेशक मोहर सिंह खर्रा, सचिव गीता खर्रा, प्रवक्ता राकेश यादव ने माला पहनाकर, मिठाई खिलाकर, प्रतीक चिन्ह के साथ स्कूटी के दस्तावेज, हेलमेट सौपे।

बांधका में पेयजल संकट गहराया ग्रामीणों ने जताया विरोध

नारायणपुर । प्रचंड गर्मी और चिलचिलाती धूप के बीच गांव पंचायत चतरपुरा के राजस्व गांव बांधका में इन दिनों पेयजल संकट ने विकराल रूप ले लिया है। इलाके के ग्रामीणों को पीने के पानी के लिए भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हालात ऐसे हो गए हैं कि लोगों को बूंद-बूंद पानी के लिए तरसना पड़ रहा है। मंगलवार को स्टेट कोऑर्डिनेटर राकेश दायमा के नेतृत्व में ग्रामीणों ने जलदाय विभाग की कनिष्ठ अभियंता सुशीला सैनी को ज्ञापन सौंपा और जल्द समाधान की मांग की।

ग्रामीणों का कहना है कि पहले नल कनेक्शनों से नियमित रूप से पेयजल आपूर्ति होती थी,लेकिन पिछले कुछ दिनों से नलों में पानी नहीं आ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि वे बार-बार संबंधित अधिकारियों से गुहार लगा चुके हैं,लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं हुआ है। इससे ठामीणों में आक्रोश फैलता जा रहा है और लोगों ने जलदाय विभाग के कर्मचारियों के प्रति नाराजगी भी जाहिर की है। ग्रामीणों ने मांग की है कि जब तक नियमित जल आपूर्ति बहाल नहीं होती, तब तक टैंकरों के माध्यम से पानी की व्यवस्था की जाए। साथ ही चेतावनी दी कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो वे धरना-प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए कनिष्ठ अभियंता सुशीला सैनी और आदित्य मनीष मौके पर पहुंचे। उन्होंने हालात का जायजा लिया और तत्परता दिखाते हुए बांधका गांव में प्रतिदिन दो टैंकरों से पेयजल आपूर्ति शुरू कर दी गई है। इस दौरान ग्रामीण रवि मौर्य, सीताराम, रविशंकर प्रसाद, हेमंत रैगर, संदीप मौर्य सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

दूसरी ओर बढ़ती गर्मी और पेयजल संकट को ध्यान में रखते हुए बुधवार को उपखंड कार्यालय में एक अहम ब्लॉक स्तरीय बैठक का आयोजन किया जाएगा। यह बैठक उपखंड अधिकारी दिनेश शर्मा की अध्यक्षता में सुबह 11 बजे उपखंड सभागार में आयोजित होगी। बैठक में जलदाय विभाग के अधिकारी और कर्मचारी विशेष रूप से मौजूद रहेंगे, ताकि क्षेत्र में उत्पन्न पेयजल समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया जा सके। प्रशासन द्वारा क्षेत्रवासियों से अपील की गई है कि वे निर्धारित समय पर बैठक में पहुंचें और अपनी समस्याएं सीधे अधिकारियों के समक्ष रखें। गौरतलब है कि इन दिनों क्षेत्र के कई गांवों में नलों से पानी नहीं आ रहा है, जिससे आमजन को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में यह बैठक आमजन और प्रशासन के बीच संवाद का एक महत्वपूर्ण माध्यम साबित हो सकती है। उपखंड अधिकारी ने भरोसा दिलाया है कि हर शिकायत को गंभीरता से लिया जाएगा और त्वरित समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे।

नारायणपुर के ग्रामीणों ने जलदाय विभाग की कनिष्ठ अभियंता सुशीला सैनी को ज्ञापन सौंपा

■ टैंकर से जल आपूर्ति शुरू

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

क्रमांक: जविप्रा/ उपा./ जोन-07/2025/डी-984 **आम सूचना** दिनांक: 02.05.2025

आवेदिका द्वारा ऑनलाईन आवेदन क्रमांक 218166 दिनांक 17.04.2025 को निम्नांकित भूखण्ड का फ्री होल्ड पट्टा जारी करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये है:-

क्र. सं.	आवेदक का नाम	मूल आवंटी /ठीकाधारक का नाम	भूखण्ड संख्या	भूखण्ड क्षेत्रफल	गृ.नि.स. सं./निजी खातेदारी /जविप्रा योजना	योजना का नाम	सेवा जिसके लिए आवेदन किया गया	कार्यवाही हेतु प्रस्तुत दस्तावेज
1.	श्री कल्याण मल जाटपुत्र श्री लाला रामजाट	श्रीमती मनजोत कौर पत्नी श्री के.एस. सिंधु	डी-28	450 व.ग.	मोती भवन गृ.नि.स. स.लि.	हनुमान नगर डी	पट्टा	मूल दस्तावेज गुम होने एवं अपंजीकृत इकरारनामा होने से

उक्त भूखण्ड का आवेदक के पक्ष में पट्टा जारी करने पर किसी व्यक्ति, वारिस एवं संस्था को आपत्ति हो तो मय साक्ष्य के इस सूचना की प्रकाशन तिथि से 7 दिवस के भीतर कार्यालय समय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा आपत्ति प्रस्तुत नहीं करने की दशा में उक्त भूखण्ड की नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

उपायुक्त जोन-07, जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

कार्यालय उपायुक्त मालवीय नगर जोन, नगर निगम ग्रेटर जयपुर

(नई विधानसभा के पास, लालकोठी, जयपुर)

क्रमांक-एफ ()/न.नि.ज.ग्रेटर/मा.न.जोन/2024/274 दिनांक-1/5/25

सार्वजनिक सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती सुनिता शर्मा पत्नी स्व0 श्री राजेश शर्मा एवं राकेश कुमार शर्मा पुत्र श्री भंवरलाल शर्मा द्वारा भूखण्ड सं. 383 योजना बरकत नगर सोसायटी न्यू पिंकसिटी गृह निर्माण सहकारी समिति क्षेत्रफल 200.00 वर्गगज भूमि का नाम हस्तान्तरण चाहा गया है। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा भूखण्ड संख्या 383 योजना बरकत नगर सोसायटी न्यू पिंकसिटी गृह निर्माण ... श्रीमती सुनिता पत्नी स्व0 श्री राजेश शर्मा एवं 50 प्रतिशत राकेश कुमार शर्मा पुत्र श्री भंवर लाल शर्मा के पक्ष में सम्पादित की गई। श्रीमती मुन्ना देवी पत्नी श्री भंवरलाल शर्मा की मृत्यु दिनांक 03.07.2022 को हो गई थी। श्री भंवरलाल शर्मा पुत्र श्री रामेश्वर की मृत्यु दिनांक 26.01.2025 को हो चुकी है। आवेदकों के द्वारा आवेदन के साथ प्रस्तुत किये गये अन्य दस्तावेजों की छायाप्रति के आधार पर भूखण्ड सं. 383 योजना बरकत नगर सोसायटी न्यू पिंकसिटी गृह निर्माण सहकारी समिति जयपुर का नाम हस्तानान्तरण नगर निगम ग्रेटर जयपुर द्वारा श्रीमती सुनिता शर्मा पत्नी स्व0 श्री राजेश शर्मा एवं राकेश कुमार शर्मा पुत्र श्री भंवरलाल शर्मा के पक्ष में किया जाना है। इस नाम हस्तानान्तरण बाबत किसी भी व्यक्ति संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय (उपायुक्त, मालवीय नगर जोन नगर निगम ग्रेटर) में प्रस्तुत करे, अन्यथा निर्धारित समयावधि की समाप्ति के बाद, नियमानुसार नाम हस्तानान्तरण की कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी।

उपायुक्त, मालवीय नगर जोन, नगर निगम ग्रेटर जयपुर

खोया पाया

मेरे स्वामित्व का फ्लैट नंबर GF/2, B-8, श्यामपुर बुहारिया वाटिका रोड, तहसील सांगानेर ,जयपुर में रेजिडेंसी बिल्ड होम LLP द्वारा किफायती आवास नीति आवंटन व कब्जा पत्र गांधीपथ वेस्ट जयपुर में कहीं खो गया है, जिनकी ऑनलाइन मिसिंग रिपोर्ट दर्ज करा दी गई है । मिलने पर सूचित करें रितु जांगिड़ पुत्री रामप्रसाद शर्मा 9001003010

न्यू पिंकसिटी गृह निर्माण सहकारी समिति लि0 की आवासीय योजना महेश नगर, बरकत नगर, टोक रोड, जयपुर के भूखण्ड संख्या ए-21 ए, का सोसायटी द्वारा जारी मूल आवंटन पत्र मूल साईट प्लान एवं रसीद कही गुम हो गई है। मिलने पर सूचित करें। - प्रेम बाई मोबाईल नम्बर 9785302437

सती माता का विशाल भंडारा आयोजित

शाहपुरा । विराटनगर कस्बे के जैन नशियां के पास स्थित सती माता के विशाल मेले एवं भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें बालाजी मंदिर मेहंदोला की ढाणी से ध्वज यात्रा निकली गई। जिसमें स्थानीय संघ विराटनगर के स्काउट मास्टर विनोद कुमार कुंभावत, सुलतान राम माली के सानिध्य में टोली नायक यशवंत कोली,विशाल प्रजापत, विष्णु कुमावत, तुलसीराम सैनी के निर्देशन में स्काउट योगेश यादव, युवराज सैनी, कुलदीप कुम्हार मोहन कुम्हार, धर्मेंद्र कुम्हार, राहुल सैनी, प्रिंस बिवाल,अवधेश सैनी, गुड्डू कुम्हार, साहिल प्रजापत, प्रेमचन्द कुम्भावत सहित 20 स्काउट्स ने सेवा कार्य किया। इस अवसर पर मेला कमेटी सदस्य रोहिताश सैनी, रोहिताश, विशम्बर, पी सी सैनी सहित अनेक भक्तगण मौजूद रहे।

कृषि यंत्रों पर सब्सिडी के आवेदनों की अंतिम तिथि 30 जून

मालपुरा (निस) कृषि विभाग द्वारा किसानो को कृषि यंत्रों पर सब्सिडी लाभ लेने के लिये ऑनलाईन आवेदन की तिथि 30 जून निर्धारित की। विभागीय पोर्टल पर किसान अपना ऑनलाईन आवेदन करे। कृषि पर्यवेक्षक जुगराज सिंह ने मंगलवार को देशमा ग्राम पंचायत मे कैम्प लगा किसानो को राज्य सरकार व कृषि विभाग द्वारा कृषि यंत्रो पर दी जा रही 40से 50 प्रतिशत तक अनुदान पाने के लिये ऑनलाईन आवेदन की विस्तार से जानकारी दी।

जुगराज सिंह ने बताया कि विभाग द्वारा दिये जा रहै अनुदान से किसानो को बुवाई व जुताई सहित बिजाई जैसे कार्यो मे अब राहत मिलेगी। मिशन एग्री लचर मेकेनाईजेशन योजना के तहत किसानो को आधुनिक कृषि यंत्रो का लाभ मिल सकेगा। तो किसान का भार भी कम होगा तथा उसकी आय मे वृद्धि होगी। वित्त वर्ष 2025-26 मे राज्य सरकार द्वारा मृदा स्वास्थ्य कार्ड धारक किसानो को ही कृषि यंत्रो के लिये आवेदन का पात्र माना गया है।

ऐसे मे आवेदन करने से पहले किसान मृदा स्वास्थ्य कार्ड विभाग से प्राप्त करे। जुगराज सिंह ने बताया कि पिछले वर्ष मे सैंकडो काश्तकारे ने योजना का लाभ लिया था। आधुनिक कृषि यंत्रो के लिये सामान्य काश्तकारो के किसानो को 4० प्रतिशत तक अनुदान किया जा रहा है व एससी-एसटी लघु व सीमान्त तथा महिला काश्तकारो को 5० प्रतिशत अनुदान मिलेगा। कृषि यंत्रो मे थ्रेसर, रोटावेटर, डिस्क प्लाऊ, फर्टीलाईचर ड्रिल, हैरो, आदि कृषि यंत्रों पर अनुदान के लिये आवेदन मान्य होगा। किसान को पंजीकृत फर्म से यंत्र खरीदना होगा तथा किसान के जनआधार से जुडे अनुदान राशि दी जायेगी। एक किसान को तीन वित्त वर्ष मे एक ही कृषि यंत्र लेने का पात्र माना गया है। किसान ई-मित्र अथवा स्वंय के मोबाईल से राजकिसान सुविधा पोर्टल पर आवेदन कर सकता है। सहायक निदेशक कृषि विस्तार कार्यालय मालपुरा डॉ. महेश कुमार कुमावत ने बताया कि राजकिसान पोर्टल पर आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है।

कृषि विभाग ने किसानों को कृषि यंत्रों पर सब्सिडी लाभ लेने के लिये ऑनलाइन आवेदन की तिथि 30 जून निर्धारित की।

अलवर में अतिक्रमण हटाने के दौरान भेदभाव

अलवर । अलवर में आज हुआ जब यूआईटी के अधिकारी अंबेडकर सर्किल पर अतिक्रमण हटाने पहुंचे उन्हें सिर्फ अतिक्रमणकर्ता के रूप में गरीब ठेले, टपरी वाले नजर आए जिनका वे सामान तक उठा कर ले गए लेकिन वही बडे प्राईवेट अस्पताल, शोरूम और मॉलों द्वारा किया गया सड़क तक का अतिक्रमण नजर नही आया ऐसा किसके इशारे पर हुआ अगर अमीर चुनावों में पार्टियों को चंदा देकर उनकी झोली भरता है तो क्या गरीब अपने वोट से सरकार नही बनाता कानून सभी के लिए समान होना चाहिए ऐसी लोगों में चर्चा है । अलवर यूआईटी की ओर से शहर के मुख्य रोड पर मंगलवार शाम को अतिक्रमण हटाया गया। केवल ठेली पटरी वालों का सामान जब्त कर लिया गया। लेकिन आसपास के बड़े अस्पताल, शोरूम व मॉल की तरफ झांका भी नहीं। जहां बड़ा अतिक्रमण है। जिनके कारण रोड पर जाम भी लगता है। फिर भी उन पर मेहरबानी है। अफसरों से पूछा तो जवाब मिला कि ठेले पटरी वालों से ज्यादा परेशानी है। आगे बड़े अतिक्रमण भी हटाएंगे।

अलवर शहर में अंबेडकर सर्किल के पास फल बेचने वालों की दुकानें रोड के किनारे लगती हैं। अचानक टीम यहां पहुंची। दुकानों का जो सामान मिला उसे टैंपों में भर लिया गया। हालांकि कुछ दुकानदारों को अतिक्रमण हटाने का पहले ही पता चल गया था। इस कारण थोडा बहुत सामान दूर बचा लिया। लेकिन जिनका सामान मौके पर मिला। उसे जब्त कर ले गए। दुकानदारों के चेहरे मायूस थे। लेकिन अफसरों के सामने कुछ बोलने से इसलिए डरते रहे कि आगे उनको परेशान किया जाएगा। यूआईटी तहसीलदार अनिल शर्मा का कहना है कि मुख्य रोड के किनारे ठेले टपरी वालों की दुकानें हैं। इनका सामान आगे तक रहता है। जिससे आमजन को अधिक परेशानी होती है। जिला अस्पताल से लेकर अंबेडकर सर्किल तक अतिक्रमण हटाया गया है। वहीं बडे अतिक्रमण को लेकर कहा कि अभी यही प्लान बनाया था। आगे जहां बडे अतिक्रमण हैं। उनको हटाया जाएगा। अलवर शहर में अंबेडकर सर्किल के पास हरीश हॉस्पिटल के बाहर बडा अतिक्रमण है। उससे आगे जेल चौराहे पर नेक्सा कार शोरूम के बाहर बडा अतिक्रमाण है। पूरे नाले पर निर्माण कर लिया। लेकिन यहां टीम पहुंची नहीं। पीछे से ही निकल गई। इसके अलावा आसपास की मॉल के बाहर भी अतिक्रमण है। यहां टीम के नहीं आने से आमजन को लगता है कि प्रशासन बडे लोगों की दुकानों के बाहर से अतिक्रमण नहीं हटाता है।

कार्यकारिणी का गठन हुआ

चौंमू / कालाडेरा। विश्व हिन्दू परिषद प्रखंड मंत्री मुकेश सामरिया की अध्यक्षता में बैंठक हुई, बैठक में विभाण मंत्री परमजीत व जिला मंत्री राजेश ने विश्व हिन्दू परिषद के आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी जिसमें बजरंग दल, शोर्य प्रशिक्षण वर्ग, दुर्गा वाहिने, शौर्य प्रशिक्षण वर्ग एवं विश्व हिन्दू परिषद कार्यकर्ता वर्ग के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर कालाडेरा नगर कार्यकारिणी का गठन किया गया। ओम प्रकाश जैन- नगर अध्यक्ष, सुरेश कुमार कुमावत नगर मंत्री, आंकाश सैनी - सत्संग प्रमुख, नवल टेलर प्रचार-प्रसार प्रयुख बने।

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन

आदेश 5 के नियम 1 और 5

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी महोदय, मौजमाबाद जिला जयपुर (राज.)

राकेश वगैरह बनाम् भैरु वगैरह

वाद बाबत घोषणात्मक दुरुस्ती इन्द्राज

प्रकरण संख्या / 2018

बनाम्

1. भैरु पुत्र परसा जाति माली, निवासी सेवा, तहसील मौजमाबाद, जिला जयपुर राज.

2. हीरा पुत्र परसा, जाति माली, निवासी सेवा, तहसील मौजमाबाद, जिला जयपुर राज.

... आपको इस न्यायालय में उपस्थित होकर ... (हाजिर) ... उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें ... यह आज दिनांक ... को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया।

न्यायाधीश

एक ट्रैक्टर जब्त

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के द्वारा अवैध बजरी परिवहन व खनन की रोकथाम हेतु चलाये जा रहे अभियान के निदेशन में पुलिस उप-अधीक्षक निवाई मृत्युन्जय मिश्रा व रामजीलाल थानाधिकारी थाना निवाई द्वारा गठित टीम ने मुखबीर की सूचना पर दौराने गश्त टीम ने कस्बा निवाई मे कीर कालोनी से एक ट्रैक्टर को अवैध बजरी से भरे हुये को जब्त किया ।

चालक व मालिक के खिलाफ एमएमडीआर एक्ट में प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी है।

डेमेज पाइप लाइन को दुरुस्त कराने की मांग

फुलेरा । कस्बे के निकटवर्ती ग्राम पंचायत काजीपुरा के भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केन्द्र पर मंगलवार को जयपुर जिला कलेक्टर के आदेश की पालना में तहसीलदार, प्रभारी अधिकारी एवं विकास अधिकारी पंचायत समिति सांभरलेक के आतिथ्य एवं सहप्रभारी व सरपंच नवरतन कुमावत की अध्यक्षता में पेयजल समस्या समाधान शिविर का आयोजन किया गया।

इस शिविर के दौरान ठाम पंचायत काजीपुरा के ग्रामीणों एवं सरपंच द्वारा जल जीवन मिशन अंतर्गत बिछाई गई पाईपलाइन में हो रखे अवैध कनेक्शन को हटाया जाने का मुद्दा उठाया गया। इस पर सहायक अभियंता जलदाय विभाग संजय कुमार मीणा द्वारा सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए एवं उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाने के निर्देश दिए।

वहीं ग्ररम पंचायत काजीपुरा के ग्रामीणों ने शिविर के दौरान ग्राम पंचायत के ग्रामीणों ने ठेकेदार पर मन मर्जी से कनेक्शन दिए जाने एवं अनियमितता का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज करवाई। इसके साथ ही उक्त शिकायत की समुचित जांच करवाने की मांग की है। इसी क्रम में आगे बताया कि जो पूर्व में जल जीवन मिशन अंतर्गत पाईप लाईन बिछाई गई है। उसमें से करीब 35 प्रतिशत पाईप लाईन डैमेज हो चुकी है। जिसको दुरुस्त करवाने की मांग की है। इसके साथ ही अन्य शिकायत में बताया कि वर्तमान में करीब 150 परिवार जल जीवन मिशन योजना से वंचित है। जिनको नल कनेक्शन नहीं मिले है। इस पर प्रभारी एवं सहप्रभारी ने संज्ञान लेते हुए जल्दी ही निस्तारण हेतु संबंधित विभाग को निर्देश दिए। वहीं शिविर में अन्य पंचायतों द्वारा भी पेयजल समस्या बताई गई। जिनका भी शीघ्र ही निस्तारण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर ग्राम पंचायत काजीपुरा, खण्डेल, नवरंगपुरा एवं जयसिंहपुरा के ग्राम विकास अधिकारी एवं अन्य ग्राम पंचायत स्तरीय कार्मिक सहित जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन

(आदेश 5 के नियम 1 और 5)

न्यायालय श्रीमान जिला कलक्टर एवं उपखण्ड मजिस्ट्रेट बसवा ... गिरीराज

वाद संख्या 118/2024

... (श्रीमती रेखा मीना) उपखण्ड अधिकारी बसवां जिला दौसा

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

कलैक्टर ने मरीजों से लिया फीडबैक

खैरथल । जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने भीषण गर्मी और मौसमी बीमारियों की बढ़ती आशंका को देखते हुए मंगलवार को जिला चिकित्सालय भिवाड़ी का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान बीड़ा भिवाड़ी मुख्य कार्यकारी अधिकारी अतुल प्रकाश, अतिरिक्त जिला कलेक्टर भिवाड़ी सुमित्रा मिश्र, तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, पीएमओ सहित अस्पताल के सभी अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

जिला कलेक्टर ने अस्पताल में लू (हीट स्ट्रोक) व अन्य मौसमी बीमारियों से निपटने हेतु की गई तैयारियों का बारीकी से जायजा लिया। साथ ही राज्य सरकार की विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को प्रभावी कार्यान्वयन के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान भर्ती मरीजों से संवाद कर अस्पताल के स्टाफ के व्यवहार एवं स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता पर फीडबैक भी लिया।

जिला कलेक्टर ने अस्पताल प्रबंधन को हीट स्ट्रोक से बचाव व त्वरित उपचार हेतु निम्नलिखित दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने निर्देश दिए की लू प्रभावित मरीजों के लिए पृथक कूलिंग वार्ड सुनिश्चित किया जाए तथा अस्पताल परिसर में जगह-जगह स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों और अस्पतालों में ओआरएस, ग्लूकोज एवं आवश्यक दवाएं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहें। आमजन को लू से बचाव हेतु नियमित प्रचार-प्रसार, पोस्टर, बैनर और सार्वजनिक घोषणाओं के माध्यम से जागरूक किया जाए। इमरजेंसी वार्ड को पूर्ण रूप से सतर्क एवं स्टाफ को प्रशिक्षित रखने के निर्देश दिए गए।

इसके अलावा जिला कलेक्टर ने भिवाड़ी रीको गेस्ट हाउस पर राइजिंग राजस्थान के तहत किए गए निवेश प्रस्तावों (एमओयू) की समीक्षा बैठक की। बैठक में जिला उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक ने बताया कि जिले में अब तक 502 एमओयू निष्पादित हो चुके हैं, जिनमें से 37 एमओयू का ठाउंड ब्रेकिंग हो चुका है। इसके फलस्वरूप 1096 करोड़ रुपये का निवेश और लगभग 2350 नए रोजगार सृजित हो चुके हैं। वर्तमान में 154 एमओयू धारकों के पास भूमि उपलब्ध है, जिससे वे कार्यान्वयन की स्थिति में हैं।

सीएमएचओ ने अवगत कराया गया कि स्वास्थ्य क्षेत्र के 5 एमओयू में से 3 में कार्य प्रारंभ हो चुका है, जबकि 2 को निरस्त कराने की प्रक्रिया प्रगति पर है। वहीं, कृषि उपज मंडी विभाग ने 53 एमओयू में से 11 को अनिच्छुक बताया और 41 को भूमिहीन श्रेणी में रखा। जिला कलक्टर ने निर्देश दिए कि जो एमओयू इम्प्लीमेंट योग्य नहीं हैं या जिन्हें सी श्रेणी में रखा गया है, उन्हें संबंधित विभाग बीआईपी को पत्र भेजकर निरस्त कराएं। साथ ही टास्क डिफाइन एमओयू की समयबद्ध समीक्षा व निस्तारण सुनिश्चित करने पर भी बल दिया गया।

जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने जिला चिकित्सालय भिवाड़ी का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

■ रीको गेस्ट हाउस पर राइजिंग राजस्थान को लेकर की बैठक

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

पृथ्वीराज नगर (उत्तर) कार्यालय चित्रकूट स्टेडियम वैशाली नगर।

क्रमांक: ज.वि.प्रा./उपा./पीआरएन उत्तर द्वितीय/2025/डी- 249 **सार्वजनिक सूचना** दिनांक: 02.05.2025

दी महावीर गृह निर्माण सहकारी समिति लि. जयपुर की योजना बसन्त विहार के भूखण्ड संख्या 56 (क्षेत्रफल 233.33 वर्गगज) के नाम हस्तान्तरण हेतु श्रीमती अनिता क्षौत्रिय पत्नी श्री नरेन्द्र कुमार तंवर ने आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि उक्त भूखण्ड के स्वामित्व के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति हो तो 07 दिवस की अवधि में कार्यालय को आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा आवेदिका के पक्ष में उक्त भूखण्ड का नाम हस्तान्तरण कर दिया जावेगा। उपायुक्त पीआरएन-उत्तर-II जविप्रा, जयपुर।

न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमाधोपुर (सीकर-राज.)

क्रमांकः- दिनांकः-

1-धापू देवी पत्नी स्वर्गीय हीरालाल 2-पवन कुमार -श्यामलाल 4-रविकुमार सैनी पुत्रगण स्वर्गीय हीरालाल 5-मंजू सैनी 6-सुनिता देवी 7 कमला कुमारी सैनी पुत्रीयां स्वर्गीय हीरालाल समस्त जाति सैनी-माली निवासी बस्सी की ढ़ाणी तन ग्राम ढ़ाल्यावास तहसील खण्डेला जिला सीकर (राज0)

बनाम् -आवेदकगण

1-हर खास व आम

2-मैनेजर बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा श्रीमाधोपुर जिला सीकर हाल जिला नीमकाथाना (राज0)

- अनावेदकगण

आवेदन-पत्र अन्तर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम 1925 वास्ते उत्तराधिकारी प्रमाण पत्र......

याचिका संख्याः- तारीख दर्जः-

इश्तहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मृतक हीरालाल सैनी पुत्र सुरजमल सैनी जाति सैनी-माली निवासी बस्सी की ढ़ाणी तन ग्राम ढ़ाल्यावास तहसील खण्डेला जिला सीकर राजस्थान के नाम से बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा श्रीमाधोपुर में खाता संख्या-25700100004709 है जिसमें दिनांक 12-02-2024 तक राशि 400293.00/-रूपये जमा है। उसकी बाबत उत्तराधिकारी प्रमाण पत्र आवेदकगण के हक में जारी करने एवं उक्त बैंक खाता में जमा राशि आवेदकगण को दिये जाने के आदेश किये जाने हेतु आवेदन पत्र आवेदकगण ने इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है, आवेदन पत्र की सुनवाई हेतु न्यायालय द्वारा तारीख पेशी 24/7/25 नियत की गयी है। अतः इस संबंध में किसी भी व्यक्ति, संस्था आदि को कोई आपत्ति हो तो अपने उज्रात स्वयं हाजिर होकर या अपने अधिवक्ता के माध्यम से नियत तारीख पेशी को प्रातः 10.00 ए.एम. बजे प्रस्तुत करे, उक्त तिथि व समय पर किसी के हाजिर नही आने पर नियमानुसार कार्यवाही की जावेगी। इश्तिहार आज दिनांक 5/5/24 को जारी किया गया।

आज्ञा से-

मोहर अदालत

अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश श्रीमाधोपुर जिला-सीकर

अपील की सुनवाई के लिये नियत दिन की प्रत्यर्थी की सूचना

(आदेश 41 नियम 14)

नाम न्यायालय जिला एवं सत्र न्यायाधीश जयपुर जिला जयपुर

राजेन्द्र कुमार विरूद्ध सुनिता सीमा सिंघानियां वगै.

अपील सं. CRA 29/ सन् 2024

ACJM-2 जयपुर जिला जयपुर के न्यायालय की तारीख 22/10/2024 को निर्णय/डिक्री का अपील नाम शिवराज पुत्र श्री मक्खन लाल जाति... स्थान प्लाट नं.32, जमनापुरी, मुरलीपुरा, जयपुर

आपको सूचना दी जाती है कि इस मामले में सिविल वाद 217/2017 निर्णय 22.10.2024 की अपील अपीलार्थी राजेन्द्र कुमार द्वारा प्रस्तुत उपस्थापित की गई है और न्यायालय में रजिस्टर कर ली गई है और इस अपील की सुनवाई के लिए इस न्यायालय द्वारा तारीख 11 माह 07 सन् 2025 नियत की गई।

यदि इस अपील में आपकी ओर से आप स्वयं या आपके प्लीडर या आपके लिये कार्य करने के लिए विधिना प्राधिकृत कोई व्यक्ति उपसंजात नहीं होगा तो यह आपकी अनुपस्थिति में सुनी और विनिश्चित की जावेगी।

यह आज तारीख 06 माह 05 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर के और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।

मोहर अदालत

आज्ञा न्यायालय से-वरिष्ठ मुंसरिम जिला न्यायालय जयपुर जिला, जयपुर

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन

(आदेश 5 के नियम 1 और 5)

समक्ष अपर वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश क्रम संख्या 1, जयपुर महानगर द्वितीय, जयपुर

स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया विरूद्ध

32/01 10/03/2025 मैसर्स जय गुरूदेव साडी एवं अन्य

वाद बाबत वसूली 4,34,382.00/-रूपये

वाद संख्या - 10 सन् 2023

बनाम (1) मैसर्स जय गुरूदेव साडी एक प्रोपराईटरशिप फर्म पंजीकृत कार्यालय 27 प्रताप नगर आमेर रोड जयपुर 302002 एवं मकान संख्या 9 ए सीता राम पुरी आनन्द कॉलोनी ओल्ड रामगढ मोड आमेर रोड जयपुर 302002 एवं प्लॉट संख्या 23 सागर विहार रामगढ रोड जयपुर 302002, जरिये प्रोपराईटर हतेन्द्र सिंह 2. हतेन्द्र सिंह पुत्र श्री रोशन सिंह प्रोपराईटर मैसर्स जय गुरूदेव साडी एक प्रोपराईटरशिप फर्म पंजीकृत कार्यालय 27 प्रताप नगर आमेर रोड जयपुर 302002 एवं मकान संख्या 9 ए सीता राम पुरी आनन्द कॉलोनी ओल्ड रामगढ मोड आमेर रोड जयपुर 302002 एवं प्लॉट संख्या 23 सागर विहार रामगढ रोड जयपुर 302002, वादी ने आपके विरूद्ध वसूली के लिए वाद पंजियत किया है आपको इस न्यायालय में दिनांक 13 माह 05 सन् 2025 को प्रातः 08.00 बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) होने के लिए वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों के उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे प्रश्नों का उत्तर दे सके आपको यह निर्देश दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे में या शक्ति में हो,अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें। आपको सूचित किया जाता है कि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। यह वाद दिनांक 10 माह 03 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

आज्ञा से

सील

अतिरिक्त वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम 01 जयपुर महानगर-द्वितीय

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

क्रमांक: जविप्रा/ उपा./ जोन-07/2025/डी-983 **आम सूचना** दिनांक: 02.05.2025

आवेदिका द्वारा ऑनलाईन आवेदन क्रमांक 218169 दिनांक 17.04.2025 को निम्नांकित भूखण्ड का फ्री होल्ड पट्टा जारी करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये है:-

क्र. सं.	आवेदक का नाम	मूल आवंटी /ठीकाधारक का नाम	भूखण्ड संख्या	भूखण्ड क्षेत्रफल	गृ.नि.स. सं./निजी खातेदारी /जविप्रा योजना	योजना का नाम	सेवा जिसके लिए आवेदन किया गया	कार्यवाही हेतु प्रस्तुत दस्तावेज
1.	श्री कल्याण मल जाटपुत्र श्री लाला रामजाट	श्रीमती मनजोत कौर पत्नी श्री के.एस. सिंधु	डी-29	450 व.ग.	मोती भवन गृ.नि.स. स.लि.	हनुमान नगर डी	पट्टा	मूल दस्तावेज गुम होने एवं अपंजीकृत इकरारनामा होने से

उक्त भूखण्ड का आवेदक के पक्ष में पट्टा जारी करने पर किसी व्यक्ति, वारिस एवं संस्था को आपत्ति हो तो मय साक्ष्य के इस सूचना की प्रकाशन तिथि से 7 दिवस के भीतर कार्यालय समय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा आपत्ति प्रस्तुत नहीं करने की दशा में उक्त भूखण्ड की नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

उपायुक्त जोन-07, जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकद्मा नम्बर 36/2025

(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि डा. अनिल गुप्ता ने पंजीकृत प्रन्यास डी. के. गुप्ता मेमोरियल चेरिटेबल ट्रस्ट प्लॉट न 14. दीप हॉस्पिटल कॅम्पस, खातीपुरा रोड, झोटवाडा जयपुर जिसका पंजीयन कमांक 36 जयपुर 2006 है के सम्बन्ध में राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अन्तर्गत प्रन्यास के उद्देश्यों में संशोधन कर उक्त संशोधनों को प्रन्यास रिकार्ड में दर्ज अभिलेख किये जाने का निवेदन कर जांच किये जाने के लिए प्रपत्र-8 में आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 23 में प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास में हुए परिवर्तन / संशोधन जिसकी जांच की जा रही है, मे हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है, कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से तीस दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।

यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित नामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 2/5/25को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय नोहर के अधीन जारी गया।

आइदा तारीख पेशी 6/6/25

मोहर अदालत

सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

नाम परिवर्तन

मै राजवीर सिंह पुत्र गोविन्द सिंह निवासी 714 बरकत नगर टोंक फाटक जयपुर हूं, मैने अपना नाम राजवीर सिंह चौहान से बदलकर राजवीर सिंह रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाए।

मै आरती पत्नी नवीन कुमार जैन, निवासी 137-A विवेक विहार, जगतपुरा, जयपुर 302017, ने अपना नाम बदलकर आरती जैन रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाये।

मै आर्मी नं. 16026650N नायक- नीतेन्द्र सिंह नाथावत यूनिट 17 राजरिफ सवाईमान है। मेरे सैन्य दस्तावेजों में मेरे पिताजी का नाम जगमाल सिंह नाथावत है और जन्मतिथि 05/02/1965 है जो कि गलत है। मेरे पिताजी का सही नाम जगमाल सिंह है और जन्मतिथि 01/01/1973 है।

मै आर्मी नं. 15184262ए नायक योगेश कुमार की यूनिट 199मीडियम रेजीमेंट है। मेरे सैन्य दस्तावेजों में मेरे पुत्र का नाम आयुष उपधायाय है जो की गलत है मेरे पुत्र का सिविल दस्तावेज में सही नाम आयुष उपाध्याय है

मै आर्मी नं. 15184262ए नायक योगेश कुमार की यूनिट 199मीडियम रेजीमेंट है। मेरे सैन्य दस्तावेजों में मेरे पुत्र का नाम ईशान्त उपधायाय है जो की गलत है मेरे पुत्र का सिविल दस्तावेज में सही नाम ईशान्त उपाध्याय है

I No.-144746W Rank POME. Bhagirath Singh S/o Foos Singh R/o 81, Marg No.-11, Kailash Nagar-A, Jhotwara, Jaipur Rajasthan, Pin 302012. My Daughter's name changed from Rinku Shekhawat to Ritika Shekhawat. In future she should be known by Ritika Shekhawat Vide Affidavit CA 251266 Jaipur. Dated 06.05.2025

I have changed my name from Meghna Tank to Meghna Jain for all purposes R/o 202 IInd floor K-9A Vardhman Anukampa Apartment Fateh tiba Adarsh nagar Jawahar nagar Jaipur

कार्यालय ग्राम पंचायत बहरावण्डा खुर्द, पंचायत समिति- खण्डार जिला- सवाई माधोपुर

क्रमांक:-2025-26/330 दिनांक 01/05/2025

ई-निविदा सूचना संख्या -02/2025-26

... www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in ...

NIB No.ZSM2526A0250 UBN No.ZSM2526GLOB00298

कार्यालय ग्राम पंचायत बालेर, पंचायत समिति- खण्डार जिला - सवाई माधोपुर

क्रमांक:-2025-26/330 दिनांक 01/05/2025

ई-निविदा सूचना संख्या -02/2025-26

... www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in ...

NIB No.ZSM2526A0251 UBN No.ZSM2526GLOB00299

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी नगरपालिका किशनगढ़बास, खैरथल-तिजारा

क्रमांक:- 282 लोक सूचना दिनांक:- 02/05/2025

प्रारूप-10 नियम 6 (7) देखिए

... प्राधिकृत अधिकारी, नगरपालिका किशनगढ़बास, खैरथल-तिजारा

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी नगरपालिका किशनगढ़बास, खैरथल तिजारा

क्रमांक:-260 लोक सूचना दिनांक-01/05/2025

प्रारूप-10 नियम 6 (7) देखिए

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा नं.	क्षेत्र
खैरथल, खैरथल-तिजारा	बाघोर हल्का पटवार बाघोर	207,208,209,210,211,212,213,214,215,216,217,218,96,97,98,99,100,101,192,193,194,110,104,239,264,186,225,226,227	8.8900 है.

... प्राधिकृत अधिकारी, नगरपालिका किशनगढ़बास, खैरथल-तिजारा

संक्षिप्त

अधिवक्ता भुवन ऋभु सम्मानित

निवाई। बाल अधिकारों की सुरक्षा में सराहनीय कार्य करने पर सिकोइडकोन संस्था एवं भारतीय बाल अधिकार अधिवक्ता भुवन ऋभु को वर्ल्ड ज्यूरिस्ट एसोसिएशन का मेडल ऑफ ऑनर से सम्मानित किया गया। यह सम्मान डोमिनिकन रिपब्लिक में आयोजित वर्ल्ड लॉ कांठोस सम्मान समारोह में प्रदान किया गया। सिकोइडकोन संस्था प्रतिनिधि किरण शर्मा ने बताया कि सम्मान समारोह में 70 से अधिक देशों से करीब 1 हजार 500 से अधिक विधिवेत्ता व 300 वक्ताओं ने भाग लिया। इस सम्मान को प्राप्त करने वाले अधिवक्ता भुवन ऋभु पहले भारतीय अधिवक्ता बने हैं। उन्होंने बताया कि यह पुरस्कार अब तक विंस्टन चर्चिल, नेल्सन मंडेला व रूथ बेडर गिन्सबर्ग जैसी वैश्विक हस्तियों को मिला है। संस्था ठााम चेतना केन्द्र के साथ मिलकर बाल विवाह, बाल तस्करी व यौन शोषण की रोकथाम के लिए कार्य कर रही है। भुवन ऋभु की कानूनी विशेषज्ञता और रणनीतिक मार्गदर्शन से जिले में बच्चों की सुरक्षा हेतु प्रभावशाली बदलाव आए हैं।

साधारण सभा की बैठक कल

निवाई। स्थानीय पंचायत समिति के सभागार में गुरूवार को प्रधान रामअवतार लांगडी की अध्यक्षता में साधारण सभा की बैठक आयोजित होगी। विकास अधिकारी राजेश्वरी यादव ने बताया कि बैठक में बिजली, पानी, चिकित्सा, सडक एवं गत बैठक की कार्रवाई की पालना रिर्पोट सहित स्वच्छता योजना, सिंचाई योजना, खाद्य एवं आपूर्ति योजना, राजस्व विभाग योजना, समाज कल्याण योजना, पशुपालन योजना, मनरेगा योजना, वार्षिक कार्य योजना, बजट 2024-25 का अनुमोदन एवं मौसमी बीमारियों सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। बैठक में सरपंच, पंचायत समिति सदस्य, जिला परिषद सदस्य सहित समाज कल्याण विभाग, कृषि विभाग, बीसलपुर परियोजना विभाग, राजस्व विभाग, जलदाय विभाग, विद्युत विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग, पशुपालन विभाग, शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, चिकित्सा विभाग, आयुर्वेद विभाग एवं रसद विभाग सहित सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधि भाग लेंगे।

10 जोड़े एक सूत्र में बंधे

बौंली- बामनवास । सवाई माधोपुर जिला मुख्यालय के एक मैरिज गार्डन में 5 मई जानकी नवमी को देर रात्रि तक वैष्णव ब्राह्मण सेवा संस्थान जिला सवाई माधोपुर द्वारा आदर्श सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित किया गया । सामूहिक विवाह सम्मेलन में देश भर से आए 10 जोड़ों का मंत्रोचार के साथ विवाह संपन्न कराया गया। सामूहिक विवाह सम्मेलन में मुख्य अतिथि समाज रत्न आचार्य विष्णु शास्त्री रहे, अध्यक्षता डॉक्टर मस्तराम महंत प्रदेश अध्यक्ष राजस्थान आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी संघ ने की, विशिष्ट अतिथियों में सवाई माधोपुर जिला अध्यक्ष लोकेंद्र वैष्णव, पूर्व अध्यक्ष रघुनाथ वैष्णव, पूर्व सरपंच मुरारी लाल वैष्णव एवं सुदामा बैरागी सहित अन्य सामाजिक लोग उपस्थित थे। सामूहिक विवाह सम्मेलन के दौरान सवाई माधोपुर जिले के अलावा अन्य प्रांत से आए वैष्णव समाज के महिला पुरुषों ने नव विवाहित जोड़ों को शुभकामनाएं दी।

रास्ता खोलो अभियान के तहत प्रत्येक ब्लॉक में 50-50 रास्ते एक माह में खुलवाने का लक्ष्य

जिला कलेक्टर डॉ. अर्तिका शुक्ला ने अलवर मिनी सचिवालय के कलेक्ट्रेट सभागार में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कर समीक्षा बैठक ली।

■ जिले में चाइल्ड फ्रेंडली आंगनबाड़ी विकसित कराने के लिए निर्देशित किया

अलवर। जिला कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने मंगलवार को मिनी सचिवालय के कलक्ट्रेट सभागार में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से साप्ताहिक समीक्षा बैठक ली। बैठक में जिला कलेक्टर शुक्ला ने जिले में संचालित केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन कराने एवं विकास कार्यों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराने व नियमित रूप से कार्यालय में आमजन की परिवेदनाओं को सुनने तथा जनसुनवाई एवं विभिन्न माध्यमों से आने वाले प्रकरणों का त्वरित निराकरण करने के साथ जिले में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था की प्रभावी मॉनिटरिंग कर सुचारू पेयजल आपूर्ति कराने के निर्देश दिये है।

जिला कलेक्टर ने बैठक में उपखण्ड अधिकारियों एवं विकास अधिकारियों को निर्देशित किया कि ठाामीण क्षेत्र में बाधित रास्तों को समन्वय स्थापित कर आमजन की सहमति से खुलवाया जाना सुनिश्चित करें। रास्ते खुलने से आवागमन सुगम होने के साथ कृषि आदि कार्य में भी सहूलियत होगी। उन्होंने तहसीलवार एक माह में 50-50 रास्ते खुलवाने का लक्ष्य देकर विकास अधिकारियों को निर्देश दिये कि जिन रास्तों में ठोवल सडक की आवश्यकता है वहां ठोवल सड़क बनाने के प्रस्ताव भी बनाकर भिजवाएं । विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियन्ता को निर्देशित किया कि वह उपखण्ड अधिकारी से समन्वय स्थापित कर जिले में ब्लॉकवार पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के शिविर आयोजित करें। इस योजना के तहत मिलने वाली सब्सिडी, घर के जीरो बिल होने तथा अतिरिक्त विद्युत उत्पादन से अतिरिक्त आय होने के लाभ के बारे में आमजन में व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार करावे। इस योजना के क्रियान्वयन में स्थानीय जनप्रतिनिधियों का भी सहयोग लेवे।

जिला कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास विभाग के उप निदेशक को कहा कि उपखण्ड अधिकारियों से समन्वय कर सरकारी व सीएसआर मद से प्रत्येक ब्लॉक में पांच - पांच आंगनबाडी चिन्हित कर चाइल्ड फ्रेंडली आंगनबाडी के रूप में विकसित करावे। इन आंगनबाडियों की मरम्मत, चाइल्ड फ्रेंडली रंगरोगन व फर्नीचर की व्यवस्था कराने के साथ यह सुनिश्चित करें कि इनमें अन्य सभी मूलभूत सुविधाएं अच्छी गुणवत्ता की रहे। उन्होंने जिला परिषद के सीईओ को मानसून से पूर्व मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन योजना व मनरेगा योजना में स्वीकृत कार्यों को गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने एमजेएसए के प्रगतिरत कार्यों में आगामी दस दिवस में 50 फीसदी प्रगति लाने के निर्देश दिये तथा इसी प्रकार मनरेगा योजना में प्रगतिरत कार्यों को 25 मई तक पूर्ण करने के निर्देश दिये है। जिला कलेक्टर ने मेवात विकास योजना एवं सांसद व विधायक निधि कोष के कार्यों की समीक्षा कर निर्देश दिये कि तकनीकी व वित्तीय स्वीकृति आदि कार्य समयबद्ध रूप से पूर्ण कराकर कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करावे। उन्होंने हीट स्ट्रोक की तैयारियों की समीक्षा कर निर्देश दिये कि आपदा प्रबंधन विभाग की गाइड लाइन के अनुरूप पुख्ता तैयारियां रखे। उन्होंने ई-विद्या अभियान के तहत जिले के सरकारी स्कूलों में बनाई जा रही ई-लाइब्रेरी की समीक्षा कर जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि शेष रही ई-लाइब्रेरियों को भी समयबद्ध रूप से पूर्ण करावे।

बैठक में एडीएम प्रथम मुकेश कायथवाल, उपखण्ड अधिकारी अलवर यशार्थ शेखर सहित वीसी के माध्यम से समस्त उपखण्ड अधिकारी व विकास अधिकारी बैठक से जुडे तथा विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियन्ता सुधीर पाण्डे, महिला एवं बाल विकास विभाग के उप निदेशक महेश गुप्ता व जिला शिक्षा अधिकारी मनोज शर्मा सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

सार-समाचार

विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन

श्रीमाधोपुर । स्थानीय विद्यालय राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय नं. 2, श्रीमाधोपुर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीकर व तालुका विधिक सेवा समिति श्रीमाधोपुर के एक्शन प्लान मई 2025 की अनुपालना में विधिक साक्षरता शिविर के तहत पीएलवी चेतन चौहान के द्वारा बच्चों को मजदूर दिवस के उपलक्ष में विधि से संबंधित बालकों, बाल श्रम, बाल विवाह, बच्चों के कल्याण के लिए आरएसएलएसए योजना और कानून के साथ संघर्ष कैदियों के बारे में जानकारी दी गई। शिविर में श्री हंसराज वर्मा (प्र.अ.), सोहन लाल कुमावत, पूरण मल वर्मा, महेन्द्र कुमार शर्मा, अविनाश बराला, आरती कुमावत और सुरता चौधरी उपस्थित रहे।

जामडोली को यथावत रखने की मांग

निवाई। ग्राम पंचायत जामडोली के ग्रामीणों ने पूर्व सरपंच सत्यनारायण पंचोली के नेतृत्व में जामडोली को यथावत ग्राम पचायत रखने की मांग को लेकर जिला कलेक्टर सौम्या झा व एसडीएम सुरेशकुमार हरसोलिया को ज्ञापन सौंपा है। ग्रामीणों ने बताया कि ठााम पंचायत जामडोली वर्तमान में ग्राम पंचायत है परंतु पंचायत परिसीमन में जामडोली को ग्राम पंचायत दत्तवास में जोडने का प्रस्ताव किया गया है। जबकि जामडोली में पहले सक ही अटल सेवा केन्द्र व पंचायत का भवन सहित कई सरकारी दफ्तर है। उन्होंने ज्ञापन सौंपकर जामडोली को यथावत ग्राम पंचायत रखने की मांग की है। ज्ञापन देने वालों में सत्यनारायण शर्मा, नेता भाजपा भरतलाल, जगदीश रैगर, जन्सीलाल, रामकेश व जगदीश पटेल सहित कई ग्रामीण मौज्द थे।

5 दर्जन नेत्र रोगियों की जांच

मालपुरा (निस) रोटरी क्लब मालपुरा सीटी एवं जिला अंधता निवारण समिति के संयुक्त तत्वाधान मे मंगलवार को शहर की आदिनाथ धर्मशाला मे नि:शुल्क मोतियाबिंद जांच एवं लैंस प्रत्यारोपण शिविर आयोजित किया गया। नेत्र रोग विशेषज्ञ ने पांच दर्जन नेत्र रोगियों की जांच कर दो दर्जन मरीजों को चश्मे वितरित कर नि:शुल्क ऑपरेशन किये गये। बीस नेत्र रोगियों को चयन किया गया। इस दौरान राजकुमार गुप्ता, शेर सिंह राजावत, डॉ. अंकित जैन सहित क्लब परिवार सदस्य मौजूद रहै।

अतिक्रमण हटाया

बौंली- बामनवास । सवाई माधोपुर जिला प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे अतिक्रमण हटाओ अभियान के तहत तहसीलदार बौंली के आदेशानुसार राजस्व ग्राम धनेसरा के खसरा नंबर 896, 879, 968, 991 व 992 की गैर मुमकिन रास्ते से पटवारी अलूदा, कोडियाई, जस्टाना, सरपंच, ठााम विकास अधिकारी एवं पुलिस बल के साथ मुस्तकिल बिंदु से जरीब चलाकर सीमाज्ञान कराने के बाद जेसीबी की सहायता से अतिक्रमण हटाकर रास्ता सुचारू रूप से खुलवाया गया।

कलशयात्रा में उमड़े श्रद्धालु

सिरस। सन्यास दस नाम जूना अखाड़ा आश्रम सिरस पपलाज माता व बालाजी मंदिर में चल रहे पंच कुंडीय महायज्ञ मंगलवार को पूर्णाहुति के साथ संपन्न हुआ। 4 मई से शुरू हुए यज्ञ में समापन पर वैदिक मंत्रोच्चारण हवन व पूर्णाहुति के साथ संपन्न हुआ। इससे पूर्व श्रद्धालुओं ने कलश यात्रा निकाली। यज्ञ में हवन में भी काफी श्रद्धालु शामिल हुए। यज्ञ में कई संतों ने प्रवचन देते हुए यज्ञ व उसके महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। पूर्णाहुति के बाद महाआरती में कई श्रद्धालुओं ने भाग लिया। आयोजनकर्ता संत सुखानंद महाराज व सोमगिरि महाराज ने यज्ञ संपन्न करवा कर सभी को बुराई छोड़ने व अच्छाई को ग्रहण करने का संकल्प दिलवाया। इस अवसर केसर सिंह, देवराज सिंह, दुर्गा सिंह, रामदयाल जाट व पायलट सहित कई श्रद्धालु मौजूद थे।

'वक्फ सुधार कानून मुस्लिमों के हित में'

■ बैठक में वक्फ सुधार अभियान की विधानसभावार कार्यशाला को लेकर चर्चा की गई

टोंक । भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाये जा रहे अभियान वक्फ सुधार जनजागरण को लेकर जिला समिति की बैठक भाजपा जन संवाद कार्यालय टोंक पर भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में वक्फ सुधार अभियान की विधानसभावार कार्यशाला को लेकर चर्चा की गई।

भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान ने बताया किअ, विशेष रूप से गरीब मुस्लिमों के हित में हैं, देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वक्फ कानून में संशोधन कर यह सुनिश्चित किया है कि गरीब मुस्लिमों को उनकी वाजिब संपत्ति और अधिकार मिल सकें। वक्फ सुधार जन जागरण अभियान के जिला संयोजक प्रभु बाडोलिया ने बताया कि वक्फ संशोधन अधिनियम के विषय में भाजपा जिला टोंक में विधानसभा वार कार्यक्रम तय किए हैं, 8 मई को उनियारा में कार्यशाला होगी, जिसमें मुख्य वक्ता भाजपा प्रदेश महामंत्री व खंडार विधायक जितेन्द्र गोठवाल रहेंगे तथा उसी दिन निवाई में भी कार्यशाला होगी जिसमें मुख्य वक्ता भाजपा प्रदेश महामंत्री व खंडार विधायक जितेन्द्र गोठवाल रहेंगे।

उन्होंने बताया कि 11 मई को टोंक में कार्यशाला होगी जिसमें मुख्य वक्ता केबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल होंगे तथा उसी दिन टोडा-मालपुरा में भी कार्यशाला आयोजित होगी। भाजपा जिलाध्यक्ष चंद्रवीर सिंह चौहान ने बताया कि वक्फ सुधार जन जागरण को लेकर 10 मई को अजमेर संभाग सम्मेलन में राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा का प्रवास तय हुआ हैं। इस अवसर पर बैठक में शैलेंद्र चौधरी, रामकिशन गुर्जर, वकार खान, अब्दुल राशिद, राजेश शर्मा, लोकेश गुप्ता, अंजलि गुप्ता, नाजमा परवीन, सहित अन्य कार्यकर्ताअ मौजूद रहे।

सैकड़ों लोगों ने शिविर का उठाया लाभ

पावटा। जीवन बचाओ आंदोलन और शंकरा आई हॉस्पिटल जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को विराटनगर कस्बा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा एवं लैंस प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन किया गया। जीवन बचाओ आंदोलन के मुख्य संयोजक एवं शिविर संयोजक नित्येन्द्र मानव ने बताया कि शिविर में सैकड़ों लोगों ने भाग लिया। जिनमें से दर्जन भर से ज्यादा लोगों को मोतियाबिंद पाया गया। जिन्हें ऑपरेशन के लिए जयपुर स्थित शंकरा हॉस्पिटल ले जाया गया।

■ लैंस प्रत्यारोपित किए जाने को लेकर दर्जनों लोगों को चिन्हित किया

जीवन बचाओ आंदोलन और शंकरा आई हॉस्पिटल जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में नेत्र शिविर का आयोजन किया ।

शिविर का निरीक्षण करते हुए बीसीएमओ डॉ. सुनील मीना, सीएचसी प्रभारी डॉ. चेतन देव सैनी व राजकीय आयुर्वेद औषधालय विराटनगर के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ राजेंद्र वर्मा ने कहा कि मोतियाबिंद की समस्या के चलते भारत में करोड़ों लोगों के जीवन में अंधेरा छा जाता है।

जिससे उनका जीवन बेहद कष्टमय हो जाता है। इसलिए हम सब की नैतिक जिम्मेदारी है कि मोतियाबिंद से पीड़ित लोगों को राज्य सरकार द्वारा आयोजित किए जा रहे शिविरों में ले जाकर इनके जीवन से अंधेरा मिटा कर इंसानियत के प्रति अपना कर्तव्य निभाए। शिविर में जीवन बचाओ आंदोलन के मुख्य संयोजक एवं शिविर संयोजक नित्येन्द्र मानव, बलवंत मीना, विनोद सूरजपुर, पवन खर्रा, अजय व विष्णु मीना, नरेश दुहारिया सहित अनेकों कार्यकर्ता उपस्थित रहते हुए अपनी सेवाए दी।

क्रिकेट प्रतियोगिता के पोस्टर का विमोचन

■ 11 मई को आयोजित होगा चौम में लक्की ड्रॉ एवं टी-शर्ट लॉन्चिंग का कार्यक्रम

चौमू / कालाडेरा । जयपुर-सीकर एक्सप्रेस हाईवे पर स्थित चौमूं क्षेत्र के जैतपुरा गांव के वीर तेजाजी खेल मैदान में 18 मई से होने वाली ओपन रात्रिकालीन क्रिकेट प्रतियोगिता के पोस्टर का विमोचन चौमूं के पूर्व विधायक रामलाल शर्मा द्वारा किया गया और साथ ही आयोजन कर्ता सर्व ब्राह्मण महासभा खेल प्रकोष्ठ के अध्यक्ष एवं समाजसेवी राकेश शर्मा को कार्यक्रम को शांतिपूर्ण सफल करवाने की अठिाम शुभकामनाएं प्रेषित की रामलाल शर्मा ने बताया कि यह खेल अनुशासन और सहकार्य की भावना को भी बढ़ावा देता है।

क्रिकेट के माध्यम से युवा अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रेरित होते हैं। इस खेल ने भारत को एकजुट करने का कार्य किया है, और भविष्य में भी यह खेल लोगों को उत्साहित करने का एक प्रमुख माध्यम बना रहेगा। क्रिकेट प्रतियोगिता के मुख्य आयोजन कर्ता राकेश शर्मा ने कहा कि इस खेल आयोजन में देश के कोने-कोने की टीमें एवं खिलाड़ी भाग ले रहे हैं और इन सभी के लिए खाने-पीने एवं रहने की अच्छी व्यवस्था की गई है प्रतियोगिता के संयोजक अनिल शर्मा ने सभी टीमों के कप्तानों एवं स्पॉन्सरों को सूचित करते हुए कहा है कि 11 मई को चौमूं क्षेत्र की एक निजी होटल में प्रतियोगिता के सभी मैचों के लक्की ड्रा पर्ची एवं लिस्ट तथा टी-शर्ट लॉन्चिंग का कार्यक्रम रखा गया है। पोस्टर विमोचन इस दौरान सर्व ब्राह्मण महासभा के जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम शर्मा, पूर्व सरपंच बलवीर शर्मा, राजेश शर्मा, सूरज शर्मा एवं कमेटी के सदस्य उपस्थित रहे।

शिवमहापुराण सुनने बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालु

■ महादेव की अराधना ही उन्नित का उत्तम मार्ग : पंडित श्रीकृष्ण

पावटा। बंसल परिवार के तत्वाधान एवं मंदिर महंत रामकरण पुजारी, गोविंद पुजारी, राहुल पुजारी, विकास पुजारी के सान्निध्य व नरसिंह मंदिर कमेटी, आदर्श रामलीला मंडल पावटा एवं बाबा भूतनाथ जोहडा धाम मंदिर कमेटी के सौजन्य से श्री नृसिंह मंदिर पावटा में आयोजित श्री शिव महापुराण कथा के दूसरे दिन भी वृंदावन धाम से पधारे कथावाचक पंडित श्रीकृष्ण गोपाल सुवेदी महाराज के मुखारविंद से कथा सुनने बडी संख्या में भक्त पहुंचे ।

भोलेनाथ की भक्ति से परिपूर्ण श्रद्धालुओं का उत्साह कम नही हुआ। श्री नृसिंह मंदिर पावटा कथास्थल, कथा का रसपान करने आये श्रद्धालुओं से पूर्णत: भरा हुआ था। कथावाचक पंडित श्रीकृष्ण गोपाल सुवेदी महाराज ने दूसरे दिन कथा में अपना जीवन सनातन संस्कृति के प्रसार में लगाने की बात कही। उन्होंने कहा कि आज सनातन धर्म के प्रति लोग जागरूक हुए हैं अब लोगों में धर्म के प्रति आस्था जगी है। उन्होंने कहा कि महादेव की भक्ति करें सिर्फ वही है जो आपका भविष्य तय करते हैं। शंकर भगवान का भजन करें वही दुनिया का भाग्य लिखने वाले है। जिसे भगवान का प्रेम प्राप्त हो वह भाग्यशाली है। भगवान के विषय में जानने के लिए जिज्ञासु हो, वह भाग्यवान है। हम लोग जिस कलयुग में जी रहे हैं इस युग में बड़े-बड़े महात्माओं ने गहरा चिंतन किया है जो भक्ति को धारण करता है वह कलयुग के प्रभाव से बच जाता है।

जीवन में तीन ताप परेशान करें तो भगवान के निकट पहुंच जाएं जिससे हमें तीनों ताप से छुटकारा मिलता है। तब तक कलयुग के पाप परेशान करेंगे जब तक शिवपुराण हमारे जीवन में शामिल ना हो जाए यही शिवपुराण की महिमा है। भगवान शंकर जी मंगल राशि है उनका नाम और ध्यान भी मंगलमय है। शिव जैसा समान दृष्टा कौन होगा, महादेव दैत्य एवं देवों के लिए सदा कृपा वंत रहते हैं इस दौरान श्रद्धालु गण उपस्थित रहे। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। इस अवसर पर पंडित सुरेश शर्मा पत्रकार, दौलत अठावाल, उमाकांत बंसल, पूर्व वार्ड पार्षद सांवरमल, विनोद बंसल, विष्णु बंसल, दिनेश बंसल, महेश बंसल, सुशील चौधरी, गोपाल चौधरी, अशोक चौधरी, राजेंद्र प्रसाद गौड, श्रवण कुमार गौड, रमाकांत शर्मा, बाबा भूतनाथ मंदिर जोहडा धाम पावटा कमेटी संरक्षक दिनेश शर्मा, रामोतार शर्मा, मामराज, सुनील गौड, संतोष गुप्ता, सुशील गौड, गोपाल, विनय गोयल, आकाश शर्मा, धर्मेंद्र शर्मा, अमित शर्मा, अमित बटवाल, प्रदीप टांक, रामशरण बोहरा, हिमांशु शर्मा, निखिल शर्मा, सुभाष टीलावत सहित आदर्श रामलीला मंडल व बाबा भूतनाथ कमेटी पदाधिकारी व कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

बरसात होने से मौसम हुआ खुशनुमा

निवाई । उपखण्ड मुख्यालय पर सोमवार की रात अचानक हुई बरसात से मौसम सुहावना हो गया। जिससे पिछले एक माह से हो रही तेज धूप व गर्मी से लोगों को निजात मिली। बुधवार को भी सुबह से ही आसमान में काले बादल छाए रहे। जिससे तापमान में गिरावट रही और मौसम खुशनुमा हो गया। जिससे गर्मी से राहत मिली। आसमां में घने काले बादल छाने से दिन में भी अंधेरा रहा। जिससे वाहन चालक दिन में ही वाहनों की हेड लाईटे जलाकर राष्ट्रीय राजमार्ग पर सफर करते हुए नजर आए। बरसात होने से कई स्थानों व सडकों पर भारी पानी भर गया तथा पिछले एक माह से पड़ रही भीषण गर्मी से निजात मिली।

मॉक ड्रिल के दौरान घबराए नहीं, सक्रिय भागीदारी निभाएं

■ मुख्य सचिव ने नागरिक सुरक्षा, पूर्वाभ्यास के लिए निर्देश दिए

अलवर । मुख्य सचिव सुधांश पंत ने मंगलवार को सभी जिलों के कलक्टर एवं अन्य अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस बैठक में भारत सरकार की ओर से बुधवार 7 मई को प्रस्तावित मॉक ड्रिल के बारे में विस्तार से जानकारी दी। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्य सचिव ने बैठक में बताया कि भारत सरकार ने इस मॉक ड्रिल को 'ऑपरेशन अभ्यास' नाम दिया है जो प्रशासनिक, पुलिस, नागरिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य कार्मिकों के साथ-साथ आम नागरिकों के लिए भी आपात स्थिति में सुरक्षित व्यवहार सीखने का महत्वपूर्ण अवसर है। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने प्रस्तावित पूर्व अभ्यास के क्रम में मुख्य सचिव की ओर से दिए गए निर्देशों और मॉक ड्रिल के लिए निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) की पालना सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की है कि वे 7 मई 2025 (बुधवार) को केन्द्रीय गृह मंत्रालय के निर्देशन में आयोजित हो रही सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल में सक्रिय रूप से भाग लें। उन्होंने कहा है कि सभी लोग इस अभ्यास का किसी भी आपात स्थिति में नागरिक सुरक्षा से संबंधित सबक सीखने के अवसर के रूप में उपयोग करें। जिला कलक्टर ने कहा कि गृह मंत्रालय भारत सरकार के निर्देश पर 'हवाई हमले की स्थिति' से निपटने का पूर्वाभ्यास किया जाएगा। इस क्रम में रात के समय ब्लैक आउट का भी पूर्वाभ्यास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह राष्ट्रव्यापी अभ्यास आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया, संसाधनों के बेहतर प्रबंधन और विभागीय समन्वय की कसौटी पर खरा उतरने का पूर्वाभ्यास है, जिसमें गांव स्तर तक सभी लोगों की भागीदारी महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि इस अभ्यास का उद्देश्य न केवल आपदा के समय प्रशासन की तैयारियों को परखना है, बल्कि आम नागरिकों, विशेषकर विद्यार्थियों और युवाओं को आपदा प्रबंधन एवं सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूक और प्रशिक्षित करना भी है। जिला कलक्टर ने कहा कि हवाई हमले की चेतावनी प्रणाली, हॉटलाइन/रेडियो लिंक, नियंत्रण कक्षों की कार्यप्रणाली, ब्लैकआउट तैयारी, मेडिकल, रसद और अग्निशमन व्यवस्था जैसी व्यवस्थाओं का अभ्यास इस ड्रिल में किया जाएगा। उन्होंने एनसीसी, एनएसएस, स्काउट गाइड, विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के विद्यार्थियों से विशेष रूप से इस गतिविधि में भाग लेने का आठाह किया है ताकि आपदा की स्थिति में वे समाज के लिए मजबूत सहयोगी बन सकें। सभी नागरिकों, शिक्षण संस्थानों, स्वयंसेवी संगठनों और विभागीय अधिकारियों से अनुरोध है कि वे इस अभ्यास में अपनी जागरूक, जिम्मेदार और सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें और जिले को आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में सशक्त बनाने में योगदान दें।

लूट की कहानी निकली झूठी

टोक। पीपलू थाना क्षेत्र में हुई लूट की वारदात के दौरान पिकअप चालक द्वारा रची गई एक फर्जी कहानी में 8 लाख 92 हजार 900 रुपये की रकम को लेकर हुई घटना का फर्दाफाश करते हुए पुलिस ने आरोपियों की साजिश का भंडाफोड़ किया एवं रकम को भी बरामद की। पीपलू थाना प्रभारी उदयवीर सिंह ने बताया 3 मई को पीपलू थाने में एक सूचना दी गई थी कि पिकअप चालक के साथ नकाबपोश बदमाशों ने लाखों रुपये की लूट की है। जिस दौरान परिवादी चालक मुकेश माली टोंक मंडी से माल लेकर लौट रहा था, तभी चार नकाबपोश व्यक्ति काले रंग की थार में आए और उसके साथ मारपीट कर 8 लाख 92 हजार 900 रुपये लूटकर फरार हो गए। घटना की गंभीरता को देखते हुए टोंक पीपलू थाना प्रभारी उदयवीर सिंह के द्वारा गठित टीम ने घटनास्थल के आसपास के 4-5 सीसीटीवी कैमरे खंगाले गए, साथ ही पास के दुकानदारों और स्थानीय लोगों से भी पूछताछ की गई। तभी पुलिस को शक हुआ और चालक मुकेश माली से कड़ाई से पूछताछ की गई।

देवयानी तीर्थ स्थल की सफाई के लिए 1.80 लाख का टेंडर

■ बुद्ध पूर्णिमा को भरेगा वार्षिक मेला, सरोवर के अंदर की गंदगी हटाना पालिका के लिए चुनौती

सांभरझील, (निसं)। यहां से 1 किलोमीटर दूर तीर्थो की नानी के नाम से विख्यात देवयानी तीर्थ स्थल पर आगामी 12 मई शनिवार बुद्ध पूर्णिमा को विशाल मेला भरेगा, लेकिन पालिका प्रशासन की ओर से कुंड के अंदर व्याप्त गंदगी को अभी तक भी नहीं हटाया गया है। संपूर्ण सरोवर में कमलगट्टों जाल फैला हुआ है, कुंड के पानी से आचमन कर हजारों श्रद्धालु जिनमें महिलाओं की तादाद सबसे अधिक होती है अपनी आस्था प्रकट कर मैया देवयानी से परिवार की खुशहाली के लिए कामना भी करती है। यह बताना जरूरी है कि पूरे 1 साल में नगर पालिका कभी भूल से इसकी सफाई करवाई हो तो अलग बात है लेकिन कभी भी कृत्रिम कुंड और सरोवर की साफ सफाई नहीं करवाई।

पानी इतना ज्यादा मटमैला और कचरा फैला हुआ है कि आचमन करना तो दूर उस पानी के नजदीक भी आसानी से इसलिए नहीं बैठ जा सकता की एलगी कि उसमें गंध आती है। स्थानीय व बाहर से आने वाले श्रद्धालु बताते हैं कि ऐसे में अब सवालिया निशान यह खड़े हो रहे हैं कि जब कुंड में अपनी ही नगर पालिका शुद्ध पानी का नहीं इंतजाम कर सकी तो केवल साफ सफाई पर एक लाख 80 हजार का टेंडर जारी कर अब क्या प्रदर्शित करना चाहती है, लोगों का कहना है कि सफाई तो चलो होनी चाहिए लेकिन वास्तविक रूप से मेले में आने वाले लोगों को जो सुविधा मिलनी चाहिए उसके लिए पालिका क्या कदम उठा रही है। बता दे की पालिका की की ओर से एक प्राकृतिक होद बनवाया हुआ है जिसमें निजी टैंकरों से मीठा पानी भरवा कर श्रद्धालुओं के लिए नहाने की वैकल्पिक व्यवस्था की जाती है, लेकिन सरोवर के भीतर जमा गंदगी को हटाने के लिए पहले से यदि ठोस कार्रवाई होती तो श्रद्धालु घाट पर बैठकर ही आचरण कर सकते थे। पालिका की ओर से मेले को ध्यान में रखते हुए 19 मार्च को साफ सफाई का ठेका छोड़ा गया है।

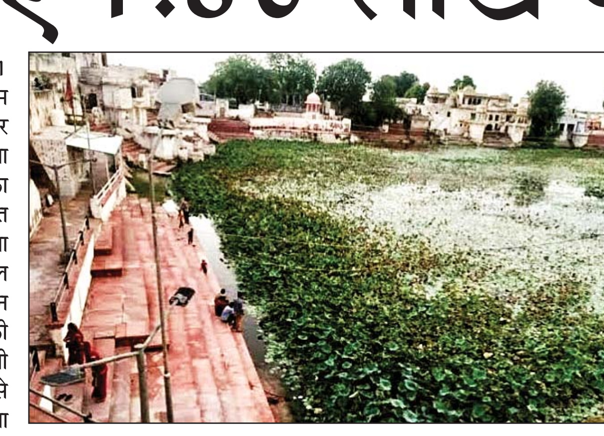

देवयानी तीर्थ स्थल पर स्थित कुंड में सफाई नहीं होने से यहां आचमन करने वाले श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ता हैं ।

कप्तानी खुश रहने के लिए छोड़ी थी। मैंने सोचा कि अब बहुत हो गया और जिंदगी में खुश रहने के लिए आखिर में कप्तानी छोड़ने का फैसला किया। - विराट कोहली

भारतीय बल्लेबाज, कप्तानी छोड़ने को लेकर बोलते हुये।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

कगिसो रबाड़ा

गुजरात टाइटंस के खिलाड़ी कगिसो रबाडा पर ड्रग्स लेने के चलते बैन लगाया गया था। अब इस खिलाड़ी की टीम में वापसी हो सकती है। क्योंकि रबाडा पर लगा बैन अब हट चुका है। उन्होंने ड्रग सेवन उपचार कार्यक्रम भी पूरा कर लिया है जिसके बाद अब इस खिलाड़ी की आईपीएल टूर्नामेंट में वापसी हो सकती है।कगिसो रबाडा गुजरात टाइटंस के लिए इस आईपीएल सीजन की शुरुआत में दो मैच खेल चुके हैं। इस खिलाड़ी ने पहला मैच पंजाब किंग्स और दूसरे मैच मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेला। इसके बाद रबाडा को उनके देश साउथ अफ्रीका बुला लिया गया।

क्या आप जानते हैं ?... सबसे अधिक मैच खेलने और जीतने का रिकॉर्ड मुंबई इंडियंस के नाम है, जबकि गुजरात टाइटन्स (जीटी) का जीत प्रतिशत सबसे अधिक (62.22) है।

रोमांचक मुकाबले में गुजरात टाइटंस ने मुंबई इंडियंस को तीन विकेट से हराया

मुम्बई, 6 मई। गुजरात टाइटंस ने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद शुभमन गिल (नाबाद 38), शरफेन रदरफोर्ड (नाबाद 26) की दमदार बल्लेबाजी की बदौलत मंगलवार को इंडियन प्रीमियर लीग के 56वें मैच में मुम्बई इंडियंस को डकवर्थ लुईस पद्धित से तीन विकेट से हरा दिया है।

156 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात टाइटंस की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने दूसरे ही ओवर में सलामी बल्लोबज साई सुदर्शन (पांच) रन का विकेट गवां दिया। इसके बाद बल्लेबाज करने आये जॉश बटलर ने कप्तान शुभमन गिल के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिये 72 रनों की साझेदारी हुई। 12वें ओवर में अश्विनी कुमार ने जॉश बटलर 27 गेंदों में 30 रन को आउटकर गुजरात को दूसरा झटका दिया।

14वें ओवर की समाप्ति पर बारिश के कारण खेल रोके जाने के समय गुजरात ने दो विकेट पर 107 रन बना लिये थे। बारिश रूकने के बाद खेल शुरु होने पर गेंदबाजी करने आये जसप्रीत बुमराह ने 15वें ओवर की पांचवीं गेंद पर शुभमन गिल को बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। गिल ने 46 गेंदों में तीन चौके और एक छक्का लगाते हुए (43) रनों की पारी खेली। अगले ही ओवर में ट्रेंट बोल्ट ने शरफेन रदरफोर्ड 15 गेंदों में (28) रन को पगबाधा आउट किया। 17वें ओवर में बुमराह ने शाहरुख खान (छह) को बोल्ड कर अपना दूसरा विकेट लिया। इसके बाद अश्विनी कुमार ने राशिद खान (दो) को आउटकर मैच मुम्बई के पक्ष में कर दिया। 18 ओवर के बाद फिर से बारिश शुरु होने के समय गुजरात ने छह विकेट पर 132 रन बना लिये है हालांकि डकवर्थ लुईस पद्धित के अनुसार गुजरात मैच में चार रन पीछे है।बारिश रूकने के बाद गुजरात को एक ओवर में 15 रन बनाने का लक्ष्य मिला। गेराल्ड कोएत्जी छह गेंदों में (12) रन बनाकर सातवें विकेट के रूप में आउट हुये। गुजरात ने 19 ओवर में सात विकेट पर 147 के लक्ष्य को हासिल कर मुकाबला तीन विकेट से जीत लिया।

राहुल तेवतिया आठ गेंदों में (11) रन बनाकर नाबाद रहे। मुम्बई इंडियंस की ओर से जसप्रीत बुमराह ,ट्रेंट बोल्ट और अश्विनी कुमार ने दो-दो बल्लेबाज को आउट किया। दीपक चाहर को एक विकेट मिला। इससे पहले आज यहां गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया।

भारत को किसी भी वेन्यू पर पाकिस्तान से क्रिकेट नहीं खेलना चाहिए : गंभीर

नई दिल्ली, 6 मई। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के बाद भारतीय टीम इंग्लैंड का दौरा करेगी। इस दौरान दोनों टीमों के बीच 5 टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जाएगी। इंग्लैंड दौरे पर विराट कोहली और रोहित शर्मा को मौका मिलेगा या नहीं, हेड कोच गौतम गंभीर ने अभी से ये साफ कर दिया है। इतना ही नहीं पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने पहलगाम हमले पर भी बात की। गौतम गंभीर ने कहा कि रोहित शर्मा या विराट कोहली को टीम में लेना उनके बस में नहीं है। चयन समिती टीम का चुनाव करती है। बतौर कोच उनका काम सिर्फ बेस्ट प्लेइंग 11 तैयार करना होगा।

गौतम गंभीर ने कहा कि, मान्याता बनाई हुई है कि कोच टीम तैयार करता है, इसे समाप्त किया जाना चाहिए। ना मुझसे पहले वाले कोच टीम सिलेक्शन करते थे और ना मैं करता हूं। इस सवाल का जवाब सिलेक्टर बेहतर तरीके से दे सकते हैं। वहीं गंभीर ने आगे कहा कि, विराट कोहली और

रोहित शर्मा अगर अपना बेस्ट दे पातें हैं तो उन्हें टीम इंडिया का हिस्सा बने रहना चाहिए। आप करियर की शुरुआत और अंत कब करते हैं, ये आपका पर्सनल डिसीजन होता है। कोच या चयनकर्ता आपको ये नहीं बता सकता कि आपका करियर कब खत्म होना चाहिए। अगर आप फिट हैं तो 40-45 की उम्र तक खेलते रहिए। पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर भी गंभीर ने कहा कि भारत को किसी भी वेन्यू पर पाकिस्तान से क्रिकेट नहीं खेलना चाहिए। टीम इंडिया के हेड कोच ने आगे कहा कि, मेरी व्यक्तिगत राय है नहीं, लेकिन ये भारत सरकार निर्धारित करेगी कि हमारी टीम को पाकिस्तान के साथ खेलना है या नहीं। कोई भी मैच या फिल्म हमारे लोगों से ज्यादा अहम नहीं हो सकती। हमारे जवानों की जान से ज्यादा अहम नहीं हो सकती।

रोहित-विराट वनडे वर्ल्ड कप 2027 खेलेंगे?

गौतम गंभीर ने कहा कि, ये विराट कोहली और रोहित शर्मा का फैसला होगा। अहम ये है कि उनका प्रदर्शन कैसा है। चैंपियंस ट्रॉफी में उनका प्रदर्शन दुनिया ने देखा है। दोनों जब तक खेल रहे हैं तब भारत टीम का हिस्सा रहेंगे। फेयरवेल के सवाल पर गंभीर ने कहा कि, किसी भी प्लेयर के लिए फेयरवेल मायने नहीं रखता है। उसने देश की जीत में कितना योगदान दिया ये मायने रखता है।

स्मृति मंधाना को बल्लेबाजी रैंकिंग में नुकसान श्रीलंका की हर्षित-निलाक्षिका को हुआ फायदा

नई दिल्ली, 6 मई। आईसीसी की ओर से मंगलवार को ताजा महिला वनडे रैंकिंग जारी की गई। इस रैंकिंग में श्रीलंका की हर्षिता समरविक्रमा और निलाक्षिका ने अहम छलांग लगाई है, जबकि स्मृति मंधाना को नुकसान हुआ है। अब वह बल्लेबाजी रैंकिंग में तीसरे नंबर पर है। श्रीलंका की मेजबानी में भारत और दक्षिण अफ्रीका संग वनडे ट्राई सीरीज खेली जा रही है। इस सीरीज में श्रीलंका ने तीन मैच में से दो में जीत दर्ज की। जिसमें हाल ही में भारत पर 7 साल बाद तीन विकेट से जीत मिली।भारत पर मिली इस जीत में हर्षिता समरविक्रमा और निलाक्षिका ने बेहतरीन अद्धर्शतकीय पारी खेली, जिसकी बदौलत दोनों खिलाड़ियों ने महिला वनडे करियर की सबसे ऊंची रैंकिंग पर पहुंच गई है। समरविक्रमा नौ स्थान के सुधार के साथ 18वें स्थान पर पहुंच गई हैं, जबकि निलाक्षिका सिल्वा 18 स्थान की लंबी छलांग के साथ 25वें स्थान पर हैं। वहीं दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वोल्वाड्र्ट ने दुनिया की अग्रणी एकदिवसीय बल्लेबाज के रूप में अपनी नंबर 1 रैंकिंग बरकरार रखी है। वोल्वाड्र्ट की टीम की साथी ताजमिन ब्रिट्स ने साउथ अफ्रीका के ट्राई सीरीज के पहले मैच में शतक की बदौलत 12 स्थान की छलांग लगाकर 40वां स्थान हासिल किया है।

समर कैम्प सम्पन्न

जयपुर, 6 मई। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित 15 दिवसीय समर कैंप का आज समापन किया गया। कैंप 21 अप्रैल से 6 मई तक के एल सैनी स्टेडियम पर आयोजित किया है। कैंप में पुरुष वर्ग में सीनियर, अंडर 23, अंडर 19 व अंडर 16 आयु वर्ग तथा महिला वर्ग में सीनियर व अंडर 19 के 30 - 30 खिलाड़ियों ने भाग लिया है। समर कैंप के दौरान कोच आबिद खान, मोहमद अहमद, अजीत सिंह, राजेंद्र चौधरी, मोहम्मद अकरम, ट्रेनर विनय मीणा ने कंडीशनिंग, फिटनेस, फिल्डिंग, बोलिंग व बैटिंग की तकनीकी पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया गया है। कैंप में 5 व 6 मई को पुरुष वर्ग में सीनियर, अंडर 23 व अंडर 19 के खिलाड़ियों का यो - यो टेस्ट भी आयोजित करवाया है।

श्री भवानी निकेतन पब्लिक स्कूल ने नील कमल क्रिकेट क्लब को हराया

जयपुर, 6 मई। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग के पूल डी के मैच में श्री भवानी निकेतन पब्लिक स्कूल ने नील कमल क्रिकेट क्लब को 154 रनों से हराया। आज प्रात: के एल सैनी स्टेडियम पर श्री भवानी निकेतन पब्लिक स्कूल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए मयंक कुमावत के 46 रन, प्रिंस सोनी के 55 रन, राहुल शर्मा के 74 रन, मोहित प्रजापत के 69 रन व वंश आमेरिया के 21 रनों से 40 ओवर में 8 विकेट पर 298 रन बनाए। नील कमल क्रिकेट क्लब के लिए पुरु देवदवाल ने 29 पर 2, तन्मय भाटिया ने 48 पर 2, पृथ्वी कुमावत ने 69 पर 2, गौरव वर्मा व रौनक कुमावत ने एक - एक विकेट लिया। जवाबी पारी में नील कमल क्रिकेट क्लब की टीम अमन खोड़ा के 41 रन, वंश शर्मा के 26 रन, अमन शेखावत के 16 रन, आरुष मड़कड़ के 12 रन, रौनक कुमावत के 12 व दीपक शर्मा के 20 रनों से 22.5 ओवर में 144 रन बनाकर आउट हो गई। श्री भवानी निकेतन पब्लिक स्कूल के लिए मयंक कुमावत ने 19 पर 3, सौरभ शर्मा ने 28 पर 2, युवराज मुंडोतिया व शुभम राव ने एक - एक विकेट लिया।

डायमंड क्लब ने एमएनपीएस गर्ल्स क्रिकेट एकेडमी को 4 विकेट से हराकर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया

जयपुर, 6 मई। मंत्री क्रिकेट क्लब द्वारा द्वितीय अतिया परवीन स्मृति महिला क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज खेले गये फाईनल मैच में डायमण्ड क्लब ने स्नेहा उबाना 30 रन, नीतू शर्मा 21 रन, तथा मेधावी 20 रन तथा रोशेल 9 रन पर 2 विकेट तथा

फोरा गुर्जर 19 रन पर 2 विकेट की मदद से एम.एन.पी.एस गर्ल्स क्रिकेट एकेडमी को कडे मुकाबले में 1 गेंद शेष रहते 4 विकेट से हराकर ट्रॉफीपर कब्जा जमाया। आज खेले गये हार्ड लाईन फाईनल मैच में पूनम चौहान 30 रन व निधि सैनी 3 रन पर 2 विकेट तथा तनिका शर्मा 12 रन पर 2 की शानदार गेन्दबाजी की बदोलत संस्कार एकेडमी को 14 रन से हराकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। आज खेले गये फाईनल में टॉस जीतकर एम.एन.पी.एस गर्ल्स क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुये अनुष्का चौधरी 28 रन, सीमा जाट 27 रन की मदद से निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 95 रन बनाये गेन्दबाजी में डायमण्ड एकेडमी की ओर से रोशेल 9 रन पर 2 विकेट, फोरा गुर्जर 19 रन पर 2 विकेट तथा जानवी डागर 7 रन पर 1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहें। जवाबी पारी में डायमण्ड एकेडमी ने स्नेहा उबाना 30 रन नीतू शर्मा 21 रन माधवी 20 रन की मदद से विजयलक्ष्य 96 रन 6 विकेट खोकर 19.5 ओवर में हासिल कर 4 विकेट से जीत दर्ज कर ली। वूमैन ऑफ दा मैच रोशेल डायमण्ड क्रिकेट एकेडमी रही।

कोलकाता के लिए करो या मरो की स्थिति, चेन्नई सुपर किंग्स बिगाड़ेगी खेल!

कोलकाता, 6 मई। आईपीएल 2025 का 57वां मुकाबला कोलकाता नाइट राइडर्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच खेला जाएगा। ये मुकाबला कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेला जाएगा। वहीं कयास लगाए जा रहे हैं कि, ये स्टेडियम एमएस धोनी की पीली जर्सी के रंग में रंग सकता है जो संभवत: इस ऐतिहासिक मैदान पर आखिरी बार खेलेंगे।

पांच बार की चैंपियन चेन्नई की टीम प्लेऑफ की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुकी है। लेकिन धोनी का जलवा अभी भी पहले जैसा ही बरकरार है।बुधवार का दिन सीएसके के फैंस के लिए भावनात्मक हो सकता है। ईडन गार्डन्स धोनी की कई उपलब्धियां का गवाह भी रहा है जिनमें प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पहला शतक और टेस्ट क्रिकेट में दो शतक भी शामिल हैं। उन्होंने यहां क्लब क्रिकेट भी खेला है, जिसमें शामबाजार क्लब के लिए यादगार पी सेन ट्रॉफी फाइनल भी शामिल है।

धोनी का प्रदर्शन अब पहले की तरह आकर्षक नहीं रहा है लेकिन उनके चाहने वालों का उनके साथ भावनात्मक लगाव है और इसलिए वे बड़ी संख्या में यहां पहुंच सकते हैं। चेन्नई की टीम पिछले मैच में

आरसीबी से दो रन से हार गई थी। धोनी ने इस मैच में आठ गेंद पर 12 रन बनाए लेकिन वह अंतिम ओवर की तीसरी गेंद पर आउट हो गए जिससे चेन्नई की टीम लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाई थी। धोनी ने मैच के बाद हार की जिम्मेदारी ली थी।

हालांकि, चेन्नई के पास खोने के लिए अब कुछ नहीं है। लेकिन वह कोलकाता का काम बिगाड़सकती है। क्योंकि केकेआर के लिए ये मुकाबला करो या मरो का है क्योंकि उसे प्लेऑफ की अपनी उम्मीद बरकरार रखने के लिए बाकी बचे तीनों मैच में जीत हासिल करनी होगी। केकेआर के अभी 11 अंक हैं और अगले तीनों मैच उसे जीतने होंगे जिसके बाद उसके 17 अंक हो जाएंगे। यहां पहुंचने पर भी उसकी प्लेऑफ में सीट पक्की हो जाएगी कहा नहीं जा सकता। क्योंकि अन्य टीमों के परिणाम पर भी काफी कुछ निर्भर करेगा और ऐसे में नेट रन रेट पर भी मामला अटक सकता है।

रोहित ने मोहम्मद सिराज को दी हीरे की अंगूठी

मुंबई, 6 मई। मुंबई इंडियंस और गुजरात टाइटंस के बीच मैच से पहले जीटी के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को एक खास तोहफा मिला है। बीसीसीआई ने स्पेशल वीडियो शेयर किया। जिसमें रोहित शर्मा, सिराज को हीरे की अंगूठी देते हुए दिख रहे हैं। दरअसल, टीम इंडिया ने रोहित की अगुवाई में पिछले साल टी20 वर्ल्ड कप जीता था। टी20 वर्ल्ड कप 2024 जीतने वाले भारतीय स्क्वॉड को बीसीसीसीआई ने डायमंड रिंग से सम्मानित किया। बोर्ड ने फरवरी 2025 में नमन अवॉर्ड्स के दौरान चैंपियन प्लेयर्स को डायमंड रिंक का तोहफा दिया था। उस फंक्शन में सिराज मौजूद नहीं थे। ऐसे में सिराज को अब टीम इंडिया के कप्तान रोहित द्वारा अंगूठी सौंपी गई है। रोहित ने रिंग देते हुए समय कहा कि सिराज तुम्हें फंक्शन में मिस किया। मुझे ये स्पेशल रिंग देते हुए गर्व हो रहा जो हम सबी के लिए बनाई गई। वहीं रिंग लेने के बाद सिराज की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि, चैंपियन। बता दें कि, भारत ने रोहित की अगुवाई में टी20 वर्ल्ड कप जीतकर 11 साल का आईसीसी ट्रॉफी की सूखा समाप्त किया था। रोहित ब्रिगेड ने रोमांचक फाइनल मुकाबले में साउथ अफ्रीका को 7 रनों से हराया था।

अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने यूरोस्पोर्ट के साथ की साझेदारी

नई दिल्ली, 6 मई। खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 ने स्ट्रीमिंग अधिकारों के लिए अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति, यूरोस्पोर्ट के साथ साझेदारी की खेलो इंडिया के आयोजन वैश्विक ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। पहली बार बिहार में हो रहे खेलों इंडिया यूथ गेम्स 2025 के सीधे प्रसारण को लेकर की गई साझेदारी के तहत ओलम्पिक डॉट कॉम पर किया जा रहा है और इसके मुख्य अंश डिस्कवरी के स्वामित्व वाले यूरोस्पोर्ट पर दिखाए जाएँगे। यह पहली बार है जब यूरोस्पोर्ट खेलो इंडिया आयोजन से जुड़ा है। प्रमुख खेल चैनल प्रतिदिन यूथ गेम्स युवा के मुख्य अंश (फीड) प्रसारित करेगा।

विंडीज ने आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए एकदिवसीय टीम की घोषणा की

एंटीगुआ, 6 मई। वेस्टइंडीज ने इस महीने के आखिर में शुरू होने वाले आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए 15 सदस्यीय एकदिवसीय टीम की घोषणा की है। शाई होप की अगुवाई में वेस्टइंडीज की टीम इस महीने के आखिर में आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे पर कुल छह एकदिवसीय मैच खेलेंगी। टीम में ब्रैंडन किंग, एविन लुईस, कीसी कार्टी और उभरता खिलाड़ी ज्वेल एंड्रयू भी शामिल होंगे। वेस्टइंडीज के कोच डेरेन सैमी ने इस दौरे को लेकर कहा कि ये मैच 2027 विश्वकप के लिए महत्वपूर्ण हैं। हमें पता है कि परिस्थितियां चुनौतीपूर्ण होंगी।

वेस्टइंडीज ने अपने कोचिंग स्टाफ में भी कुछ बदलावों की घोषणा की है, जिसमें पूर्व तेज गेंदबाज और 2012 टी20 विश्व कप विजेता रवि रामपॉल को न्यूजीलैंड के जेम्स फ्रैंकलिन की जगह गेंदबाजी कोच बनाया गया है, जबकि आयरलैंड के महान खिलाड़ी केविन ओब्रायन अपनी पुरानी टीम के खिलाफ तीन मैचों के दौरान टीम को कुछ सहायता प्रदान करेंगे। वेस्टइंडीज की एकदिवसीय टीम: शाई होप (कप्तान), ज्वेल एंड्रयू, कीसी कार्टी, रोस्टन चेस, मैथ्यू फोर्ड, जस्टिन ग्रीव्स, आमिर जंगू, अल्जारी जोसेफ, शमर जोसेफ, ब्रैंडन किंग, एविन लुईस, गुडाकेश मोती, शेरफेन रदरफोर्ड, जेडन सील्स और रोमारियो शेफर्ड।

प्राची गायकवाड़ ने खेलो इंडिया यूथ गेम्स निशानेबाजी में जीता स्वर्ण पदक

नई दिल्ली, 6 मई। खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 के दूसरे दिन मंगलवार को महाराष्ट्र की प्राची ससिकांत गायकवाड ने 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन (युवा महिला वर्ग) में स्वर्ण पदक जीता। आज यहां दिल्ली स्थित कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में महिला वर्ग की निशानेबाजी स्पर्धा में प्राची ने 458.4 अंक के साथ स्वर्ण पदक, कर्नाटक की तिलोत्तमा ने 455.6 अंकों के साथ रजत और अनुष्का ने 445.7 अंकों के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। स्पर्धा के बाद प्राची ने कहा, यह मेरा खेलो इंडिया में दूसरा मौका है। पिछले साल चेन्नई में कांस्य जीता था, इस बार स्वर्ण पदक जीतकर बहुत गर्व महसूस हो रहा है। मैं खेलो इंडिया के मान्यता प्राप्त केंद्रों को धन्यवाद देना चाहूंगी, जहां मुझे सही संसाधन और प्रशिक्षण मिला। स्वप्निल सर मेरे आदर्श हैं और उनकी ट्रेनिंग को फॉलो करती हूं। वो अगली पीढ़ी के शूटर्स को तैयार करने के लिए जाने जाते हैं। महाराष्ट्र की खेलों में गौरवशाली परंपरा है और मैं राज्य का प्रतिनिधित्व करके गर्व महसूस करती हूं।

राजस्थान की हर्षिता ने जीते दोहरे स्वर्ण पदक

राजस्थान ने चार स्वर्ण सहित जीते कुल छह पदक

जयपुर, 6 मई। खेलों इंडिया यूथ गेम्स में राजस्थान के खिलाडियों ने अपना शानदार प्रदर्शन मंगलवार को भी जारी रखा। साईक्लिंग में हर्षिता जाखड ने दोहरे स्वर्ण पदक जीतकर राज्य का मान बढाया जबकि मयंक चैधरी ने 10 मी. पिस्टल की व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण जीता। यह उनका लगातार दूसरा गोल्ड मेडल है। इससे पूर्व मयंक ने सोमवार को 10 मीटर मिक्स टीम पिस्टल स्पर्धा में गोल्ड मेडल जीता था। राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद के सचिव राजेन्द्र सिंह सिसोदिया ने बताया कि राजस्थान के लिए आज का दिन स्वर्णिम रहा। खिलाडियों ने चार स्वर्ण जीत कर राज्य का परचम लहराया। हर्षिता जाखड ने साईक्लिंग की 7.5 किमी स्क्रेच रेस स्पर्धा में और 500 मी. टाईम ट्रायल में

गोल्ड मेडल जीतकर अपनी श्रेष्ठता साबित की। इसके अलावा आदित्य जाखड ने बालक वर्ग में 1 किमी टाईम ट्रायल रेस में स्वर्ण पदक जीता। उन्होने बताया कि गत दिवस गोल्ड मेडल जीत कर राजस्थान का मान बढाने वाले मयंक चैधरी ने आज भी शानदार प्रदर्शन बरकरार रखते हुए 10 मी. पिस्टल की व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण जीता। साइक्लिंग में महावीर ने बालको की 10 किमी स्क्रेच रेस में रजत पदक जीता। जबकि सीताराम ने कास्यं पदक जीतकर राजस्थान को आज का छठा पदक दिलवाया। चीफ डे मिशन रणविजय सिंह चंपावत ने बताया कि कबड्डी की स्पर्धा भी आयोजित की गई। राजस्थान के बालको ने मेजबान बिहार को आसानी से 57-37 से हराकर सेमीफाईनल में प्रवेश किया।

फ्लोरोसेंट पब्लिक स्कूल व एमेच्योर सॉफ्ट हॉकी फैडरेशन ऑफ इंडिया के बीच एमओयू होगा

जयपुर, 6 मई। एमेच्योर सॉफ्ट हॉकी फेडरेशन ऑफ़ इंडिया के अध्यक्ष डॉ, आशुतोष पथ ने बताया कि सॉफ्ट हॉकी के प्रचार प्रसार के लिए जयपुर में कल फ्लोरोसेंट पब्लिक स्कूल जगतपुरा व एमेच्योर सॉफ्ट हॉकी फेडरेशन ऑफ इंडिया के बीच एमओयू होगा ,जिसमें सॉफ्ट हॉकी का फ्लोरोसेंट पब्लिक स्कूल को केंद्र बनाया जाएगा, यहा प्रशिक्षक द्वारा आधुनिक तकनीक से खिलाड़ियों को प्रशिक्षित किया जाएगा जिसमें कल फेडरेशन के अध्यक्ष डॉ आशुतोष पथ खिलाड़ियों को निशुल्क किट प्रदान करेंगे यह केंद्र छात्रों को सॉफ्ट हॉकी खेल का प्रशिक्षण देने और उनके सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से स्थापित किया जाएगा।

मलेशिया की शहाना और रश्मिका, अमेरिका के शयान भी अंतिम चार में

राजस्थान के दिव्यांशी, धैर्य, वीर, सुभाष, प्रभव और गौरी सेमीफाइनल में पहुंचे

जयपुर, 6 मई। दिव्यांशी जैन और धैर्य गोगिया सहित राजस्थान के छह खिलाड़ियों ने मंगलवार को यहां अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले जीत राजस्थान स्क्वैश एकेडमी कोर्ट्स पर खेली जा रही नार्दन स्लैम 2025 स्क्वैश चैंपियनशिप में अपनी- अपनी कैटेगरी के सेमी फाइनल में प्रवेश कर लिया। दिव्यांशी ने गर्ल्स अंडर-13 के क्वार्टर फाइनल में एवा पारीक को सीधे सेटों में 3-0 से पराजित किया, वहीं धैर्य ने अंडर-13 बॉयज में मलेशिया के कोविन सुरेन्द्रन को 3-1 से शिकस्त दी।

इसी आयु वर्ग में राजस्थान के एक अन्य खिलाड़ी प्रभव बाजोरिया ने ऋषभ श्याम को कड़े मुकाबले में 3-2 से हरा अंतिम चार में

जगह बनाई। बॉयज अंडर-11 में वीर श्रृंगी ने अरिता देवनाथ को 3-1 से हराया, जबकि बॉयज अंडर-17 में सुभाष चौधरी ने अगस्त बंसल को 3-1 से शिकस्त दी। राजस्थान की गौरी जायसवाल ने डी. नित्या को 3-2 से हरा गर्ल्स अंडर- 15 के सेमी फाइनल में प्रवेश किया।

महिला वर्ग में निरुपमा, पूजा, शमीना और सान्या अंतिम 4 में

सोमवार को टॉप सीड अंजली सेमवाल को हरा उलटफेर करने वाली सानवी बाटर मंगलवार को क्वार्टर फाइनल में सान्या वत्स से 1-3 से हरा गई, वहीं निरुपमा दुबे ने ईशा श्रीवास्तव को 3-0 से, पूजा आरती ने आराधना कस्तूरी राज को 3-0 से और शमिना रियाज ने आराध्या पोरवाल को 3-1 से हरा सेमी फाइनल में जगह बना ली।

यूएस और मलेशियाई खिलाड़ी भी आगे बढ़े

इस बीच अमेरिका के शयान समतानी ने अर्जुन कनौरिया को 3-0 से हरा अंडर-13 बॉयज के अंतिम चार में जगह बनाई। वहीं गर्ल्स अंडर-11 में मलेशिया के शहाना इस्ट्रीथरन ने आर्ना राव को 3-2 से और गर्ल्स अंडर-17 में मलेशिया की रश्मिका रघु ने काश्वी मंगल को 3-1 से हरा सेमी फाइनल में जगह बनाई।

8 टीमें, 280 खिलाड़ी... टी-20 मुंबई लीग में नीलामी

मुंबई, 6 मई। टी20 मुंबई लीग की नीलामी में बुधवार को जब 280 खिलाड़ियों की बोली लगेगी तो उभरते सितारे आयुष म्हात्रे, अंगकृष रघुवंशी और तनुश कोटियन आकर्षण का केंद्र होंगे।आठ टीमों वाली लीग का तीसरा सत्र 26 मई से आठ जून तक वानखेड़े स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। आईपीएल के वर्तमान सत्र में शानदार प्रदर्शन करके क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी तरफ खींचने वाले 17 वर्षीय म्हात्रे के अलावा रघुवंशी, कोटियन और मुशीर खान पर भी बड़ी बोली लगने की संभावना है।

इस पूल में घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले सिद्धेश लाड और शम्स मुलानी जैसे खिलाड़ी भी शामिल हैं। टीमों ने पहले ही आइकन खिलाड़ियों को अपनी-अपनी टीम में शामिल कर लिया है। जिसमें सूर्यकुमार यादव (ट्रायम्फ नाइट्स मुंबई नॉर्थ ईस्ट), अजिंक्य रहाणे (बांद्रा ब्लास्टर्स), श्रेयस अय्यर (सोबो मुंबई फाल्कन्स), पृथ्वी शॉ (नॉर्थ मुंबई पैंथर्स), शिवम दुबे (एआरसीएस अंधेरी), शार्दुल ठाकुर (ईग ठाणे स्ट्राइकर्स), सरफराज खान (आकाश टाइगर्स मुंबई वेस्टर्न सबर्ब्स) और तुषार देशपांडे (मुंबई साउथ सेंट्रल मराठा रॉयल्स) शामिल हैं।

अंडर-19 नंद सिंह मेमोरियल सीनियर क्रिकेट लीग, राजीव गांधी जीती

जयपुर, 6 मई। चंबल स्पोर्ट्स क्लब द्वारा आयोजित 17वी राज्य स्तरीय अंडर-19 नन्द सिंह मेमोरियल सीनियर क्रिकेट लीग में आज खेले गए नारायणा ग्राउंड पर खेले गए मैच में राजीव गांधी ने इवेंट क्रिकेट एकेडमी को 263 रनों के विशाल अंतर से हराया। टॉस जीतकर राजीव गांधी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नितिन मरोटिया 67, अमन चौधरी 64, रौनक राकेश गुप्ता 60, अक्षय चांदवाल 55, निशांत गुर्जर 44, मनाए कटारिया 38, श्यामय 721 रनों के सहयोग से 45 ओवर में 6 विकेट में 372 रन बनाए। इवेंट्स क्रिकेट एकेडमी की ओर से गेंदबाजी करते हुए हर्ष 4, आर्यन-विराज ने 1-1 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए इवेंट्स क्रिकेट एकेडमी ने अक्षय 47, विराज 16, भावेश 14 रनों के सहयोग से 36 ओवर में 109 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। राजीव गांधी की ओर से श्यामसुंदर, दीपांशु राजौरिया ने 3-3 विकेट लिए। लक्ष्य वैष्णव 2, मनय कटारिया ने 1 लिए। आज के मैन ऑफ़ द मैच श्यामसुंदर रहे।

राजस्थान भाजपा के विधायकों और सांसदों के लिए गुजरात के केवड़िया में आयोजित हो रहे प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन मंगलवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सभी विधायकों के साथ पीछे की पंक्ति में बैठकर प्रशिक्षण लिया। प्रशिक्षण के तीनों सत्रों में वे आम विधायक की तरह मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने अंतिम पंक्ति में बैठ कर प्रशिक्षण लिया

आज के तीनों सत्रों में मुख्यमंत्री से मंच पर बैठने का आग्रह किया गया, पर वे आम विधायक के रूप शिविर में उपस्थित रहे

- **प्रशिक्षण शिविर में केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव, राष्ट्रीय सह-संगठन मंत्री, शिवप्रकाश व राष्ट्रीय महामंत्री विनोद ताबड़े ने विधायकों को विभिन्न विषय समझाए।**

जयपुर, 6 मई। भाजपा के विधायकों और सांसदों के लिए गुजरात के केवड़िया में आयोजित हो रहे तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन आज तीन सत्र आयोजित हुए। केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव, राष्ट्रीय सह-संगठन मंत्री शिव प्रकाश और राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े ने विधायकों और सांसदों को सुशासन का पाठ पढ़ाया। तीनों सत्रों में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सभी विधायकों के साथ पीछे की पंक्तियों में बैठकर प्रशिक्षण लिया। मुख्यमंत्री शर्मा को मंच पर और आगे की पंक्तियों में बैठने का आग्रह किया गया। उन्होंने इसके लिए मना कर दिया। वे तीनों सत्रों में आम विधायक की तरह मौजूद रहे। वहीं, उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा, केन्द्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल और विधायक अनिता भदेल मुख्य वक्ता के साथ मंच पर मौजूद रहे।

शिविर के दूसरे दिन पहले सत्र में केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव ने राजस्थान के संदर्भ में "मोदी सरकार की परिवर्तनकारी नीतियां" विषय पर चर्चा की। उन्होंने इस विषय पर जोर दिया कि विकसित भारत-विकसित राजस्थान की संकल्पना को पूरा करने वाली केन्द्र सरकार की विभिन्न योजनाओं को किस तरह से सफल किया जाए।

दूसरे सत्र में राष्ट्रीय सह-संगठन मंत्री शिव प्रकाश की चर्चा का विषय था कि भाजपा और अन्य दलों के बीच वैचारिक मतभेदों और अन्य दलों की विघटनकारी नीतियों से किस तरह सावधान रहा जाए। उन्होंने भाजपा विधायकों और सांसदों को भाजपा के मूलभूत सिद्धांतों, राष्ट्रीयता और समग्र विकास के दृष्टिकोण के बारे में बताया।

तीसरे सत्र में राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े की अध्यक्षता में "सोशल मीडिया एवं विमर्श निर्माण-हमारी भूमिका" विषय पर चर्चा हुई। उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से किस तरह राष्ट्रीय भावना का निर्माण किया जाए, इसकी जानकारी दी।

गौरतलब है कि इससे पहले शिविर के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सभी विधायकों और सांसदों को ठेकेदारों से सावधान रहने की नसीहत दी थी।

उन्होंने सत्र को संबोधित करते हुए कहा था कि जिन लोगों से आप 24 घंटे घिरे रहते हो, वो ज्यादा काम आने वाले नहीं हैं। पार्टी के मूल वोटर पर पकड़ जरूरी है, ऐसे लोगों से घिरे होने की वजह से मूल वोटर नाराज होकर छिटक जाता है।

पाकिस्तान बॉर्डर पर, वायुसेना आज करेगी युद्धाभ्यास

नई दिल्ली, 06 मई। भारत और पाकिस्तान के बीच जारी तनावपूर्ण रिश्तों के बीच बड़ा फैसला लिया गया है। भारत 7 और 8 मई को पाकिस्तान बॉर्डर के पास बड़ा हवाई अभ्यास करने जा रहा है। इस संबंध में भारत ने नोटिस टू एयरमैन जारी किया है। इस अभ्यास में, भारतीय वायु सेना राजस्थान में बॉर्डर के पास अपनी ताकत दिखाएगी। सीमा पर तनाव को देखते हुए, यह अभ्यास भारत की सतर्कता का संकेत है।

भारतीय वायु सेना 7 और 8 मई को राजस्थान मेंपाकिस्तानसीमा के पास एक बड़ा हवाई अभ्यास करेगी। इसके लिए एक नोटिस टू एयरमैन जारी किया गया है। नोटिस टू एयरमैन का मतलब है, विमान पायलट को दी जाने वाली सूचना। सूत्रों के मुताबिक, यह एक्सरसाइज एयरफोर्स कई जगहों पर एक साथ करेगा। एयरफोर्स के अलग-अलग बेस से फाइटर उड़ान भरेंगे। जैसलमेर, पोखरण, जोधपुर और बीकानेर में यह एक्सरसाइज होगी। इसमें फाइटर जेट रफाल, सुखोई-30, मिराज भी शामिल होंगे। नोटिस टू एयरमैन के अनुसार, ये अभ्यास 7 मई को दोपहर 3:30 बजे शुरू होगा और 8 मई को रात 9:30 बजे तक चलेगा। इस दौरान, उस क्षेत्र में विमानों की आवाजाही पर कुछ रोक रहेगी। इस अभ्यास में, फाइटर जेट के साथ-साथ सर्विलांस एयरक्राफ्ट शामिल होंगे।

- **राजस्थान में पाकिस्तान सीमा पर दोपहर 3.30 बजे युद्धाभ्यास शुरू होगा और 8 मई रात 9.30 तक चलेगा।**

'भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए सदा राष्ट्रहित सर्वप्रथम होता है'

मुख्यमंत्री भजनलाल ने प्रशिक्षण शिविर में कहा, कांग्रेस राजनीतिक चश्मे से देखकर काम करती है

- **मुख्यमंत्री ने शिविर में अपने संबोधन में कहा कि जयपुर में मेट्रो विस्तार के लिए डी.पी.आर. तैयार कर ली गई है। केन्द्र सरकार के साथ जॉइंट वैंचर कंपनी भी बना ली गई है।**

केवड़िया/जयपुर, 6 मई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राजस्थान में हमारी डबल इंजन सरकार विकास के नये कीर्तिमान स्थापित कर रही है और वर्षों से लंबित कार्यों की राह प्रशस्त करने के साथ ही, "विकसित भारत-विकसित राजस्थान" के संकल्प को साकार करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है।

शर्मा मंगलवार को गुजरात के केवड़िया में आयोजित भाजपा सांसदों और विधायकों के तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार गौरवशाली भारत का निर्माण कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिकता में पहले राष्ट्र हित, फिर पार्टी हित और अंत में स्वहित आता है, जबकि कांग्रेस राजनीतिक चश्मे से देखकर काम करती है। उसने अपनी संस्कृति और विचारों को भी छोड़ दिया है।

शर्मा ने विश्वास व्यक्त किया कि यह प्रशिक्षण शिविर भाजपा के जनप्रतिनिधियों को नीति और रणनीति सिखाने के साथ ही, नैतिक मूल्यों और जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को भी सशक्त करेगा।

प्रशिक्षण शिविर को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के युवाओं और महिलाओं के कल्याण के लिए भी पूरी तरह प्रतिबद्ध है। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के दौरान जो 37 लाख करोड़ के एमओयू हस्ताक्षिरत किए हैं, उनसे प्रदेश में बड़ी संख्या में रोजगार का सृजन होगा।

शर्मा ने कहा कि महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए लखपति दीदी योजना के तहत 14 लाख से ज्यादा महिलाओं को विभिन्न कौशल प्रशिक्षण प्रदान किए गए हैं।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत, 96 हजार से अधिक शहरी और ग्रामीण आवास बनाए जा चुके हैं तथा 5 लाख 48 हजार से अधिक नए आवास स्वीकृत किए गए हैं।

प्रशिक्षण शिविर में अपने संबोधन के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि हम प्रदेश के आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ करने के साथ ही बुनियादी सेवाओं का विस्तार कर रहे हैं। जयपुर में मेट्रो सेवा के विस्तार के लिए डीपीआर तैयार कर ली गई है तथा केन्द्र सरकार के साथ जॉइंट वैंचर कंपनी बना ली गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने फरवरी 2024 से मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना (मा) प्रारंभ की है।

इस अवसर पर राजस्थान के भाजपा सांसदगण, विधायकगण, पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्त्ता उपस्थित थे।

राहुल गांधी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सजा मिलनी चाहिए कि कोई भी भारत की तरफ आंख उठा कर न देख सके।" उन्होंने आतंकी हमले के पीड़ितों के लिए न्याय की मांग की और कहा कि आज पीड़ित परिवारों के साथ पूरा देश न्याय का इंतजार कर रहा है। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी बी. के. हरिप्रसाद, सह प्रभारी, प्रफुल्ल विनोद शाह, राज्य अध्यक्ष उदयभान, रोहतक के सांसद दीपेन्दर हुड्डा और पूर्व विधायक सुमिता सिंह भी मौजूद थे।

'आईओसी 4 सप्ताह...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि मानवीय जीवन व मानवीय संवेदना किसी प्रतिष्ठान के निजी फायदे से बडा है। आईओसीएल एक सार्वजनिक उपक्रम है, उसे जनहित को देखते हुए इस मुद्दे पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। अदालत ने कहा कि जिस जगह पर प्लांट लगाया गया था, उस समय हो सकता है कि इसे नियमानुसार लगाया गया हो।

मौजूदा समय में प्लांट के पास रिहायशी कॉलोनियों सहित हॉस्पिटल, कॉलेज व स्कूल बन गए हैं और अब यह प्लांट उनके लिए खतरा हो गया है। खंडपीठ ने आईओसीएल से कहा कि वे चाहें तो प्लांट के लिए जगह चिन्हित कर लें। सुनवाई के दौरान एएसजी आरडी रस्तोगी ने पेट्रोलियम एवं विस्फोटक सुरक्षा संगठन को भी पक्षकार बनाने के लिए कहा। जिस पर कोर्ट ने संगठन को भी पक्षकार बनाने का निर्देश दिया।

याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता डॉ. अभिनव शर्मा ने बताया कि साल 2009 में आईओसीएल के फ्यूल ऑयल स्टोरेज प्लांट में लगी आग में 12 लोगों की मौत हुई थी। राज्य सरकार की जांच कमेटी ने 2011 की रिपोर्ट में माना था कि आईओसीएल के सीतापुरा स्थित घरेलू गैस के बॉटलिंग प्लांट को जगतपुरा व सीतापुरा में आबादी विस्तार को देखते हुए शहर से बाहर भेजना चाहिए।

इस प्लांट में जामनगर लूणी गैस पाइप लाइन से एलपीजी उच्च दबाव पर सप्लाई होती है, जो सामने के रीको इंस्टीट्यूशनल एरिया के नीचे से आती है। इसके ऊपर ही महात्मा गांधी अस्पताल, पूर्णिमा कॉलेज, राजस्थान फार्मेसी कौंसिल सहित अनेकों शैक्षिणक संस्थान बन गए हैं।

इसलिए बॉटलिंग प्लांट को शहर से बाहर भेजा जाए।

एयरपोर्ट को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कहा गया कि दिनांक 15 व 16 फरवरी को उनके ईमेल एड्रेस पर मेल प्राप्त हुआ। जिसमें कहा गया कि जयपुर एयरपोर्ट पर अलग-अलग समय पर बम विस्फोट किया जाएगा। जिसकी आरंभिक सूचना 16 फरवरी को दी जा चुकी थी।

रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। अभियुक्त ने कहा कि उसने अज्ञानतावश मेल कर दिया था।

मेन लाइन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर पहुंच गये हैं तथा यह बता रहे हैं कि उन्हें क्या करना है।

सोशल मीडिया को बैन करना असम्भव है तथा जो प्लेटफॉर्म अस्तित्व में हैं, वे डिलीट नहीं किये जा सकते।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने पाकिस्तान से की कड़ी पूछताछ

सूत्रों के अनुसार, सुरक्षा परिषद ने पहलगाम हमले पर पाकिस्तान की "झूठी" कहानी को खारिज किया

- **सुरक्षा परिषद सदस्यों ने मिसाइल टैस्ट के लिए और परमाणु युद्ध की बयानबाजी के लिए पाकिस्तान की कड़ी आलोचना की।**

संयुक्त राष्ट्र/नई दिल्ली, 06 मई। पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ ते तनाव पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में चर्चा के दौरान सदस्यों ने पाकिस्तान द्वारा फैलाए जा रहे झूठे बयान को मानने से इनकार कर दिया और पूछा कि क्या पहलगाम आतंकी हमले में लश्कर-ए-तैयबा का हाथ होने की संभावना है।

सूत्रों के अनुसार, सुरक्षा परिषद में सोमवार को इस्लामाबाद द्वारा प्रस्तावित अनौपचारिक बैठक में सदस्यों ने बंद कमरे में पाकिस्तान से कठिन सवाल किये। सदस्यों ने पहलगाम आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की और पाकिस्तान के मिसाइल परीक्षणों और परमाणु बयानबाजी की आलोचना की।

सूत्रों ने कहा कि सदस्यों ने पाकिस्तान से भारत के साथ द्विपक्षीय मुद्दों को सुलझाने के लिए कहा है।

सूत्रों ने कहा, कई सदस्यों ने चिंता व्यक्त की कि पाकिस्तान के मिसाइल परीक्षण और परमाणु बयानबाजी तनाव बढ़ ाने का कारण बन सकते हैं। स्थिति का अंतर्राष्ट्रीयकरण करने के पाकिस्तान के प्रयास भी विफल रहे। उसे भारत के साथ द्विपक्षीय मुद्दों को सुलझाने की सलाह दी गई ।

सूत्रों ने इस्लामी आतंकवादियों द्वारा पहलगाम में किए गए आतंकवादी हमले का हवाला देते हुए बताया, आतंकवादी हमले की व्यापक निंदा की गई और जवाबदेही पर बल दिया गया। कुछ सदस्यों ने विशेष रूप से धार्मिक आस्था के आधार पर पर्यटकों को निशाना बनाए जाने का मुद्दा उठाया।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सदस्यों ने अनौपचारिक सत्र में पाकिस्तान से कठिन सवाल पूछे। उन्होंने पाकिस्तान द्वारा फैलाए जा रहे झूठे बयान को मानने से इनकार कर दिया और पूछा कि क्या लश्कर-ए-तैयबा के हमले में शामिल होने की संभावना है।

मई महीने के लिए सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष ग्रीस ने पाकिस्तान के अनुरोध पर सोमवार को बैठक निर्धारित की थी। पाकिस्तान अभी परिषद में अस्थायी सदस्य है। बैठक के बाद कोई बयान जारी नहीं किया गया।

पाकिस्तान ने पिछले सप्ताह में दो बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण किया है और उसके सूचना मंत्री और रक्षा मंत्री ने आक्रामक बयान जारी किए हैं, जिनमें कहा गया है कि भारत द्वारा बहुत जल्द पाकिस्तान पर हमला करने की संभावना है।

पहलगाम आतंकवादी हमले में 26 पर्यटकों की हत्या के बाद से दोनों देशों के बीच संबंधों में कड़वाहट आ गयी है।

भारत ने सिंधु जल संधि को निलंबित करने, अटारी सीमा चौकी को बंद करने, पाकिस्तान के साथ सभी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष व्यापारिक संपर्कों को बंद करने के साथ-साथ, डाक संपर्कों को भी बंद करने का फैसला किया है।

विधायक रिश्वत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

डीआईजी एसीबी राहुल कोटोकि ने बताया कि रोहित के मामा और उसके परिचित को मंगलवार को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से एक दिन का रिमांड मिला है। बुधवार को विधायक, उसके चचेरे भाई , रोहित के मामा और उसके परिचत को एक साथ पेश किया जाएगा। विधायक से पूछताछ की जा रही है, लेकिन वे स्पष्ट जानकारी नहीं दे रहे हैं। हालांकि विधायक के रिश्वत कांड को लेकर एसीबी के पास सारे सबूत और तथ्य मौजूद हैं। एसीबी अधिकारियों का कहना है कि विधायक से जांच में सहयोग नहीं मिल रहा है। विधायक किसी भी सवाल का ठीक तरह से जवाब नहीं दे रहे हैं।

भारत व इंग्लैण्ड...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लागत और बेहतर पूंजी प्रवाह ढांचे का लाभ मिलेगा। आर.सी.ई.पी. से बाहर रहने के बाद से भारत की व्यापार नीति ऐसे लक्षित समझौतों की ओर झुकी है, जो राष्ट्रीय हितों की पूर्ति करते हैं।

यूके समझौता इस बात को दर्शाता है कि उदारीकरण-चाहे वह वस्तुओं, सेवाओं या डिजिटल व्यापार में हो-को लेकर नई दिल्ली आत्मविश्वास से भरी है, जबकि संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा भी सुनिश्चित कर रही है।

भारत में 259 जिलों में आज होगी मॉक ड्रिल

गृह मंत्रालय ने उन जिलों की लिस्ट जारी की जहां मॉक ड्रिल होगी

- **मॉक ड्रिल के लिए जिलों को संवेदनशीलता के आधार पर तीन वर्गों में बांटा गया है**
- **पहले वर्ग में अति संवेदनशील जिलों को रखा गया है। इसमें 13 जिले हैं दूसरे संवेदनशील वर्ग में 201 जिलों को तथा तीसरे कम संवेदनशील वर्ग में 45 जिलों को रखा गया है।**

नई दिल्ली, 06 मई। पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान से तनाव के बीच बुधवार को देश के 259 इलाकों में युद्ध के दौरान बचाव के तरीकों की मॉक ड्रिल होगी। गृह मंत्रालय ने इन इलाकों को सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट के तौर पर लिस्ट किया है। ये सामान्य प्रशासनिक जिलों से अलग हैं। सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट्स को उनकी संवेदनशीलता के आधार पर 3 कैटेगरी में बांटा गया है। कैटेगरी-1 सबसे संवेदनशील और कैटेगरी-3 कम सेंसिटिव है। गृह मंत्रालय ने 5 मई को सभी राज्यों को मॉक ड्रिल कराने के आदेश जारी किए थे। दिल्ली में गृह मंत्रालय में हुई हाईलेवल मीटिंग में मॉक ड्रिल की तैयारियों की समीक्षा की गई। इसमें राज्यों के मुख्य सचिव और सिविल डिफेंस चीफ समेत कई हाई रैंक ऑफिसर मौजूद थे।

दरअसल, मिनिस्ट्री ऑफ होम अफेयर्स ने देश के कुल 35 राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों में 259 सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट बनाए हैं। जरूरी नहीं ये सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट सामान्य एडमिनिस्ट्रेटिव डिस्ट्रिक्ट हों। जैसे- उत्तर प्रदेश में कुल 19 सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट बनाए गए हैं।

कुल 259 सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट को इनके इंपोर्टेंस या सेंसेटिविटी के आधार पर 3 कैटेगरी में बांटा गया है।

कैटेगरी 1 में वो डिस्ट्रिक्ट हैं जो सबसे सेंसेटिव हैं। ऐसे कुल 13 डिस्ट्रिक्ट हैं। जैसे- उत्तर प्रदेश में केवल 1 डिस्ट्रिक्ट - बुलंदशहर कैटेगरी 1 में है क्योंकि यहां नरौरा न्यूक्लियर प्लांट मौजूद है।

इसी तरह कैटेगरी 2 में 201 जबकि कैटेगरी 3 में 45 डिस्ट्रिक्ट हैं।

गृह मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक, नागरिकों को यह हिदायत भी दी जाएगी कि वे मेडिकल किट, राशन, टॉर्च और मोमबत्तियां अपने घरों पर रखें। इसके अलावा कैश भी साथ रखें, क्योंकि इमरजेंसी में मोबाइल और डिजिटल ट्रांजैक्शन फेल हो सकते हैं।

केन्द्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश पर विभिन्न राज्यों में बुधवार को होने वाले सिविल डिफेंस मॉक अभ्यास से पहले मंगलवार को यहां केन्द्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने राज्यों के मुख्य सचिवों के साथ बैठक कर अभ्यास की तैयारियों पर चर्चा की।

ईरान के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आकस्मिक भारत यात्रा को कूटनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

तीये की बैठक

अत्यंत दुख के साथ सूचित किया जाता है कि

अणु जैन

(पुत्र जस्टिस पाना चन्द जैन)

का आकस्मिक निधन दिनांक 5 मई सोमवार को हो गया है।

तीये की बैठक दिनांक 7 मई प्रातः 10 बजे तोतूका भवन, भट्टारकजी की नसियां, जयपुर में होगी।

शोकाकुल परिवार

जस्टिस पाना चन्द जैन (पिता), वीरेन्द्र-ललिता (भाई-भाभी) मीनू जैन (पत्नी), मणि-विजय अजमेरा, शकुन जैन, एकता-प्रदीप श्रीमाल (बहन-बहनोई), यश-आरूषि (भतीजा-भतीजा बहू), अतिशय-पलक (पुत्र एवं पुत्रवधू), कृषि-गौरव (भतीजी-दामाद), सृष्टि (पुत्री), आव्या (पोती), राहिल (पोता)

ससुराल पक्ष

विशाल जैन, अनुराग जैन एवं समस्त भूच परिवार।

सड़क हादसे में घायलों को पूरे देश में मुफ्त इलाज मिलेगा

नई दिल्ला, 06 मई। भारत सरकार ने पूरे देश में कैशलेस ट्रीटमेंट स्कीम (नकद रहित इलाज योजना) लागू करने की अधिसूचना जारी कर दी है। जिसके तहत सड़क दुर्घटना के शिकार हर व्यक्ति को प्रति हादसा अधिकतम 1.5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मिल सकेगा।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा जारी गजट अधिसूचना के अनुसार, यह योजना 5 मई, 2025 से लागू हो गई है।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक, अगर किसी भी व्यक्ति का मोटर वाहन के कारण सड़क पर एक्सिडैंट होता है, तो उसे इस स्कीम के तहत देश के किसी भी हिस्से में इलाज की सुविधा मुफ्त में मिलेगी। हादसे के शिकार व्यक्ति को सरकारी या नामित अस्पतालों में इलाज के लिए कोई पैसे नहीं देने होंगे।

इस योजना के तहत पीड़ित व्यक्ति को दुर्घटना की तारीख से अगले सात दिनों तक, अधिकतम 1,50,000 रुपये तक का मुफ्त इलाज दिया जाएगा। यह सुविधा सिर्फ उन अस्पतालों में पूरी तरह लागू होगी जो सरकार द्वारा "नामित" किए गए हैं।

अगर किसी कारणवश पीड़ित को नामित अस्पताल नहीं मिल पाता और इलाज किसी अन्य अस्पताल में कराया जाता है। तो उस स्थिति में उस अस्पताल में सिर्फ स्थिर हालत (स्टेबलाइजेशन) तक का इलाज ही इस योजना के तहत कवर किया जाएगा। इस बारे में अलग से गाइडलाइंस जारी की गई हैं। इस योजना को लागू करने की जिम्मेदारी नेशनल हेल्थ अथॉरिटी को सौंपी गई है। यह संस्था पुलिस, अस्पतालों और राज्य स्तरीय स्वास्थ्य एजेंसियों के साथ मिलकर काम करेगी ताकि स्कीम को प्रभावी ढ ंग से लागू किया जा सके।

हर राज्य या केंद्र शासित प्रदेश में स्टेट रोड सेफ्टी काउंसिल इस योजना की नोडल एजेंसी होगी। यह काउंसिल इस बात की निगरानी करेगी कि योजना को ठीक से लागू किया जाए।

जयराम रमेश के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जरूरत नहीं समझी।

जयराम इस पद के लिए अनुपयुक्त व्यक्ति हैं। वे नहीं जानते कि मीडिया को कांग्रेस के पक्ष में कैसे किया जाये, और यह चीज कांग्रेस के लिए बहुत नुकसानदायक है।

शुरूआत में ही, जब पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे उन्हें हटाना चाहते थे, तो राहुल गांधी ही उनके समर्थन में आ गये थे।

और अब, जब राहुल गांधी भी समझ गये हैं कि वे पार्टी के लिए बोझ हैं। वे न मीडिया को समझते हैं और न बोलने में ही माहिर हैं। लेकिन सोनिया गांधी उन्हें इस पद पर बनाए हुए हैं।

जयराम रमेश ने खतरे को भांपते हुए खड़गे की थोड़ी चापलूसी करनी शुरू कर दी। उन्होंने खड़गे से कहा कि वे राजनीति में इतने वरिष्ठ हैं तथा उन्हें राजनीति का इतना लम्बा अनुभव है कि उन पर एक किताब लिखी जानी चाहिए, जिसमें उनके जीवन, उनकी राजनैतिक यात्रा और पूरे दौर का विस्तृत वर्णन हो। यही नहीं, उन्होंने खड़गे पर इस प्रकार की किताब लिखने के लिए स्वयं को पेश भी कर दिया।

खड़गे एक भले व्यक्ति है लेकिन उन्होंने दुनिया देखी है। वे तुरन्त जयराम का मंतव्य समझ गये, और जवाब में सिर्फ मुस्करा दिये।

दरअसल, इस समय कांग्रेस को एक अच्छे मीडिया प्रभारी की जरूरत है, जिसके पास इस बात की तह तक पहुंचने की क्षमता हो कि पार्टी में निर्णय लेने वाले शीर्ष स्तर पर क्या चल रहा है। इसके साथ ही, वह किसी बात इस तरह घुमाकर प्रस्तुत करने की क्षमता एवं महारथ रखता हो कि भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को भी घुमा सके।

जयराम का एक नकारात्मक पक्ष और भी है। वे अमित शाह के घोर प्रशंसक है तथा कई मुद्दों पर उनकी प्रशंसा करते हुए, लोगों ने छिपकर उन्हें सुना भी है।

सुप्रीम कोर्ट के जजों ने वैबसाइट पर संपत्ति घोषित की

नयी दिल्ली, 06 मई। उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना समेत अधिकतर न्यायाधीशों ने अपनी संपत्ति का ब्यौरा सार्वजनिक कर दिया है। शीर्ष अदालत की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध कराई गई जानकारी के मुताबिक न्यायपालिका में पारदर्शिता बढ़ ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के तौर पर 33 न्यायाधीशों में से 21 ने सोमवार को अपनी संपत्ति घोषित की। न्यायाधीशों अपने खुद के अलावा जीवनसाथी की संपत्ति भी सार्वजनिक कर दी।

पूर्व एन.डी.ए...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के लिये राहुल गांधी को, तथा उस माँग को स्वीकार करने के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद दिया।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908